राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

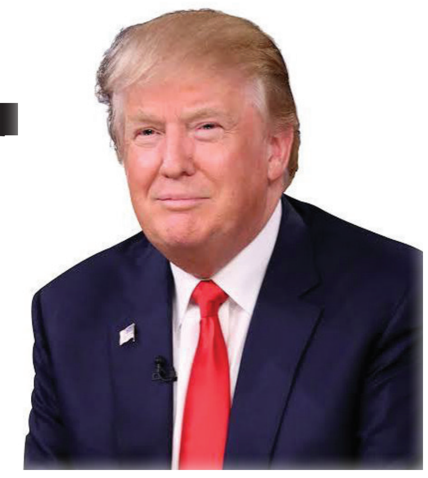

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 बिहार के मखाना को मिलेगी वैश्विक पहचान, बनेंगे आधुनिक पॉपिंग सेंटर : मंत्री

मेलोनी के साथ ट्रंप का विवाद फिर शुरू,नाटो समिट से पहले झगड़े वाला मीम आया 12

वर्ष : 14 | अंक : 119 | पटना, शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

देश की प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ एमओयू, बिहार में 51,600 करोड़ रुपये का होगा निवेश

बिहार बनेगा स्टील हब, टेक्सटाइल और न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर को भी मिलेगा बढ़ावा : सम्राट

■ मुख्यमंत्री की उपस्थिति में देश की प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ लगभग 51,600 करोड़ रुपए के निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

प्रात : किरण

पटना। लोकसेवक आवास के संकल्प में आयोजित समारोह में गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में उद्योग विभाग और विभिन्न औद्योगिक समूहों के बीच लगभग 51,600 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

इन कंपनियों ने उद्योग विभाग के साथ एमओयू पर किया हस्ताक्षर

श्याम स्टील मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड, स्टील सेक्टर में बिहार में 5 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगा। शाकंभरी इस्पात एंड पावर लिमिटेड, स्टील सेक्टर में बिहार में 5 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगा। नक्षित आयरन एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, स्टील सेक्टर में बिहार में 6 हजार 836 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। लंगटा बाबा मेटल्स एंड पावर लिमिटेड, स्टील सेक्टर में बिहार में 5500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। अंकुर स्टील प्राइवेट लिमिटेड, स्टील सेक्टर में बिहार में 6 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगा। श्री समृद्धि स्टील प्राइवेट लिमिटेड, स्टील सेक्टर में बिहार में 290 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। ग्लोबल रिनिवेबल एडवांस्ड क्लीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (ग्रेस), बिहार में न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में 22 हजार 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। क्रियेटिव ग्रुप, बिहार में टेक्सटाइल सेक्टर में 250 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। भारत साइंस एंड इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड, बिहार में 200 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। अनुभव एपरेल्स प्राइवेट लिमिटेड, टेक्सटाइल सेक्टर में बिहार में 50 करोड़ रुपए का निवेश करेगा।

बिहार में बड़े पैमाने पर उद्योग एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करना है

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य निवेश प्रस्तावों को तेजी से धरातल पर उतारकर बिहार में बड़े पैमाने पर उद्योग एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। उन्होनें कहा कि बिहार को देश के प्रमुख स्टील हब के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य में स्टील एवं मेटल आधारित उद्योगों के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में नए निवेश और बड़ी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना से

बिहार में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर को भी राज्य के औद्योगिक विकास के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल कर विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। टेक्सटाइल एवं अपैरल उद्योग श्रम आधारित होने के कारण बिहार में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की क्षमता रखता है। राज्य में इस सेक्टर से जुड़ी नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए निवेशकों को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए क्लीन एनर्जी सेक्टर, विशेषकर से जुड़ी संभावनाओं पर भी फोकस किया जा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में नए निवेश और आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देकर बिहार की बढ़ती औद्योगिक एवं आर्थिक जरूरतों के अनुरूप ऊर्जा आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को भी बिहार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कृषि एवं खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में राज्य की ताकत का लाभ उद्योगों के विकास में मिलना चाहिए। फूड प्रोसेसिंग इकाइयों के विस्तार से किसानों को बेहतर बाजार मिलने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य एवं फार्मा सेक्टर में भी निवेश की संभावनाओं को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने की दिशा में काम किया जाएगा

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने बिहार बिजनेस कनेक्ट 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके माध्यम से देश-विदेश के प्रमुख औद्योगिक समूहों और निवेशकों को बिहार में उपलब्ध अवसरों से जोडने तथा राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार का निर्माण और उस पर विश्वास बिहार के औद्योगिक विकास का मूल मंत्र होगा। बिहार के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन और उद्योगों के विस्तार की व्यापक संभावनाएं हैं। निवेशकों के विश्वास, सरकार की नीतियों और बेहतर आधारभूत संरचना के बल पर बिहार को देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की श्रेणी में लाया जाएगा। बिहार बिजनेस कनेक्ट में बिहार के बाहर रहनेवाले बिहारियों को भी जोड़ने की जरूरत है। कर्मभूमि के साथ-साथ जन्मभूमि के लिये भी उनका योगदान हो, इसको लेकर हम सब को प्रयास करना है।मुख्यमंत्री ने औद्योगिक निवेश से जुड़े सभी विभागों को आपसी समन्वय और मिशन मोड में काम करने पर जोर देते हुए कहा कि एमओयू केवल निवेश प्रस्ताव तक सीमित न रहें, बल्कि परियोजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारा जाए।

पटना विशेष निगरानी टीम की बड़ी कार्रवाई

पूर्णिया में 10 हजार रुपये रिश्वत लेते बिजली विभाग का जेई रंगेहाथ गिरफ्तार

प्रात : किरण

पूर्णिया। पटना से पहुंची विशेष निगरानी इकाई की टीम ने गुरुवार पूर्णिया के केनगर स्थित उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के कार्यालय में बड़ी कार्रवाई की है। निगरानी टीम ने दफ्तर में कार्यरत कनीय अभियंता और उनके दो तकनीकी सहायकों को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद टीम तीनों आरोपियों को अपने साथ पटना ले गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कनीय अभियंता भरत मलिक, तकनीकी सहायक आशुतोष पांडेय एवं पंकज कुमार मेहता के रूप में हुई है। अधिकारियों-कर्मियों की अचानक हुई इस गिरफ्तारी से बिजली विभाग के दफ्तर में हड़कंप मच गया।

नया बिजली कनेक्शन देने के लिए मांगी थी 15 हजार की रिश्वत

विशेष निगरानी इकाई के इंस्पेक्टर अविनाश कुमार ने बताया कि मजरा पंचायत के बखरीकोल गांव निवासी पीड़ित राजेश कुमार साह ने घरेलू बिजली कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन स्वीकृत करने के एवज में जेई भरत मलिक ने 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित ने बताया कि इसमें से 5 हजार रुपये आवेदन सत्यापन के समय ही ले लिए गए थे, जबकि शेष 10 हजार रुपये बाद में देने की

शर्त रखी गई थी। रिश्वतखोरी से परेशान होकर पीड़ित ने स्पेशल विजिलेंस यूनिट, पटना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

कार्यालय कक्ष से रंगे हाथ दबोचे गए

शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस टीम ने गुप्त तरीके से मामले का सत्यापन कराया। आरोप सही पाए जाने पर एसवीयू द्वारा एक विशेष धावा दल का गठन किया गया।पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार गुरुवार को निगरानी टीम शिकायतकर्ता राजेश साह के साथ केनगर एनबीपीडीसीएल दफ्तर पहुंची। जैसे ही कनीय अभियंता भरत मलिक ने अपने कमरे में दोनों तकनीकी सहायकों के सहयोग से शेष 10 हजार रुपये रिश्वत ली, पहले से मुस्तैद विजिलेंस टीम ने तीनों को मौके पर ही धर दबोचा।

स्कॉरशिप देने में घूस मांगने वाले प्राचार्य को तीन साल की सजा

पटना।निगरानी ब्यूरो के ट्रैप के एक पुराने मामले में न्यायालय ने गुरुवार को घूस लेने वाले प्रिंसिपल को तीन वर्ष की सजा सुनाई है। इस केस में निगरानी ब्यूरो के अधिवक्ता श्री विजय भानू सिंह ने बताया कि 2012 में पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली गौरवी रंजन नाम की छात्रा ने पालीगंज के रघुनाथपुर स्थित दामोदर उच्च विद्यालय के तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य उपेंद्र शर्मा पर छात्रवृत्ति की राशि का चेक देने के ऐवज में 2 हजार रुपये घूस की मांग की थी। निगरानी ब्यूरो के स्तर से इस मामले की जांच की गई, तो मामला सही पाया गया। इसके बाद तत्कालीन प्राचार्य उपेंद्र शर्मा को दो हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ पटना में बोरिंग रोड में पेट्रोल पंप के पास से गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से 10 हजार रुपये का स्कॉलरशिप से संबंधित चेक बरामद हुआ था।

इस केस की सुनवाई करते हुए पटना स्थित विशेष निगरानी न्यायालय के न्यायाधीश अतुल कुमार सिंह ने इस अपराध को बेहद गंभीर बताया। कहा कि मामला सिर्फ दो हजार रुपये घूस लेने तक ही सीमित नहीं है। बच्चों को स्कॉरशिप देने के नाम पर घूस लेना गंभीर अपराध है। छात्रवृत्ति के लिए घूस मांगना बेहद शर्मनाक है। इस मामले में निगरानी ब्यूरो के महानिदेशक श्री जितेंद्र सिंह गंगवार ने बताया कि इस वर्ष में अब तक भ्रष्टाचार से जुड़े 13 मामलों में कोर्ट से सजा सुनाई गई है।

यह 14वां मामला है। परंतु कम मामले ही ऐसे हैं, जिसमें 3 वर्ष या इससे अधिक की सजा सुनाई गई है।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी से नेतन्याहू ने की टेलीफोन पर बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुरुवार शाम इजराइल के प्रधानमंत्री बोंजामिन नेतन्याहू ने टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों की समीक्षा की और आपसी सहयोग को लगातार मजबूत करने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल के बीच रक्षा, कृषि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अन्य क्षेत्रों में जारी सहयोग पर चर्चा की। दोनों देश अपनी विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे, जिससे दोनों देशों को लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू ने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा करते हुए संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की।

ईडी ने निवेशकों से ठगी मामले में मुंगेर में 5 ठिकानों पर शुरू की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने बिहार के मुंगेर में कथित निवेश धोखाधड़ी और मनीलॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को पांच स्थानों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी के अनुसार, जॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए लोगों को डिजिटल जॉब और निवेश की रकम दोगुनी करने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी की गई। ईडी ने बताया कि यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 17 के तहत की गई। कंपनी के संचालक जितेंद्र कुमार राजीव और उसके सहयोगियों पर निवेशकों से धोखाधड़ी का आरोप है। तलाशी अभियान मुंगेर जिले के पांच ठिकानों पर चलाया गया।जांच एजेंसी के अनुसार, कंपनी लोगों को 2,56,500 रुपये निवेश करने पर हर महीने 15 हजार रुपये कमाने का दावा करती थी। इसके लिए निवेशकों को कंपनी की वेबसाइट पर हर महीने 4,800 ऑडियो और वीडियो देखने की शर्त रखी गई थी। साथ ही अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने पर अतिरिक्त बोनस, बाइक और कार देने का भी लालच दिया जाता था।ईडी के मुताबिक, निवेश राशि जुटाने के बाद कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने जानबूझकर वेबसाइट की गति धीमी कर दी।

जिससे निवेशक निर्धारित 4,800 ऑडियो-वीडियो नहीं देख सके। इसके कारण वे भुगतान पाने की शर्त पूरी नहीं कर पाए।

खत्म हुई पटना नगर निगम के सफाईकर्मियों की हड़ताल

प्रात : किरण

पटना। राजधानी पटना समेत राज्य के नगर निकायों में पिछले आठ दिनों से जारी सफाईकर्मियों की हड़ताल गुरुवार को समाप्त हो गई। नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा के साथ सफाईकर्मियों के प्रतिनिधिमंडल की हुई वार्ता में प्रमुख मांगों पर सहमति बनने के बाद संघर्ष समिति ने आंदोलन वापस लेने और कर्मचारियों के काम पर लौटने की घोषणा की।इससे राजधानी सहित अन्य नगर निकायों में सफाई व्यवस्था के जल्द सामान्य होने की उम्मीद बढ़ गई है। हड़ताल के कारण पटना शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई थी। सड़कों, बाजारों, मोहल्लों और रिहायशी इलाकों में कूड़े का अंबार लग गया था।लगातार हो रही बारिश के बीच गीला कचरा जमा होने से दुर्गंध फैल रही थी और कई इलाकों में संक्रमण का खतरा भी बढ़ने लगा था। शहरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, जिसके बाद सरकार ने मामले में सक्रिय हस्तक्षेप किया। नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने सफाईकर्मियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बातचीत की। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।वार्ता के दौरान कर्मचारियों की प्रमुख मांगों पर सकारात्मक चर्चा हुई और अधिकांश मांगों पर सहमति बन गई, जबकि अन्य मांगों पर सरकार ने सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।बैठक के बाद मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा, सभी कर्मचारियों का धन्यवाद, जिन्होंने हम पर विश्वास किया।

जो हमारे शहर को साफ रखने का काम करते हैं, उनके लिए जो भी आवश्यक निर्णय लेने होंगे, हम करेंगे। कई मांगों पर सहमति बन गई है। कुछ मामलों के लिए समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जबकि कुछ निर्णय ऐसे हैं, जिनके लिए मंत्रिपरिषद की स्वीकृति आवश्यक होगी।सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को हर हाल में हड़ताल समाप्त कराने के निर्देश दिए थे।

मंत्री दीपक प्रकाश ने ली एमएलसी पद की शपथ

प्रात : किरण

पटना।बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने गुरुवार को विधान परिषद के नए सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण कर ली है। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने अपने कक्ष में आयोजित एक संक्षिप्त व गरिमामय समारोह के दौरान उन्हें शपथ दिलाई।गौरतलब है कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद दीपक प्रकाश को राज्य सरकार में मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। संवैधानिक नियमों के तहत मंत्री पद पर बने रहने के लिए उनका विधानमंडल के किसी एक सदन का सदस्य होना अनिवार्य था। इसी क्रम में उन्होंने विधान परिषद सदस्य के रूप में शपथ ली है।विधान परिषद के सभापति कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान उच्च सदन के कई वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधान परिषद सदस्य तथा विधानमंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपस्थित नेताओं व शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।शपथ लेने के बाद मंत्री दीपक प्रकाश ने मुख्यमंत्री और शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे उच्च सदन के गरिमापूर्ण मंच के माध्यम से बिहार के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जोर देंगे। और आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे।दीपक प्रकाश के एमएलसी पद की शपथ लेते ही समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। विधान परिषद परिसर में उपस्थित कई मंत्रियों और जन प्रतिनिधियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। कर शुभकामनाएं दीं ।

राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में शनिवार को 1 बजे तक होगी पढ़ाई: मंत्री

■ शिक्षा विभाग ने जारी किया शनिवार को हाफ डे की अधिसूचना

प्रात : किरण

पटना। राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में शनिवार को हाफ-डे लागू कर दिया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसकी जानकारी देते हुए शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि कई विधायक, शिक्षक नेता और शिक्षकों द्वारा लगातार शनिवार को हाफ-डे करने की मांग की जा रही थी। शिक्षकों की समस्याओं को देखते हुए सभी सरकारी विद्यालयों में शनिवार को हाफ-डे लागू कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री गुरुवार को विकास भवन स्थित मदन मोहन सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी पिछले दिनों मुंगेर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान शनिवार को हाफ-डे करने की ओर इशारा किए थे। इसको देखते हुए सरकारी विद्यालयों के संचालन अवधि में आंशिक संशोधन करते हुए शनिवार को सुबह 9.30 से दोपहर 1 बजे तक विद्यालय संचालन का समय निर्धारित किया गया है। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शनिवार को 1 बजे तक अध्यापन कार्य होंगे एवं शनिवार को पूर्व निर्धारित अन्य गतिविधि संचालित की जाएगी। उसके बाद छात्र-छात्राओं को छुट्टी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिले यही मेरी पहली प्राथमिकता है। इसके लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री श्री तिवारी ने कहा कि विद्यालय में स्वीकृत पद से जो अधिक शिक्षक है उन्हें ऐच्छिक स्थानांतरण के लिए आवेदन करना था। इसके लिए शिक्षा विभाग का पोर्टल 30 जुलाई से खुला था और 5 अगस्त की रात 12 बजे बंद हो गया। इसमें राज्य के 106287 शिक्षकों को ऐच्छिक स्थानांतरण के लिए आवेदन करना था, जिसमें कुल 73151 शिक्षकों ने आवेदन किया है। अब उनकी स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू होगी। इसी प्रकार पारस्परिक स्थानांतरण के लिए कुल 4259 आवेदन प्राप्त हुए हैं। पारस्परिक स्थानांतरण की कार्रवाई 14 सितंबर तक पूरी की जाएगी। वहीं सामान्य स्थानांतरण के लिए 17 सितंबर से पोर्टल खुलेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए जिला कैडर बनाया गया है। पांच साल में एक बार शिक्षकों का स्थानांतरण किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि 31 अक्टूबर 2026 तक शिक्षकों की सभी समस्याओं का निदान किया जाएगा। उसके बाद शिक्षक छात्र-छात्राओं की समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों को निजी विद्यालयों से बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। नई शिक्षा नीति के तहत कार्य किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 9 और 10 अगस्त को बिहार में पहली बार एक साथ जिले में और मुख्यालय में तैनात शिक्षा विभाग के अधिकारियों की दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जो समस्याएं है उसपर विमर्श होगा और उसका निदान करने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग में पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है। जिसका परिणाम दिखने लगा है। शिक्षा के उन्नयन के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इस मौके पर शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सीएम ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत परियोजना निगरानी प्रणाली वेब पोर्टल का किया शुभारंभ

एआई और डिजिटल तकनीक से सूबे के जनप्रतिनिधियों का होगा क्षमता वर्द्धन : सीएम

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार को बिहार विधान मंडल सदस्यों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवेदीकरण एवं मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के कार्यान्वयन के संबंध में आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में शामिल हुए। बिहार विधान सभा के विस्तारित भवन में आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत परियोजना निगरानी प्रणाली वेब पोर्टल का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया।

सभी मंत्री, विधायक एवं विधान पार्षद एआई और डिजिटल तकनीकों का अधिकाधिक उपयोग करें

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। एआई और डिजिटल तकनीक से बिहार के विधायकों एवं विधान पार्षदों का क्षमता वर्द्धन होगा। उन्होंने कहा कि 20-25 वर्ष पूर्व कंप्यूटर की उपयोगिता सीमित थी, लेकिन आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक शासन,

प्रशासन तथा विकास की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। सभी मंत्री, विधायक एवं विधान पार्षद इन तकनीकों का अधिकाधिक उपयोग करें, ताकि जनता से बेहतर संवाद स्थापित हो तथा क्षेत्र का समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं के एस्टीमेट तैयार करने में भी एआई का उपयोग किया जाना चाहिए। भवन निर्माण विभाग के एक एस्टीमेट की कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जांच करने पर 5 से 7 प्रतिशत तक लागत में बचत हुई। उन्होंने कहा कि बचाई गई राशि का उपयोग अन्य विकास कार्यों में किया जा सकता है। आज के डिजिटल युग में यदि हम एआई का उपयोग नहीं करेंगे तो विकास की दौड़ में पीछे रह जाएंगे।

60 लाख किसानों को डिजिटल आईडी से जोड़ने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सहयोग कार्यक्रम के संचालन तथा 1 करोड़ पात्र लोगों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में राज्य सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर रही है। बिहार में किसानों का डिजिटल सर्वे कराया जा रहा है तथा 60 लाख किसानों को डिजिटल आईडी से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जनप्रतिनिधियों को तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। विद्यालयों में कंप्यूटर की शिक्षा दी जा रही है, लेकिन डिजिटल युग की आवश्यकताओं को देखते हुए इसे और सुदृढ़ किया जाना चाहिए। मुजफ्फरपुर में आर्टिफीशियल इंटिलिजेंस और कम्प्यूटर साइंस विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है।

एआई का उपयोग कर विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता बढ़ाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मंत्रियों, विधायकों एवं विधान पार्षदों के साथ-साथ उनके सहयोगियों को भी समय-समय पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कंप्यूटर एवं सोशल मीडिया के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, ताकि वे तकनीक के साथ निरंतर अपडेट रह सकें और जनता की बेहतर सेवा कर सकें।

उन्होंने कहा कि बिहार के सभी पंचायतों में मौसम केंद्र संचालित हैं तथा मौसम पूवार्नुमान 70 से 80 प्रतिशत तक सटीक सिद्ध हो रहा है। यह तकनीक कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है और आधुनिक तकनीक के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, बिहार सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डा एन विजयलक्ष्मी, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं बिहार विधानमंडल के कर्मीगण उपस्थित थे।

दुश्मन के एक साथ कई टारगेट तबाह करेगी अग्नि-4 मिसाइल, परीक्षण सफल

■ उड़ान के दौरान अग्नि-4 ने अधिकतम सीमा तक लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया

प्रात : किरण

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (एमआरबीएम) अग्नि-4 का सफल प्रक्षेपण करके एयरोस्पेस की दुनिया में धमाका कर दिया। ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से डीआरडीओ ने यह परीक्षण किया। मिसाइल ने अधिकतम सीमा तक जाकर अपने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। अग्नि सीरीज की आधुनिक, घातक, सटीक और मीडियम रेंज की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल दुश्मन के कई टारगेट एक साथ तबाह कर सकती है।रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारत के परमाणु कमान प्राधिकरण के सामरिक बल कमान के अधीन रात को किये गए प्रक्षेपण ने सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक सत्यापित किया। स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के तहत किए गए इस लॉन्च ने सभी ऑपरेशनल और तकनीकी मापदंडों को मान्य किया। ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से दागी गई अग्नि-4 मिसाइल 1,000 किलोग्राम से लेकर 4,000 किलोमीटर तक पेलोड ले जा सकती है और इसे रोड-मोबाइल लॉन्चर से दागा जा सकता है। 2012 में अग्नि-4 ने 20 मिनट में 3,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की थी। डीआरडीओ के मुताबिक अग्नि-4 मिसाइल को पहले अग्नि-2 प्राइम कहा जाता था। अग्नि मिसाइलों को डीआरडीओ ने डिजाइन और विकसित किया है। अग्नि-5 के साथ भारत की स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइलों ने एक लंबा सफर तय किया है। यह अग्नि सीरीज की सबसे आधुनिक, घातक, सटीक और मीडियम रेंज की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल है। भारत की यह परमाणु मिसाइल एक साथ दुश्मन के कई टारगेट तबाह कर सकती है। अग्नि-क सिंगल-स्टेज की मिसाइल है, जबकि ह्यअग्नि प्राइम दो स्टेज के रॉकेट मोटर पर चलने वाली मिसाइल है, जिसका तीसरा स्टेज मैन्यू रेबल रीएंट्री व्हीकल है। अग्नि परियोजना से जुड़े एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि इससे तीसरे स्टेज को दूर से नियंत्रित करके दुश्मन के टारगेट पर सटीक हमला किया जा सकता है।

कैबिनेट : गोबरधन योजना मंजूर, बायोगैस उत्पादन में दस गुना वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने 23,731 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ राष्ट्रीय चक्रीय जैव ऊर्जा योजना ह्यगोबरधनह्ण को मंजूरी दी है। योजना घरेलू संपीड़ित बायोगैस उत्पादन में लगभग दस गुना वृद्धि लाने और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायक होगी। इसका उद्देश्य देश में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कृषि अवशेषों, गोबर, प्रेस मड, नगरपालिका के जैविक कचरे और अन्य जैव-द्रव्यमान संसाधनों को स्वच्छ ईंधन, जैविक खाद, ग्रामीण आय और राष्ट्रीय आर्थिक मूल्य में परिवर्तित करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गोबरधन योजना को आज मंजूरी दी। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक लागू की जाएगी और संपीड़ित बायोगैस को भारत के भविष्य के ऊर्जा मिश्रण का एक प्रमुख स्तंभ स्थापित करेगी। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने गुरुवार को राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोबरधन योजना के प्रभाव से भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। योजना से घरेलू सीबीजी उत्पादन में लगभग दस गुना वृद्धि का लक्ष्य है, जिससे आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और ऊर्जा आत्मनिर्भरता मजबूत होगी।

बिहार का हेल्थ इंफ्रा होगा हाई-टेक: एम्स पटना संभालेगा सरकारी अस्पतालों की कमान

इमरजेंसी इलाज में नहीं होगा भेदभाव: बिहार के हर सरकारी अस्पताल में लागू होगा एक समान क्लिनिकल प्रोटोकॉल

प्रात: किरण संवाददाता

पटना । बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को एक नया आयाम देने और हर मरीज की जान बचाने के मकसद से एक बेहद शानदार और दूरगामी फैसला लिया गया है। *अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना* और *स्टेट हेल्थ सोसाइटी बिहार* के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस धमाकेदार पहल का सीधा मकसद राज्य के हर जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर के सरकारी अस्पताल में एम्स जैसा मानकीकृत, आधुनिक और त्वरित इलाज उपलब्ध कराना है।

***गोल्डन ऑवर में बचेगा जीवन:**

सड़क दुर्घटना, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, सांप काटने, जलने या जहर फैलने जैसी किसी भी इमरजेंसी में मरीज को रेफर करने के दौरान अब इलाज में कोई फर्क नहीं आएगा। पूरे बिहार में एक जैसा वैज्ञानिक *क्लीनिकल प्रोटोकॉल* और *ट्रायेज सिस्टम* लागू होगा।

***एम्स पटना बनेगा सुपर हब:**

*एम्स पटना राज्य का शीर्ष तकनीकी संसाधन केंद्र होगा। इसके अलावा बिहार के *13 सरकारी मेडिकल कॉलेज* रीजनल हब के तौर पर काम करेंगे जो निचले स्तर के अस्पतालों को चौबीसों घंटे मार्गदर्शन देंगे।

***हाई-टेक तकनीकों का धमाका:**

अब बिहार के अस्पतालों में *Tele-ICU*, एआई आधारित मेडिकल निर्णय प्रणाली, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म और इमरजेंसी मेडिसिन रजिस्ट्री जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा।* विश्वस्तरीय ट्रेनिंग:* डॉक्टरों, पैरामेडिक्स, नर्सों और एम्बुलेंस स्टाफ को *सिमुलेशन आधारित ट्रेनिंग* और बेडसाइड टीचिंग से लैस किया जाएगा ताकि वे गंभीर से गंभीर परिस्थिति से निपटने में सक्षम हो सकें। इस ऐतिहासिक समझौते पर *स्टेट हेल्थ सोसाइटी* की ओर से संयुक्त सचिव *बृंदा लाल* और *एम्स पटना* की ओर से चिकित्सा अधीक्षक *प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह* ने हस्ताक्षर किए। यह पूरा कार्यक्रम *एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल* की गरिमामयी मौजूदगी में संपन्न हुआ। मौके पर डॉ. जयती श्रीवास्तव, युक्ता सिंह, नीलोत्पल बल और डॉ. दिवेंदु भूषण जैसे प्रमुख अधिकारी भी गवाह बने।

> यह महज एक कागजी समझौता नहीं, बल्कि बिहार के कोने-कोने तक बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने वाला परिवर्तनकारी अभियान है। एम्स पटना अपनी पूरी विशेषज्ञता और संसाधनों से राज्य के हर अस्पताल को मजबूत बनाएगा।
> **प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक व सीईओ, एम्स पटना**

> एम्स पटना के साथ यह साझेदारी बिहार के पब्लिक हेल्थ सिस्टम का नक्शा बदल देगी। हमारा लक्ष्य हर सरकारी अस्पताल को इस काबिल बनाना है कि वहां आने वाले हर गंभीर मरीज को तुरंत और सही इलाज मिले।
> **बृंदा लाल, संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) SHS बिहार**

31 अक्टूबर तक शिक्षकों के तबादले से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान : शिक्षा मंत्री

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली, 2026 के तहत शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, ऑनलाइन और शिक्षक हित में संचालित की जा रही है। शिक्षा विभाग का लक्ष्य 31 अक्टूबर तक स्थानांतरण प्रक्रिया से जुड़े सभी मामलों का निष्पादन कर देना है, ताकि इसके बाद शिक्षक पूरी ऊर्जा के साथ विद्यार्थियों के पठन-पाठन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इसी वजह से महिला शिक्षकों को गृह प्रखंड तथा पुरुष शिक्षकों को गृह जिले के भीतर भेजा जा रहा है। गुरुवार को विकास भवन स्थित मदन मोहन सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए माननीय शिक्षा मंत्री ने बताया कि शिक्षकों के समायोजन/समानुपातीकरण के लिए 29 जुलाई से 5 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए गए। इस अवधि में अधिशेष (सरप्लस) 1,06,287 शिक्षकों में से 73,151 शिक्षकों (लगभग 70 प्रतिशत) ने स्वेच्छा से आवेदन किया। वहीं, पारस्परिक स्थानांतरण के लिए 4,259 आवेदन आए। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 7 अगस्त से 9 सितम्बर तक जिला, प्रमंडल एवं राज्य स्तर पर गठित स्थापना समितियों द्वारा शिक्षकवार समायोजन सूची का प्रकाशन, प्राप्त आपत्तियों एवं अपीलों का निष्पादन किया जाएगा। पारस्परिक स्थानांतरण के लिए प्राप्त आवेदनों का निष्पादन 10 से 14 सितम्बर के बीच किया जाएगा। श्री तिवारी ने बताया कि सामान्य स्थानांतरण के लिए 17 सितम्बर से आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इस चरण में वे शिक्षक भी आवेदन कर सकेंगे, जो 5 अगस्त तक आवेदन नहीं कर पाए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षकों द्वारा आवेदन के दौरान जिन विद्यालयों का विकल्प दिया गया है, उनका स्थानांतरण उन्हीं विकल्पों में से किसी एक विद्यालय में किया जाएगा। विकल्प के अतिरिक्त किसी अन्य विद्यालय में स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया ई-शिक्षाकोष पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न होगी। माननीय शिक्षा मंत्री ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए शिक्षक संगठनों एवं शिक्षक प्रतिनिधियों को रचनात्मक सुझाव देने तथा शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर संवाद में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित किया।

संक्षिप्त खबरें

दनियावां अंचल में राजस्व कर्मचारियों का पदस्थापन, कार्यों में आएगी तेजी

दनियावां। विगत एक सप्ताह से स्थानांतरण के कारण रिक्त पड़े दनियावां अंचल के राजस्व कर्मचारियों के पदों पर गुरुवार को नए कर्मचारियों का पदस्थापन कर दिया गया। अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम ने बताया कि दनियावां अंचल के छह हल्कों के लिए चार राजस्व कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि पदस्थापन होने से लंबित राजस्व कार्यों में तेजी आएगी और आम लोगों को भी बेहतर एवं समय पर सेवाएं मिल सकेंगी।

मरम्मत कार्य के कारण शुक्रवार को चार घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

दनियावां। स्थानीय उसफा विद्युत आपूर्ति उपकेंद्र से शुक्रवार को सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ने बताया कि विद्युत संरचना के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के कारण 33 केवी लाइन की आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान उसफा विद्युत उपकेंद्र से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से असुविधा से बचने के लिए पूर्व से ही पेयजल का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने की अपील की है।

सिक्स लेन पर भीषण सड़क हादसा: ट्रक-ऑटो की टक्कर में मां-बेटी की मौत, तीन घायल

फतुहा। पचरूखिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहटा-सरमेरा सिक्स लेन पर सैदनपुर के समीप गुरुवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो की आमने-सामने की भीषण टक्कर में ऑटो सवार मां-बेटी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पटना सदर एसडीपीओ-2 रंजन कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलते ही पचरूखिया और गौरीचक थाना पुलिस मौके पर पहुंची, दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य कराया और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

दनियावां बाईपास पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

दनियावां। स्थानीय दनियावां बाईपास स्थित प्रेम सागर होटल के समीप पटना से नगरनौसा जा रहे बाइक सवार अनिकेत कुमार (35) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और फतुहा की ओर फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही दनियावां पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल युवक को दनियावां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया। उपचार के दौरान होश में आने पर घायल ने बताया कि वह धनरुआ थाना क्षेत्र के नदमा गांव का निवासी है और रविवार सुबह नगरनौसा जा रहा था। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बनी हुई है।

केंद्रीय विद्यालय में दो दिवसीय संकुल स्तरीय एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

दानापुर। नगर के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय में दो दिवसीय संकुल स्तरीय एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के उद्घाटन विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सह डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर अमित बेदी ने किया। मुख्य अतिथि का स्वागत प्राचार्य संजीव कुमार सिन्हा ने पौधा एवं अंग वस्त्र प्रदान कर किया। ब्रिगेडियर वेदी ने कहा कार्यक्रम भारतीय एकता को और मजबूत करने वाला है। प्राचार्य ने एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत किया।

दानापुर रेल मंडल की उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति DRUCC तृतीय बैठक संपन्न हुई

दानापुर। खगौल रेल मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति ड्रूकउ की तृतीय बैठक आज मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय,दानापुर के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर विनोद कुमार ने की। इस बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन वीरेन्द्र कुमार एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक इन्फ्रा राजीव कुमार सहित सभी अधिकारीगण एवं ड्रूकउ के सदस्यगण उपस्थित रहे।आज के बैठक का संचालन वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ ने सभी सदस्यों का स्वागत करने के उपरांत, पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से यात्री सुविधा की दिशा में मंडल में चल रहे कार्यों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किए, तत्पश्चात ड्रूकउ के सदस्यों ने रेल यात्रियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों, यात्री सुविधाओं से जुड़े एवं रेल सेवाओं में सुधार के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं मांगें प्रस्तुत कीं। बैठक के दौरान स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विकास, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, यात्री आवास, प्लेटफॉर्म सुविधाओं, फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट एवं एस्केलेटर सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव, यात्री ट्रेनों के परिचालन, समय-सारणी में सुधार, अतिरिक्त ट्रेनों के परिचालन तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार से संबंधित सुझाव भी दिए गए। मंडल रेल प्रबंधक ने सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि ड्रूकउ रेलवे और रेल उपयोगकताओं के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। समिति के सदस्यों से प्राप्त सुझावों से यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा रेल सेवाओं को अधिकसुविधाजनक एवं यात्री-केंद्रित बनाने में सहायता मिलती है।

खगौल महिला कॉलेज में राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस एवं विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

दानापुर। खगौल नगर के अंतर्गत महिला कॉलेज,में कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। विज्ञान विभाग के डॉ किरण कुमारी शैलेंद्र कुमार और रुचिका मेहता के द्वारा राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस तथा गृह विज्ञान विभाग के द्वारा सुमन कुमारी ने विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत विविध गतिविधियाँ आयोजित की। राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान विभाग द्वारा छात्राओं के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता एवं पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने रसायन विज्ञान के आधुनिक अनुप्रयोगों, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास तथा दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान की उपयोगिता पर आकर्षक पोस्टर एवं प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर गृह विज्ञान विभाग द्वारा माइम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करना था।महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. उषा विद्यार्थी ने दोनों कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं के बौद्धिक, वैज्ञानिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में विज्ञान विभाग एवं गृह विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकगण तथा छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। निर्णायक मंडल में सीमा कुमारी शालिनी मधुश्री ने निम्न परिणाम घोषित किया पोस्टर कंपटीशन में प्रथम स्थान रिया कुमारी द्वितीय स्थान रितु कुमारी और तृतीय स्थान मंतशा प्रवीण ने प्राप्त किया पावर पॉइंट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सैलानाब सिद्दीकी द्वितीय स्थान वैष्णवी कुमारी और तृतीय स्थान अल्पना कुमारी ने प्राप्त किया कार्यक्रम में बुलबुली कानून उदय राज उदय खुशबू फातिमा राखी सिंह चंदा सिंह वीणा कुमारी रीना कुमारी अजीता प्रियदर्शनी कविता जैन आभा कुमारी आराधना सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे शिक्षा के तार कर्मी में सुबोध कुमार राजू शर्मा बेबी रंजन उपस्थित रहे।

प्रदूषण से विनाश संरक्षण से समृद्धि : डॉ. नीना कुमार

पटना। पर्यावरण संरक्षण के निहितार्थ पटना न्यू एरा पब्लिक स्कूल में हरित दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक, डॉ. (श्रीमती) नीना कुमार द्वारा पौधा रोपण कर एवं सुष्मिता भट्टाचार्य के स्वागत संबोधन से किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने हरे रंग के परिधान में उपस्थित होकर पर्यावरण संरक्षण से संदर्भित पोस्टर निर्माण, चित्रकला,स्लोगन लेखन का कार्य बड़े ही मनोयोग के साथ किया। नर्सरी एवं एलकेजी के बच्चों ने झाकलर ग्रीन सॉन्ग पर, प्रथम वर्ग के बच्चों ने सेव द प्लांट पर, द्वितीय वर्ग के बच्चों ने चलो मिलकर.सॉग पर तथा तृतीय वर्ग के बच्चों ने मिट्टी की चिट्ठी पर समूह नृत्य किया। इसी कड़ी में बताते चलें कि यूकेजी के बच्चों ने ग्रीन डे पर शानदार कविता सुनाई तथा रैंप वॉक भी किया। इस अवसर पर प्रदूषण से विनाश तथा संरक्षण से समृद्धि की बात करते हुए विद्यालय के निदेशक, डॉ. (श्रीमती) नीना कुमार ने कहा कि- प्रकृति का संरक्षण करना, अधिकाधिक वृक्ष लगाना, जल एवं ऊर्जा की बचत तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करना प्रत्येक लोगों की जिम्मेदारी है। यह कार्यक्रम काफी प्रभावोत्पादक, प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक रहा। धन्यवाद् ज्ञापन श्रीमती अनुपमा नाथ ने किया। मौके पर इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी, पटना के पूर्व निदेशक डॉ. अरविंद कुमार,उप-प्राचार्य मौसम श्री एवं डॉ. स्नेह सोनी सिंह आदि उपस्थित थीं।

हजारों युवाओं ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प, प्रेम यूथ फाउंडेशन का अभियान बना जनांदोलन

प्रात: किरण संवाददाता

पटना ।प्रेम यूथ फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान को युवाओं का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। फाउंडेशन द्वारा आयोजित संकल्प सभाओं में हजारों छात्र-छात्राओं ने एक स्वर में नशा न करने और समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मुख्याअतिथि गांधीवादी प्रेम जी का फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने शॉल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा ही देश का भविष्य है। अगर युवा नशे की चपेट में आएंगे तो विकसित भारत 2047का सपना अधूरा रह जाएगा।नशा छोड़ जीवन जोड़ह्न का दिया संदेश सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है। तम्बाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों से कैंसर, लीवर और मानसिक बीमारियां होती हैं। छात्र-छात्राओं ने पोस्टर और बैनर के माध्यम से अपने लिए ना सही अपनों के लिए नशा को ना कहें, नशा मुक्त ही भारत अपना जैसे नारे लगाए। फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने लोगों से अपील की कि वे अपने घर, मोहल्ले और कॉलेज में नशा मुक्ति की मुहिम चलाएं। युवाओं में दिखा जोश सभा में शामिल हजारों युवाओं ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे जीवन में कभी नशा नहीं करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। छात्राओं ने विशेष रूप से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कहा कि वे अपने परिवार को नशा मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी।प्रेम यूथ फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि यह अभियान सिर्फ एक दिन का नहीं है। आगे भी स्कूल, कॉलेज और गांव-गांव जाकर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। साथ ही दहेज प्रथा विरोध, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर भी अभियान चलाए जाएंगे।

प्रमंडलीय आयुक्त ने लिया स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गाँधी मैदान, पटना में आयोजित होने वाले राजकीय समारोह की तैयारी का जायजा प्रमंडलीय आयुक्त श्री मयंक वरवड़े ने लिया। जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने अबतक हुई तैयारियों के सम्बंध में बताते हुये कहा कि पूरे गाँधी मैदान को 4 जोन में बाँट कर तथा बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुये सारी तैयारी की जा रही है। बैठक में साफ-सफाई, जल निकासी, बैरिकेडिंग, पार्किंग, विद्युत व्यवस्था, परेड एवं पूर्वाभ्यास, पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा, अग्निशमन की व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था, झाँकियों का प्रदर्शन, विधि-व्यवस्था सहित सभी विन्दुओं पर की जा रही तैयारी की समीक्षा की गई। पूरी भव्यता से आयोजित होगा स्वतंत्रता दिवस का राजकीय समारोहः डीएम गाँधी मैदान में अस्थायी थाना कार्यरत हो गया है। पूरे गाँधी मैदान एवं आस-पास के क्षेत्र की सी.सी.टी.वी. कैमरे से निगरानी की जा रही है। गाँधी मैदान के चारों ओर बुडको तथा विद्युत विभाग द्वारा संस्थापित हाईमास्ट लाईट को भी चेक कर लेने को कहा गया। गाँधी मैदान में पर्याप्त संख्या में प्रकाश मीनारों की भी व्यवस्था रहेगी जो समारोह को भव्यता प्रदान करेगा। समारोह में आने वाले लोगों की सुविधा का भी रखा जा रहा ध्यान समारोह में भाग लेने वाले लोगों के लिये पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था कर लेने को कहा गया। बारिश की स्थिति में ग्राउंड में जल-जमाव न रहे इसके लिये नूतन राजधानी अंचल एवं पाटलिपुत्रा अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी को पर्याप्त संख्या में सक्शन मशीन की उपलब्धता रखने को कहा गया। बुडको के सम्बंधित अधिकारी से कहा गया कि वे सभी नाला को ठीक कर लें जिससे कि जल निकासी समुचित ढंग से होता रहे। परेड की देख-रेख कर रहे सार्जेंट मेजर के द्वारा बताया गया कि इस बार परेड में 20 टुकड़ी भाग ले रही है। पूर्वाभ्यास नियमित रूप से चल रहा है। वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के. शर्मा ने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था के लिये की जा रही तैयारी से प्रमंडलीय आयुक्त को अवगत कराया।

अनुमंडलाधिकारी ने अतिक्रमण की सूचना पर जायजा लिया

प्रात: किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत नाला निर्माण में बाधक बने अतिक्रमण की सूचना पर अनुमंडलाधिकारी ने जायजा लिया। साथ ही समस्या के निदान को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जल निकासी को लेकर बिस्कुट फैक्ट्री रोड में बुडको द्वारा किए जा रहे नाले निर्माण अतिक्रमण के कारण पूरा नहीं हो सका। इसकी जानकारी पर अनुमंडलाधिकारी सह प्रशासक अनिरुद्ध पांडेय वार्ड संख्या 33, 34 एवं 18, 19 में स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। उनके साथ नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार सफाई निरीक्षक रंजीत कुमार आदि शामिल थे। निरीक्षण के दौरान जल निकासी को लेकर हो रही समस्या को देखते हुए श्री पांडे ने आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही जल्द से जल्द इस समस्या के निदान को लेकर कार्रवाई करने की बात कही। श्री पांडे ने बताया की बिस्कुट फैक्ट्री रोड में स्थाई अतिक्रमण के कारण नाला निर्माण में समस्या आ रही है। जिसको लेकर अंचलाधिकारी को यथाशीघ्र नोटिस देकर नियमानुसार अतिक्रमण की समस्या का निदान करने का निर्देश दिया गया है। वार्ड संख्या 18 एवं 19 में जल निकासी के स्थल को लेकर विवाद सामने आई है अमीन को उसे जमीन की नापी कर आगे की कार्रवाई की बात कही गई है।

गुरु रविदास महाराज के 650 वें जयंती पर भाजपा समरसता संकल्प अभियान चलाएगी

प्रात: किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650 वें जयंती पर भाजपा समरसता संकल्प अभियान चलाएगी।जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार ने गुरुवार को मैनपुरा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गुरु रविदास महाराज किसी एक समाज के संत नहीं थे, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान पथप्रदर्शक थे।उनका बेगम-पूरा का दर्शन ऐसे समाज की कल्पना है, जहाँ किसी प्रकार का दुख,पीड़ा या भेदभाव न हो। कार्यक्रम के संयोजक ब्रजेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार को ज्ञान भवन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा सभी मंडलों के लिए एक एक कलश दी जाएगी।उस क्लश को शक्ति केन्द्र और सभी बुथो पर ले जाया जाएगा। उन्होंने ने संत रविदास ने कहा था मन चंगा तो कठौती में गंगा।समाज में समरता लाने के मन को चंगा करना पड़ेगा।29 जुलाई से गुरु पूर्णिमा की संध्या पर देशभर के सभी मंदिरों में समरसता दीप महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।अब कलश वंदन अभियान के माध्यम से जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर वाराणसी की पवित्र मिट्टी से भरे कलश हर प्रदेश, जिला और मंडल, गांव स्तर तक पहुंचेगे। पाटलिपुत्र लोकसभा के सभी विधानसभा क्षेत्रों में अकार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।जिसकी शुरूआत दानापुर से की जाएगी। बताया कि संत रविदास ही सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासह्न के संकल्प का मूल आधार है। मौके पर कार्यक्रम संयोजक ब्रजेश सिंह,सह संयोजक इंदल राम, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष कृष्ण मोहन पासवान, व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक शंकर सिंह, अखिलेश कुमार,राजेश शर्मा, भानु प्रताप सिंह,संदीप कुमार, शशि शर्मा,अमन चन्द्रवंशी समेत अन्य थे।

प्राथमिक विद्यालय कंकड़बाग में किया गया ट्रांसमिशन अस्सेस्मेंट सर्वे-1

पटना। जिला में ट्रांसमिशन अस्सेस्मेंट सर्वे-1 (टास-1) के तहत गुरुवार को कंकरबाग स्थित प्राथमिक विद्यालय, कंकड़बाग में ट्रांसमिशन अस्सेस्मेंट सर्वे-1 किया गया. जिला शिक्षा पदाधिकारी साकेत रंजन के निदेर्शानुसार कक्षा 1 और कक्षा 2 के बच्चों का रक्त सैंपल लिया गयाऔर जांच की गयी. सैंपल इकठ्ठा करने के बाद क्यू फैट किट से फाइलेरिया संक्रमण की जांच की गयी. सर्वे का शुभारंभ जयप्रभा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. शैल सिन्हा द्वारा किया गया. इस अवसर पर वेक्टर बॉर्न डिजीज सलाहकार कल्याणी, लैब तकनीशियन श्वेता, ए.एन.एम, आशा कार्यकर्ता, स्कूल के शिक्षक और कर्मी तथा सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे. जिला में ट्रांसमिशन अस्सेस्मेंट सर्वे-1 जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद की नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है. मालूम हो कि जिला के बख्तियारपुर, बिक्रम, नौबतपुर, बाढ़, बेलची, मोकामा, घोसवरी और पटना के शहरी क्षेत्रों में फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत टास-1 गतिविधि जिला के सरकारी और निजी स्कूलों में शुरू की गयी है और क्यू फैट किट द्वारा ब्लड सैंपल की जांच की जा रही है. इसी क्रम में गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय कंकड़बाग के कक्षा 1 और 2 के बच्चों के रक्त के नमूने इकठ्ठा किया गया और दोपहर तक 17 बच्चों की जांच की गयी. जानकारी के अनुसार जयप्रभा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 400 बच्चों की जांच करने का लक्ष्य दिया गया है. केंद्र के अधीन पड़नेवाले विद्यालयों में क्रमवार बच्चों की जांच की जाएगी।

वाहन चेकिंग के दौरान एक साईबर फ्राड को गिरफ्तार किया

दानापुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने लोदीपुर चांदमारी स्थित छितनावा दानापुर मार्ग में तीन मुहानी के वाहन चेकिंग के दौरान एक साईबर फ्राड को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक स्कार्पियों ,12 मोबाईल,एक लैपटाप, एवं अन्य संदिग्ध कागजात बरामद किया गया है। एसडीपीओ वन अजीत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक साइबर फ्राड स्कार्पियो से जा रहा है, उसके पास फ्राड करने के सामान भी है। सूचना पर तत्काल पहल करते हुए वाहन चेकिंग चलाया गया। वाहन चेकिंग के कम में ही एक काले रंग के स्कार्पियों को छापामारी दल की उपस्थित पुलिस पदाधिकारी ने पकड़ा। वाहन एवं उसके चालक अजीत कुमार मनेर के खासपुर निवासी हैं। विधिवत तालासी लेने पर साईबर फ्राड से संबंधित आवश्यक सामान बरामद हुआ। पूछताछ में अजीत ने अपने साथियों के नाम उजागर किया है ।बरामद सामानों में एक स्कार्पियो वाहन,12 मोबाइल,कुल-11 एटीएमकार्ड,13 पैन कार्ड,3 आधार कार्ड,एक ड्राईवरी लाइसेंस,एक प्रेस कार्ड,12 नया सीम कार्ड,6 कागज पुड़िया में लपेटा हुआ 10 सीम,शतीन मोहर स्टॉम,बैंक पासबुक-एक एवं चेक बुक 02 एवं अन्य समान बरामद किया गया।

डीडी न्यूज की वरिष्ठ एंकर शहला निगार को मिला लिपि यूरोप मीडिया अवार्ड 2026

नई दिल्ली। लिपि यूरोप द्वारा इण्डिया बियॉन्ड बोर्डस अभियान के अंतर्गत नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित भव्य अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समारोह में डीडी न्यूज की वरिष्ठ एंकर एवं पत्रकार शहला निगार को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित लिपि यूरोप मीडिया अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। केंद्रीय पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन तथा पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, कानपुर लोकसभा सांसद रमेश अवस्थी, विदेश मंत्रालय भारत सरकार के भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निदेशक सुनील कुमार सिंह, पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा तथा लिपि यूरोप की अध्यक्ष एवं प्रवासी यूरोपियन डॉ. योजना जैन ने संयुक्त रूप से सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि डीडी न्यूज पर प्रसारित ह्यगुड न्यूज इण्डियाह्न देश में सकारात्मक समाचारों पर आधारित अपनी तरह का एक अनूठा कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की सराहना स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम ह्लमन की बातह्न में भी की है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सकारात्मक पत्रकारिता समाज को दिशा देने और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। केंद्रीय मंत्री रमेश अवस्थी ने कहा कि वे लंबे समय से शहला निगार की रिपोर्टिंग और एंकरिंग को देख रहे हैं। उनकी प्रस्तुति में सहजता, सरलता और विषय की गंभीरता का उत्कृष्ट संतुलन दिखाई देता है, जो उन्हें समकालीन पत्रकारिता में विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। डीडी न्यूज पर गुड न्यूज इण्डिया कार्यक्रम को लम्बे समय एंकर शहला निगार प्रस्तुत करती आ रही है । पुरस्कार ग्रहण करने के बाद शहला निगार ने कहा, लिपि यूरोप मीडिया अवार्ड 2026 जैसा अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त होना मेरे लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय है। इस सम्मान ने सकारात्मक पत्रकारिता के प्रति मेरे दायित्व और जिम्मेदारी को और अधिक बढ़ा दिया है। मैं इस सम्मान के लिए लिपि यूरोप तथा चयन करने वाली ज्यूरी समिति के सभी सम्मानित सदस्यों के प्रति ह्रदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

अंग्रेजी शराब लोड अनलोड कर रहे तीन वाहन को पकड़ा गया

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत अशोकपुरी में पुलिस ने अंग्रेजी शराब के खेप लोड अनलोड करते समय तीन वाहनों को बरामद किया।साथ ही विभिन्न कंपनियों की 526.32 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया। लेकिन धंधे से जुड़े लोगों के पकड़े नहीं जाने से जितनी मुंह उतनी बातें कही जा रही है।साथ पुलिस के छापेमारी पर सवालिया निशान लगाया जा रहा है।कारण की तीन वाहन मतलब तीन चालक और धंधे से जुड़े कई लोग भी होंगे। बावजूद किसी एक भी गिरफ्तारी नहीं की गई। बताया जाता है कि चार अगस्त की रात पुलिस छापेमारी की थी।एसडीपीओ वन अजीत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर दानापुर पुलिस द्वारा लेखानगर के पास अशोकपुरी में छापेमारी की गई अथी। जहां से शराब लोड अनलोड कर रहे एक टेम्पु एक कार, एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया।साथ ही विभिन्न ब्रांडों के अंग्रेजी शराब, बियर करीब 526.32 लीटर बरामद किया गया।

9-10 अगस्त को पटना में होगा शिक्षा पर मंथन : शिक्षा मंत्री

पटना। आगामी 9 और 10 अगस्त को पटना के अधिवेशन भवन में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला सह चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में विभाग के करीब 400 वरिष्ठ, क्षेत्रीय, जिला एवं प्रखंड स्तर के अधिकारी भाग लेंगे। इस तरह की कार्यशाला पहली बार आयोजित की जा रही है।गुरुवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को सुबह 9:30 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कार्यशाला का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय कार्यशाला का समापन 10 अगस्त को शाम 7 बजे होगा। शिविर में हुई चर्चा, सुझाव और निर्णयों की जानकारी 11 अगस्त को आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में साझा की जाएगी।शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह चिंतन शिविर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ नेतृत्व, विभिन्न संस्थानों और सहयोगी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, नीतिगत विमर्श और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, शिक्षक स्थानांतरण नियमावली, स्मार्ट क्लास, ई-शिक्षाकोष आदि पर जोर होगा।

राजस्व कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, लंबित मामलों का करें त्वरित निष्पादन : दिलीप

राजस्व मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की सभी जिलों की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी अपर समाहर्ताओं, भूमि सुधार उप समाहर्ताओं एवं अंचलाधिकारियों के साथ राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभाग के सचिव जय सिंह ने विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान ऑनलाइन दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस, ई-मापी, अभियान बसेरा-2, राजस्व महा-अभियान, जन शिकायत एवं सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन तथा आरसीएमएस के अंतर्गत संचालित सभी न्यायालयों के कार्यों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। लक्ष्य से पिछड़े जिलों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि विभाग की सभी सेवाएं पूरी तरह ऑनलाइन संचालित की जा रही हैं। यदि किसी भी स्तर पर ऑफलाइन माध्यम से कार्यों के निष्पादन की शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि डिफेक्ट चेक की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए तथा आरसीएमएस के अंतर्गत सभी वादों का निष्पादन फर्स्ट इन, फर्स्ट आउट सिद्धांत के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। जिन जिलों में डीसीएलआर स्तर पर मामले अंतिम निष्पादन की स्थिति में लंबित हैं, उन्हें एक सप्ताह के भीतर निष्पादित कर संबंधित वादों का समापन करने का निर्देश दिया गया।

राजस्व मंत्री ने कहा कि अभियान बसेरा-2 के अंतर्गत आगामी 15 अगस्त तक 30 हजार वासभूमिहीन परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की समयबद्ध प्राप्ति के लिए सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने यह भी बताया कि राजस्व कार्यों की प्रगति की अगली समीक्षा 15 दिनों के बाद की जाएगी। तब तक सभी जिलों को लंबित मामलों के निष्पादन की गति बढ़ाते हुए डिस्पोजल रेट में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बिहार के मखाना को मिलेगी वैश्विक पहचान

अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर बनेंगे आधुनिक पॉपिंग सेंटर : मंत्री

- अंतराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगा कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण, निर्यात को मिलेगा नया विस्तार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।सूबे के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि बिहार के कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उत्पादन, प्रसंस्करण, गुणवत्ता, अवसंरचना एवं परिवहन से जुड़े सभी पहलुओं पर समन्वित रूप से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार किसानों को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि उनके उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए आवश्यक पूरी व्यवस्था विकसित करेगी।

मंत्री ने कहा कि राज्य से निर्यात होने वाले कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण अंतर्राष्ट्रीय निर्यात मानकों के अनुरूप किया जाएगा, ताकि बिहार के उत्पाद वैश्विक बाजार की गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता के अनुरूप मखाना तैयार करने के लिए आधुनिक मखाना पॉपिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों की स्थापना कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों की देखरेख एवं तकनीकी मार्गदर्शन में की जाएगी। सरकार की सहायता से इन पॉपिंग सेंटरों पर आधुनिक पॉपिंग यंत्रों की व्यवस्था की जाएगी, जिससे किसानों को आधुनिक तकनीक का लाभ मिल सके।

इन पॉपिंग सेंटरों पर किसान स्वयं अपने मखाना की पॉपिंग कर सकेंगे। इन पॉपिंग सेंटरों पर तैयार किया गया मखाना अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता एवं निर्यात मानकों के अनुरूप होगा। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ-साथ बिहार के मखाना की वैश्विक बाजार में मांग और पहचान भी बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य से कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किसानों एवं संबंधित हितधारकों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कृषि निर्यात के लिए आवश्यक कार्गो उड़ानों की संख्या बढ़ाने, निर्यात अवसंरचना के विकास एवं आधुनिकीकरण तथा प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना एवं उनकी संख्या में वृद्धि के लिए भी ठोस कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार बिहार राज्य कृषि निर्यात नीति पर कार्य कर रही है, जिसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा। इस नीति के लागू होने के बाद राज्य में कृषि उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण, गुणवत्ता संवर्धन, भंडारण, लॉजिस्टिक्स एवं निर्यात को एक नई दिशा मिलेगी तथा किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

उन्होंने कहा कि बिहार में कृषि निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण, गुणवत्ता प्रमाणन, परिवहन, निर्यात अवसंरचना एवं वैश्विक बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है, ताकि बिहार के कृषि उत्पाद विश्व बाजार में अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर सकें।

जनसुनवाई में मंत्री डॉ श्वेता गुप्ता ने सुनी आमजनों की समस्याएँ, त्वरित समाधान के दिए दिशा-निर्देश

पटना। जनता दल यू प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार की मंत्री डॉ श्वेता गुप्ता ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुँचे फरियादियों की समस्याएँ गंभीरतापूर्वक सुनीं तथा उनके विधिसम्मत एवं त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पार्टी की प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी श्रीमती अंजुम आरा भी उपस्थित रहीं।जनसुनवाई के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ श्वेता गुप्ता ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि अधिकांश लाभार्थियों के खातों में भेज दी गई है।जिन कुछ लाभार्थियों के जीवन प्रमाणीकरण में तकनीकी अथवा अन्य कारणों से समस्या आने के कारण राशि हस्तांतरण प्रभावित हुआ है, उनके मामलों की गंभीरता से समीक्षा की जा रही है।प्रत्येक मामले का सत्यापन कर सभी पात्र लाभार्थियों के खातों में शीघ्र राशि उपलब्ध करा दी जाएगी।

समाज के लिए समर्पित था रामफल मंडल का जीवन दामोदर : रावत

पटना। परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने कहा कि शाहिद रामफल मंडल का जीवन समाज और प्रदेश के लिए समर्पित रहा है और उन्होंने आजीवन राज और अपने समाज के लिए काम किया। मंत्री दामोदर रावत कंकड़बाग टेंपो स्टैंड के पास अखिल भारतीय धानुका महासंघ की ओर से कुर्मी विकास परिषद सभागार में आयोजित स्वतंत्रता सेनानी शाहिद रामफल मंडल मंडल की जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा की शाहिद रामफल मंडल जी के आदर्श पर चलकर ही धानुक समाज बिहार में कई तरह की बुलंदियों पर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय धानुका महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष जदयू नेता शंकर प्रसाद ने कहा कि शाहिद रामफल मंडल धानुक समाज के लिए आशा की किरण हैं और उन्हीं के पद चोन पर चलकर यह समाज बिहार के विकास में अपना योगदान दे रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान पार्षद ललन प्रसाद ने समाज की मांग पर कंकड़वाल टेंपो स्टैंड के शिवाजी गोलंबर के सौंदर्यीकरण कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन जदायूं नेता रणविजय कुमार ,स्वागत भाषण जदयू नेता जितेंद्र पटेल एवं धन्यवाद ज्ञापन पटना नगर निगम की पूर्व मेयर प्रत्याशी सीमा पटेल ने किया। कार्यक्रम में विधायक वशिष्ठ सिंह, कुर्मी विकास परिषद के महासचिव सुरेंद्र सिंह, विजय कुमार राय, सुमन पटेल, रिंपी पटेल, सुषमा सिन्हा ,संजू पटेल ,मनोरंजन कुशवाहा, संटू पटेल, विकी पटेल, सत्येंद्र सिंह ,जलेश्वर महतो, देवेंद्र महतो ,अमित कुमार, संतोष कुमार सहित सैकड़ो लोगों ने अपने श्रद्धा सुमन सहित रामफल मंडल को अर्पित किया।

महंगाई, भ्रष्टाचार, अपराध, बेरोजगारी के खिलाफ भाकपा का गांव गांव पदयात्रा शुरू

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत बिहार के सभी 38 जिलों में 06 अगस्त 2026 से महँगाई, भ्रष्टाचार, अपराध, बेरोजगारी के खिलाफ गांव गांव पदयात्रा शुरू हो गई। यह पदयात्रा 15 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान संविधान और लोकतंत्र को बचाने तथा राज्य और केंद्र की सत्ता से भाजपा को हटाने का संकल्प लिया जायेगा। पद यात्रा के दौरान जन समस्या को एकत्रित कर आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। पदयात्रा में पार्टी के सभी नेता भाग ले रहे हैं। राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने मधुबनी जिले के धकजरी में शामिल हुए। पदयात्रा को आमलोगों का व्यापक जन समर्थन मिल रहा है ।भाकपा राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि पदयात्रा को लेकर कार्यकताओं में भारी उत्साह है। पहले दिन पूरे राज्य में तीन सौ से ज्यादा जत्था निकला और हजारों कार्यकताओं ने भाग लिया। सभाएं आयोजित की गइं। राज्य और केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों से जनता परेशान है। केन्द्र की भाजपा नेतृत्व वाली मोदी सरकार की कारपोरेट परस्त नीतियों तथा महंगाई से आम जनता त्रस्त है। बेरोजगारी तथा गलत शिक्षा नीति से छात्र और युवा परेशान हैं। सूबे बिहार में भाजपा सरकार की नई सेटेलाईट टाउनशीप योजना के जरिए किसानों-गरीबों की करीब 1.60 लाख एकड़ जमीन छिनकर कारपोरेट घरानों को तोहफा देने का षड्यंत्र किया जा रहा है। बिहार के किसान-मजदूर तथा बेरोजगार युवा वर्षों से स्थायी बन चुके बाढ़-सुखाड़ से त्रस्त होकर उद्योगविहीन राज्य बिहार से पलायन करने को मजबूर है। भूमिहीनों तथा फुटपाथ पर जीवन-बसर करने वाले गरीबों, छोटे व्यवसायियों को बिना कोई वैकल्पिक व्यवस्था किए जबरन उजाड़ा जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने 06 अगस्त से 15 अगस्त, 2026 तक राष्ट्रव्यापी पदयात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया है।

टू-व्हीलर रोटरी पार्किंग परियोजना का कायारंभ, पटना में तीन स्थानों पर विकसित हो रही अत्याधुनिक पार्किंग सुविधा

पटना। पटना शहर को सुव्यवस्थित, स्मार्ट एवं यातायात-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आधुनिक टू-व्हीलर रोटरी पार्किंग परियोजना का कायारंभ कर दिया गया है। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा इस परियोजना के अंतर्गत शहर के तीन प्रमुख स्थानों कदमकुआं वेंडिंग जोन, पटना जंक्शन स्थित मल्टीमॉडल हब एवं मौर्यलोक परिसर में अत्याधुनिक रोटरी पार्किंग सुविधा विकसित की जा रही है। कदमकुआं वेंडिंग जोन में निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, जबकि शेष दोनों स्थानों पर भी शीघ्र कार्य आरंभ किया जाएगा ।तीनों पार्किंग स्थलों के निर्माण पर कुल 4 करोड़ 27 लाख की राशि व्यय की जाएगी। यह परियोजना आधुनिक शहरी अवसंरचना के विकास के साथ-साथ बढ़ते वाहन दबाव को वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।कदमकुआं वेंडिंग जोन में विकसित की जा रही रोटरी पार्किंग लगभग 54 वर्गमीटर क्षेत्रफल में निर्मित होगी, जिसमें एक साथ 96 दोपहिया वाहनों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से पार्क किया जा सकेगा।

नई पीढ़ी बेहतर हिंदुस्तान के लिए आगे बढ़ रही है, हम इनके संघर्ष के साथ : दीपंकर

पटना। बिहार दौरे पर पहुंचे भाकपा माले महासचिव कॉ. दीपंकर भट्टाचार्य ने पालीगंज हाई स्कूल खेल मैदान में युवाओं पर पुलिसिया दमन के खिलाफ,बेहतर शिक्षा और सम्मानजनक रोजगार के लिए,नहरों में पानी तथा गरीबों के वासझ्आवास के लिए,एनकाउंटर, बुलडोजर और पुलिसिया दमन के राज के खिलाफ आयोजित संकल्प सभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि छात्र आंदोलनों से देश को नेता मिलते थे लेकिन आज की सरकार चाहती है कि छात्र नेता नेता नहीं बने ।

खनन विभाग में तैनात किए जाएंगे एक हजार खनन सिपाही : मंत्री

- खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री प्रमोद कुमार ने प्रेस वार्ता कर दी पूरे मामले की जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।बिहार अवैध खनन की रोकथाम के लिए खान एवं भूतत्व विभाग के पास जल्द ही अपने सिपाही होंगे। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की तर्ज पर खनन सिपाही की भर्ती की जाएगी। फिलहाल एक हजार खनन सिपाही की भर्ती की जाएगी। इससे संबंधित प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके बाद इसे अमलीजामा पहनाने के लिए संबंधित भर्ती एजेंसी को भेजा जाएगा। ये बातें खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री प्रमोद कुमार ने विकास भवन सचिवालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इस पहल से खनन में पारदर्शिता आएगी। अभी छापेमारी करने में स्थानीय पुलिस का सहयोग लेना पड़ता है। इससे उन पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। खनन महकमा के पास अपने सिपाही होने से छापेमारी और अवैध खनन में जुड़े वाहनों को जब्त करने में आसानी होगी। इससे विधि-व्यवस्था संभाल रही स्थानीय पुलिस का काम हल्का होगा। खनन की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। इन खनन सिपाहियों का समुचित तरीके से प्रशिक्षण कराया जाएगा और इससे जुड़े मानकों का भी निर्धारण किया जाएगा।

मंत्री ने राज्य में पत्थर खनन को एक बड़ा उद्योग बताते हुए कहा कि नवादा जिले में पत्थर खनन के आठ खनन पट्टों के लिए निविदा प्रकाशित कर दी गई है। शेष जिलों औरंगाबाद, गया, शेखपुरा तथा बांका में पत्थर खनन पट्टों के लिए 15 अगस्त तक निविदाएं जारी कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि इन पत्थर खनन इकाइयों के संचालन से राज्य में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही इससे सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी। खनन पट्टों के आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी तथा पट्टे पांच वर्ष की अवधि के लिए दिए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य के गया और रोहतास जिलों में मैग्नेटाइट, वैनेडियम और ग्लॉकोनाइट खनिज ब्लॉकों की नीलामी की जा रही है। इस संबंध में 17 अगस्त को पटना में केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एक रोड शो आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर विभाग के सचिव-सह-खान आयुक्त अवनीश कुमार सिंह तथा खान निदेशक मनेश कुमार मीणा भी उपस्थित थे।

बंटी यादव हत्याकांड: तेजस्वी ने परिवार को दिया 5 लाख का चेक, बच्चों की पढ़ाई और नौकरी का जिम्मा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बंटी यादव की हत्या के बाद उनके शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए तेजस्वी यादव ने बड़ी घोषणा की। उन्होंने ऐलान किया कि मृतक बंटी यादव के दोनों बच्चों की 12वीं तक की पढ़ाई-लिखाई का पूरा खर्च राष्ट्रीय जनता दल उठाएगी।

5 लाख रुपये का सहायता चेक बंटी यादव की पत्नी को सौंपा

नेता प्रतिपक्ष ने पीड़ित परिवार को तात्कालिक राहत प्रदान करते हुए 5 लाख रुपये का चेक बंटी यादव की पत्नी को अपने हाथों से सौंपा। उन्होंने कहा कि यह सहायता राशि बच्चों के भविष्य और घर की तात्कालिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दी गई है, ताकि परिवार पर आए इस अचानक संकट के समय उन्हें आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े।

बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी पार्टी निभाएगी : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने स्पष्ट किया कि बंटी यादव के असमय चले जाने के बाद उनके दोनों मासूम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की जिम्मेदारी पार्टी निभाएगी। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि स्कूली शिक्षा से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई का पूरा खर्च समय-समय पर पार्टी फंड से मुहैया कराया जाएगा, ताकि बच्चों की शिक्षा में कोई रुकावट न आए।

पीड़ित परिवार से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि पार्टी सिर्फ आज ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में भी परिवार के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में जब भी परिवार को किसी भी प्रकार की आवश्यकता होगी।

और उनके कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग की कि बंटी यादव के हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाते हुए दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए।

गुरु रविदास जी के 650वें जयंती वर्ष पर आज से शुरू होगा समरसता संकल्प अभियान

- ज्ञान भवन में तैयारियों को अंतिम रूप, सभी जिला अध्यक्षों को सौंपे जाएंगे वाराणसी से लाए गए पवित्र कलश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। संत शिरोमणि गुरु रविदास के 650वें जयंती वर्ष के पावन अवसर पर उनके सामाजिक समरसता, समानता एवं बंधुत्व के अमर संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित समरसता संकल्प अभियान के शुभारंभ समारोह की तैयारियों को शुक्रवार को होने वाले कार्यक्रम से पूर्व अंतिम रूप दिया गया। कार्यक्रम 7 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे पटना स्थित ज्ञान भवन में आयोजित होगा।

इस महत्वपूर्ण आयोजन में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, राज्य सरकार के कई मंत्री, विधायक, विधान पार्षद तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के समरस समाज, सामाजिक न्याय और समानता के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा ।कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर गुरुवार को ज्ञान भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं, अतिथियों के स्वागत, मंच संचालन, जिला स्तर की भागीदारी तथा अभियान के आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई ।इस समारोह के दौरान उपस्थित सभी 52 संगठनात्मक जिला अध्यक्षों को वाराणसी से लाए गए पवित्र कलश सौंपे जाएंगे। इन कलशों के माध्यम से पूरे प्रदेश में समरसता संकल्प अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का अभियान चलाया जाएगा ।बैठक में विधान पार्षद एवं उप सचेतक जनक राम, भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम के संयोजक राजेश झा, विधायक एवं भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुजीत पासवान, प्रदेश मंत्री सरला रजक, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित प्रकाश बबलू, आयोग के सदस्य सुग्रीव रविदास, सह कोषाध्यक्ष अंकुर गुप्ता सहित कार्यक्रम व्यवस्था में जुटे भाजपा प्रदेश प्रकोष्ठ , मोर्चा एवं पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठन सृजन अभियान के बाद पंचायत और वार्ड तक कांग्रेस की मजबूती ही अगला लक्ष्य: अल्लावारू

- कांग्रेस जिलाध्यक्षों की मासिक समीक्षा बैठक में स्थानीय जन समस्याओं और शिक्षा व रोजगार की बेहतरी पर व्यापक आन्दोलन के टास्क हुए तय

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आज गुरुवार को बिहार कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और अध्यक्ष राजेश राम की मौजूदगी में संपन्न हुई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के व्यापक क्रियान्वयन के तहत प्रखंड कांग्रेस कमिटी का कार्य अपने अतिम चरण में है और अब मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति की पहल शुरू हो चुकी है जिसके बाद पंचायत और वार्ड में कांग्रेस की मजबूती हमारा अगला लक्ष्य रहेगा। जिलों में सभी प्रखंड अध्यक्षों के साथ आवश्यक रूप से मासिक बैठक के साथ प्रखंड और पंचायतों में छोटे समूहों के साथ संवाद का कार्यक्रम आवश्यक रूप से संचालित करने का निर्देश भी दिया गया। हर घर कांग्रेस का झंडा और चलो पंचायत चलो वार्ड कार्यक्रम को लेकर भी आवश्यक निर्देश प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने जिलाध्यक्षों को दिया।

इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सांगठनिक मजबूती के लिए प्रतिबद्ध है और साथ ही अपने भू सम्पदाओं को संरक्षित, उचित रख रखाव और संवर्धन करने की ओर भी मजबूती से कदम उठा रही है। ऐसे में जिलाध्यक्षों को स्थानीय जनहित के मुद्दों पर मुखर होकर आन्दोलन और प्रदर्शन कर जनता के हर सुख दुःख में कदम से कदम मिलकर चलना है। साथ ही देश के व्यापक मुद्दे जिसको लेकर हमारे नेता राहुल गाँधी लगातार संघर्ष कर रहे हैं उसमें पेपर लीक, चंदा चोरी के खिलाफ जनजागरण आन्दोलनों को आवश्यक बताया।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने आइजीआइएमएस में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का किया लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कमांड सेंटर, क्रिटिकल केयर प्ब्न्, नई डायलिसिस यूनिट, हर्बल गार्डन तथा मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर श्री निशांत ने कहा कि बिहार सरकार गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं आमजन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इन नई सुविधाओं के शुरू होने से गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार मिलेगा, डायलिसिस सेवाओं का विस्तार होगा तथा अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर के माध्यम से जटिल सर्जरी की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के नेतृत्व में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को आधुनिक, सुलभ एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए लगातार नए आयाम जोडे.जा रहे हैं। एनडीए सरकार का लक्ष्य है कि बिहार के लोगों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध हों।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को अब पाँच रूपए में मिलेगा पौष्टिक भोजन : मंत्री

बिहार के निर्माण श्रमिकों के लिए शुरू हो रही श्रमिक अतिथिशाला और भोजशाला योजना

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग द्वारा निर्माण श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा दायरे को और मजबूत करने की दिशा में नई पहल शुरू की जा रही है। इसके तहत बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के द्वारा भोजशाला योजना और श्रमिक अतिथिशाला योजना की शुरूआत की जा रही है। इसकी जानकारी विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने दी। उन्होंने बताया कि दोनों योजना बिहार सरकार श्रमिकों के सम्मानजनक जीवन, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए संचालित की जाएगी।

मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने बताया कि रोजगार की तलाश में शहरों में आने वाले निर्माण श्रमिकों तथा दूसरे राज्यों से लौटने वाले बिहार के श्रमिकों को सुरक्षित और सम्मानजनक अस्थायी आवास उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार श्रमिक अतिथिशाला योजना शुरू कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में पटना के नौ प्रमुख स्थानों पाटलिपुत्र इंडस्ट्रियल एरिया, पाटलिपुत्र स्टेशन, बैरिया जीरोमाइल, आईएसबीटी-कंकड़बाग, दानापुर जंक्शन, सगुना मोड़, बिहटा कॉरिडोर, नौबतपुर और दीदारगंज में अतिथिशालाओं का संचालन किया जाएगा। बाद में इस सुविधा का विस्तार राज्य के अन्य जिलों तक किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि अतिथिशालाओं में महिला एवं पुरुष श्रमिकों के लिए अलग-अलग डॉरमेट्री होगी, जिनमें क्रमशः 50 और 100 बेड की व्यवस्था रहेगी। श्रमिक यहां सामान्यतः 7 से 10 दिनों तक ठहर सकेंगे और विशेष परिस्थितियों में अवधि बढ़ाई भी जा सकेगी। अतिथिशालाएं 24 घंटे संचालित होंगी, जहां आधुनिक सुविधाओं के साथ अनुदानित दर पर भोजन और नाममात्र शुल्क पर आवास उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल पर संचालित होने वाली इस योजना के लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरूआत की जा चुकि है और इसके शुरू होने से निर्माण श्रमिकों को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक आवास उपलब्ध हो सकेगा।

वहीं, भोजशाला (कैंटीन) योजनाह्न को लेकर विभाग के मंत्री ने बताया कि बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए ह्यभोजशाला (कैंटीन) योजनाह्न के तहत निर्माण स्थलों पर कार्यरत श्रमिकों को उनके कार्यस्थल के निकट मात्र पाँच रुपये में स्वच्छ, ताजा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। प्रथम चरण में पटना के प्रमुख श्रमिक एवं निर्माण क्षेत्रों में 10 भोजशालाओं का संचालन स्थायी कैंटीन और मोबाइल फूड वैन के माध्यम से किया जाएगा। प्रत्येक भोजशाला में प्रतिदिन 300 नाश्ता और 300 दोपहर के भोजन सहित कुल 600 भोजन उपलब्ध होंगे, जबकि भोजन की शेष लागत का वहन बोर्ड करेगा।

मंत्री ने कहा कि निर्माण श्रमिकों से जुड़ी इन कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत मुख्यमंत्री शसम्राट चौधरी के कुशल मार्गदर्शन में किया जा रहा है जिससे समृद्ध बिहार की संकल्पना को बल मिलेगा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को भी सिद्धि तक पहुंचाने में मदद भी मिलेगी।

निर्धारित समय-सीमा में योजनाओं का हो गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन : सचिव

- सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने की राज्य में संचालित सहकारिता संबंधी योजनाओं की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने गुरुवार को राज्य में संचालित सहकारिता संबंधी योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाने के लिए सतत मॉनिटरिंग, डिजिटलीकरण और विभागीय समन्वय को और मजबूत किया जाना चाहिए।

शास्त्री नगर स्थित डी.एन.एस. क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान में आयोजित समीक्षा बैठक में डॉ. भूटानी ने कहा कि ह्लसहकारिता से समृद्धिह्व के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जवाबदेही, पारदर्शिता और परिणामोन्मुख कार्यसंस्कृति को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने बिहार में वेजफेड की स्थापना, बिहार राज्य सहकारिता नीति-2026 के क्रियान्वयन, नई सहकारी समितियों के गठन तथा सहकारी क्षेत्र में किए गए अन्य कार्यों की सराहना करते हुए राज्य को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति, उपलब्धियों, चुनौतियों और भावी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (एम-पैक्स), डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन, पैक्सों के व्यावसायिक विविधीकरण, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस, पैक्स कंप्यूटरीकरण, गोदाम निर्माण, खाद्यान्न अधिप्राप्ति, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), मधुक्रांति तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई।

संक्षिप्त खबरें

जलजमाव से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन, समाधान की उठाई मांग

मधुबनी। कलुआही प्रखंड की मलमल दक्षिण पंचायत के वार्ड 12 व 13 में जलजमाव और जल निकासी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने गुरुवार को सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि बरसात के दौरान सड़क और गलियों में पानी भर जाने से लोगो का आवागमन बाधित हो जाता है तथा स्कूली बच्चो, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी होती है। ग्रामीणो का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नालों की सफाई और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई। उन्होंने जाम नालों की सफाई, खुले नालों पर ढक्कन लगाने और नियमित रखरखाव की मांग करते हुए चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। पंचायत प्रशासन की ओर से इस मामले में फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पूर्व मेयर समीर कुमार हत्याकांडः कोर्ट ने सबूतों के अभाव में सभी 6 आरोपियों को किया बरी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के बहुचर्चित पूर्व मेयर समीर कुमार और उनके चालक रोहित कुमार की हत्या के मामले में पहले सेशन ट्रायल का बहुप्रतीक्षित फैसला गुरुवार को आ गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में मामले के सभी छह आरोपियों—श्याम नंदन मिश्रा, सुशील कुमार छापड़िया, मृत्युंजय कुमार उर्फ पिंटू सिंह, नवीन कुमार, सुजीत कुमार और कुमार रंजय ओंकार—को बरी कर दिया। फैसला सुनाते हुए अदालत ने अभियोजन पक्ष और पुलिस की जांच पर गंभीर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ ऐसे ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत करने में असफल रहा, जिनके आधार पर आरोप सिद्ध किए जा सकें। पर्याप्त एवं पुख्ता प्रमाण नहीं होने के कारण अदालत ने सभी आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। यह मामला 23 सितंबर 2018 का है, जब चंदवारा नवाब रोड के पास अपराधियों ने पूर्व मेयर समीर कुमार और उनके चालक रोहित कुमार पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी थीं। इस हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस दोहरे हत्याकांड से पूरे मुजफ्फरपुर में सनसनी फैल गई थी और मामले ने राज्यभर का ध्यान अपनी ओर खींचा था। जांच के दौरान इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड में कुल 12 लोगों को आरोपी बनाया गया था। हालांकि मुकदमे की सुनवाई के दौरान कुछ आरोपियों की पहले ही हत्या हो चुकी है।

अखंड सुहाग की रक्षा के लिए 3 अगस्त से शुरू हुआ मधुश्रावणी व्रत

मनीगाछी(दरभंगा)। विवाह के प्रथम वर्ष के श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि से आरंभ होकर श्रावण शुक्ल तृतीया को संपन्न होने वाले इस व्रत का मिथिलांचल के महिलाओं में विशिष्ट महत्व है। प्राचीन काल से चले आ रहे इस विशेष व्रत को नव विवाहिताओं द्वारा बहुत ही श्रद्धा और निष्ठा पूर्वक मनाने की परंपरा है।नव विवाहिताएं एक पखवाड़े की अवधि में नियम पूर्वक आहार का सेवन करते हुए,नाग,गौरी एवं विषहरा की पूजा नियमित रूप से करती हुई इनकी पौराणिक कथाओं का श्रवण करती हैं। मिथिलांचल की परंपराओं में नव विवाहिताएं सामूहिक रूप से देव मंदिरों के परिसरों तथा फूलों के बगीचे में विभिन्न प्रकार के फूलों का चयन करती हैं और मिथिला के पारंपरिक गीतों का गायन करती हुई घर को लौटती हैं।ऐसी मान्यता है कि इस पूजा में वासी फूलों से पूजा अर्चना करने से फल मिलते हैं।नव विवाहिताएं इस अवधि में अपनी ससुराल के वस्त्र एवं वहां से आए भोज्य पदार्थों का ही सेवन करती हैं।इस अवधि में भोजन में सैंधव नमक के अतिरिक्त सामान्य नमक का प्रयोग निषिद्ध माना गया है।नाग पंचमी के दिन से आरंभ होने वाले इस विशेष व्रत के संबंध में ऐसी मान्यता है कि नाग की पूजा से महिलाओं में वैधव्य योग नहीं होता है।

हल्की बारिश से तापमान में आई गिरावट, मौसम हुआ सुहाना

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा स्थित जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र द्वारा जारी मौसम बुलेटिन के अनुसार गुरुवार, 6 अगस्त 2026 को क्षेत्र में मौसम अपेक्षाकृत सुहाना रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान 28.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट आई और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। मौसम केंद्र के अनुसार दिन का अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.6 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.5 डिग्री कम है। सुबह 7 बजे सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत तथा दोपहर 2 बजे 81 प्रतिशत दर्ज की गई।

अहिल्या गौतम स्थान मंदिर के जीर्णोद्धार व विकास कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण

● निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण सभी कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने आज जिले के अहियारी गांव स्थित अहिल्या गौतम स्थान मंदिर परिसर का निरीक्षण कर वहां चल रहे जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर में संचालित जीर्णोद्धार एवं निर्माण कार्य,पोखर के सौंदर्यीकरण, चाहरदीवारी निर्माण सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अभियंताओं से कार्यों की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं शेष कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग एवं कार्यपालक अभियंता पर्यटन विभाग को सभी निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने धर्मशाला के जीर्णोद्धार कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि धर्मशाला का जीर्णोद्धार इस प्रकार किया जाए जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सके।जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता,भवन निर्माण विभाग एवं कार्यपालक अभियंता,पर्यटन विभाग को निर्देश दिया कि सभी निर्माण एवं विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के अवसर पर सहायक समाहर्ता सुश्री कल्पना रावत, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, कार्यपालक अभियंता पर्यटन विभाग सहित अन्य संबंधित अभियंता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मिथिला संस्कृत शोध संस्थान के कायाकल्प को मिली रफ्तार, विधायक ईश्वर मंडल ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा ग्रामीण विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल की पहल पर कबराघाट स्थित मिथिला संस्कृत शोध संस्थान के व्यापक विकास कार्यों में तेजी आई है। करोड़ों रुपये की लागत से प्रस्तावित नए भवन, बाउंड्री वॉल, सौंदर्यीकरण एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के निर्माण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गुरुवार को विधायक ने संस्थान परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान विधायक ईश्वर मंडल ने कहा कि मिथिला की समृद्ध सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं वैदिक परंपरा को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध एवं अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार करने में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा की दूरदर्शी सोच और विशेष पहल महत्वपूर्ण रही है।उन्होंने बताया कि श्री झा के प्रयासों से हाल ही में मिथिला संस्कृत शोध संस्थान और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की संस्कृत टेक्स्ट सोसाइटी के बीच संस्थागत सहयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी महत्वपूर्ण पहल की गई है। विधायक ने कहा कि यह सहयोग मिथिला की प्राचीन ज्ञान-परंपरा, संस्कृत साहित्य और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा। विधायक ने विश्वास जताया कि संस्थान के आधुनिक स्वरूप में विकसित होने से शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं संस्कृत विद्वानों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी और मिथिला की बौद्धिक विरासत को नई ऊर्जा मिलेगी।

विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार एसएसबी की बड़ी कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 225 लीटर नेपाली शराब के साथ एक भारतीय तस्कर को गिरफ्तार किया। एसएसबी के अनुसार, ह्यडीह्न समवाय, गंगौर की विशेष गश्ती टीम ने 06 अगस्त की सुबह करीब 6:29 बजे थाना साहरघाट क्षेत्र में सीमा स्तंभ संख्या 291/07 से लगभग 1.5 किलोमीटर भारतीय सीमा के भीतर विशेष गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 300 मिलीलीटर की 750 बोतल नेपाली शराब (कुल 225 लीटर) बरामद हुई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मधुबनी जिले के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगुली गांव निवासी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि शराब को नेपाल से अवैध रूप से भारत लाया जा रहा था। मामले में तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जब्त शराब एवं गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए साहरघाट थाना को सुपुर्द किया जा रहा है। 48वीं वाहिनी के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कार्रवाई में शामिल जवानों की सराहना करते हुए कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर शराब, मादक पदार्थ, हथियार, नकली भारतीय मुद्रा तथा अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध एसएसबी का अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों से भी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत एसएसबी या स्थानीय पुलिस को देने की अपील की।

संविदा सफाई कर्मियो ने राज्यव्यापी हड़ताल के समर्थन में निकाला मार्च, नियमितीकरण सहित कई मांगे उठाई

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर राज्यभर में संविदा एवं आउटसोर्सिंग पर कार्यरत सफाई कर्मियों की हड़ताल के समर्थन में गुरुवार को नगर पंचायत जयनगर में अखिल भारतीय सफाई मजदूर यूनियन के बैनर तले समर्थन मार्च निकाला गया। इसके बाद आयोजित सभा में सफाई कर्मियों ने नियमितीकरण, समान काम के लिए समान वेतन, सामाजिक सुरक्षा तथा बकाया वेतन के भुगतान की मांग उठाई। कार्यक्रम का नेतृत्व यूनियन के सचिव शोभीत मंडल एवं अध्यक्ष लक्ष्मण राम ने किया। इस दौरान यूनियन के संरक्षक एवं ऐक्टू नेता भूषण सिंह भी मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि वर्षो से कार्यरत संविदा एवं आउटसोर्सिंग सफाई कर्मियो को स्थायी किया जाए तथा ठेकेदारी व्यवस्था समाप्त कर सम्मानजनक एवं सुरक्षित रोजगार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही सभी कर्मियो को पीएफ, ईएसआई, चिकित्सा सुविधा, बीमा, पेंशन सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ देने और बकाया वेतन का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई। सभा को संबोधित करते हुए शोभीत मंडल ने कहा कि सफाई कर्मी नगरो को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उन्हें समय पर वेतन, सुरक्षा उपकरण और अन्य बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो रही हैं। अध्यक्ष लक्ष्मण राम ने वर्षों से कार्यरत कर्मियों के नियमितीकरण और ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने की मांग दोहराई। ऐक्टू नेता भूषण सिंह ने कहा कि निजीकरण एवं ठेकेदारी की नीतियों से श्रमिको के अधिकार प्रभावित हो रहे है। उन्होने न्यूनतम मजदूरी, सेवा सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और श्रम कानूनों के तहत मिलने वाले सभी अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की। सभा में वक्ताओं ने हाल के दिनों में नगर निकायो के कार्यपालक पदाधिकारियो पर हुए हमलो एवं हत्याओं की निंदा करते हुए नगर निकाय कर्मियों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग भी की।कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अमित राम, दिलीप राम, कोषाध्यक्ष देवेंद्र राम, संतोष राम, जितेन्द्र राम, डोमा राम, संजीत राम, विजय राम, राजकुमार पासवान, अजय राम, मिथिलेश कुमार यादव, गुरूशरण यादव सहित बड़ी संख्या में सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

10 अगस्त को जेल भरो आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के वासोटोल स्थित एक निजी संस्थान में डीवाईएफआई, एडवा, सीटू, खेत मजदूर यूनियन और किसान सभा की एक संयुक्त बैठक हुई।अध्यक्षता श्याम किशोर कमल ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 अगस्त को होने वाले राष्ट्रव्यापी ह्यजेल भरो आंदोलनह्न के तहत विभूतिपुर के सभी कार्यकर्ता समस्तीपुर समाहरणालय पहुंचकर बड़ी संख्या में गिरफ्तारी देंगे।बैठक को संबोधित करते हुए विभूतिपुर विधायक सह किसान सभा के राज्य अध्यक्ष अजय कुमार ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों को मजदूर-किसान विरोधी बताया। उन्होंने इस आंदोलन को निर्णायक बताया। इसके अलावा रामाश्रय महतो, बबलू कुमार, सिया प्रसाद यादव, क्रांति कुमार और दिलीप पंजियार समेत कई नेताओं ने भी कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। बैठक में जागेश्वर महतो, लूटन राय, ललन सुमन, राम ज्ञान महतो, कैलाश पासवान, शंकर शर्मा, देवेंद्र सिंह, बंधु महतो, जगदीश महतो, राम पुनीत शर्मा, विष्णु देव प्रसाद सिंह, सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, कृष्णमूर्ति, रामचंद्र महतो, छोटन साहनी सहित दर्जनों स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा लंबित मामलो के त्वरित निष्पादन के निर्देश

जनहित से जुड़े मामलो में लापरवाही नही होगी बर्दाश्त, सेवा-संवाद-समाधान पोर्टल की नियमित मॉनिटरिंग पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को अपर समाहर्ता (आपदा) संतोष कुमार की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के साप्ताहिक प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन और जनहित से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।समीक्षा के दौरान कोषागार, जिला नीलाम पत्र शाखा, जिला विधि शाखा, जिला लोक सूचना कोषांग, लोक शिकायत निवारण एवं अनुश्रवण प्रणाली, जिला कृषि कार्यालय, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल तथा सेवा-संवाद-समाधान पोर्टल सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया। अपर समाहर्ता ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय योजनाओं एवं जनहित से जुड़े मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें। लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाते हुए नियमित रूप से प्रगति अद्यतन की जाए तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाई जाए।बैठक में सेवा-संवाद-समाधान पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों, लंबित शिकायतों के निष्पादन एवं संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही की भी समीक्षा की गई। अपर समाहर्ता ने निर्देश दिया कि पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके।समीक्षा के दौरान न्यायालयों से संबंधित लंबित मामलों, नीलाम पत्र वादों, लोक शिकायतों तथा विभिन्न विभागों की प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रगति का भी आकलन किया गया। अपर समाहर्ता ने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा तथा सभी विभाग निर्धारित समयसीमा के भीतर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करे। बैठक में संबंधित विभागों के जिला एवं अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

भटके कछुए का सुरक्षित रेस्क्यू, जीवछ नदी में किया गया पुनर्स्थापन

मधुबनी। वरीय उपसमाहर्ता की तत्परता और संवेदनशीलता से ऑफिसर्स कॉलोनी में भटके एक कछुए का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे उसके प्राकृतिक आवास जीवछ नदी में पुनर्स्थापित किया गया। यह पहल जलीय जैव विविधता एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय उदाहरण बनी।जानकारी के अनुसार, देर रात वरीय उपसमाहर्ता के सरकारी आवास के समीप एक कछुआ विचरण करता हुआ दिखाई दिया। इसकी सूचना मिलते ही उन्होंने कछुए की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उसे सावधानीपूर्वक सुरक्षित स्थान पर रखा और तत्काल वन परिसर पदाधिकारी अनूप कुमार को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कछुए को अपने संरक्षण में लेकर आवश्यक देखभाल की। अगले दिन विभागीय मानकों के अनुरूप डीपीओ नमामि गंगे आनंद अंकित की उपस्थिति में कछुए को जीवछ नदी में सुरक्षित छोड़ दिया गया। नदी में छोड़े जाने के बाद कछुआ स्वाभाविक रूप से अपने प्राकृतिक वातावरण की ओर बढ़ गया। वन अधिकारियों ने बताया कि कछुए जलीय पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और जल स्त्रोतों की स्वच्छता तथा जैव विविधता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्र में दिखाई दे तो उसे नुकसान पहुंचाने या स्वयं पकड़ने का प्रयास न करे, बल्कि तत्काल वन विभाग को सूचना दें। वरीय उपसमाहर्ता की संवेदनशील पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना करते हुए इसे वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला कदम बताया।

दिनदहाड़े छिनतईः महिला के गले से सोने की चेन छीनकर बाइक सवार बदमाश फरार

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गंज स्थित दलसिंहसराय-सिंघिया घाट मुख्य मार्ग एसएच-88 पर समर्था जाने वाली सड़क के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने दिनदहाड़े एक महिला के गले से सोने की चेन छीन ली। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी बाइक पर सवार होकर दलसिंहसराय की ओर भाग निकले।मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता कल्याणपुर दक्षिण पंचायत के समर्था निवासी स्वर्गीय शंकर मलिक की पत्नी सुशीला देवी बताई गई है। वह दलसिंहसराय डॉक्टर के यहां इलाज करवाने के बाद टेंपो पर सवार होकर घर लौट रही थी। कल्याणपुर गंज के पास उतरकर अपने घर समर्था जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रही थी तभी पीछे से आए बाइक सवार झपट्टा मार बदमाशों ने उनके गर्दन से सोने की चेन झपट ली। महिला के शोर मचाने पर जब तक आस-पास के लोग जुटते, तब तक बदमाश रफूचक्कर हो चुके थे। चैन में लॉकेट लगा हुआ था। जिसका वजन लगभग दो भरी बताया गया है।घटना की सूचना मिलने पर तुरंत डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल की जांच करने के बाद पीड़िता को लिखित आवेदन देने के लिए विभूतिपुर थाना ले गई। जहां पिड़िता में थाना में लिखित आवेदन देकर बदमाशों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि महिला के चार पुत्र हैं। दो आर्मी ऑफिसर, एक पुलिस ऑफिसर और एक खुद का व्यवसाय करते है। सभी पूरे परिवार के साथ बाहर रहते हैं। महिला अकेले घर पर रहती है। घटना को लेकर उनके पुत्र ने निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से उचित जांच कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

नेपाली शराब के साथ तीन महिला तस्कर गिरफ्तार, एसएसबी की बड़ी कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 91.2 लीटर नेपाली शराब के साथ तीन भारतीय महिला तस्करो को गिरफ्तार किया है। एसएसबी के अनुसार, ई समवाय बीओपी खोना की विशेष पेट्रोलिंग पार्टी ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर थाना बासोपट्टी क्षेत्र में सीमा स्तंभ संख्या 278/15 से लगभग 700 मीटर भारतीय सीमा के भीतर घेराबंदी की। इस दौरान सिर पर बोरी लेकर आ रही तीन महिलाओं को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उनके पास से 304 बोतल नेपाली शराब बरामद हुई। जब्त शराब में 118 बोतल (35.4 लीटर) दिलवाले सोफी तथा 186 बोतल (55.8 लीटर) ब्रिक्स सोफी शामिल है। कुल 304 बोतलों में 91.2 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। गिरफ्तार तीनो महिलाएं मधुबनी जिले के बासोपट्टी थाना क्षेत्र स्थित खोना गांव की निवासी है। प्रारंभिक पूछताछ में उन्होने स्वीकार किया कि शराब नेपाल से खरीदकर भारत में बिक्री के उद्देश्य से लाई जा रही थी। मामले में तस्करी नेटवर्क की जांच जारी है। एसएसबी ने बरामद शराब को जब्त कर तीनों आरोपित महिलाओं को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए बासोपट्टी थाना के हवाले कर दिया है। 48वीं वाहिनी के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कार्रवाई में शामिल जवानों की सराहना करते हुए कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर शराब, मादक पदार्थ, नकली भारतीय मुद्रा एवं अन्य अवैध वस्तुओं की तस्करी रोकने के लिए एसएसबी पूरी सतर्कता के साथ लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने सीमावर्ती लोगो से भी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत एसएसबी या स्थानीय पुलिस को देने की अपील की।

पति की निर्मम हत्या के जूर्म में पत्नी व कथित प्रेमी को आजीवन कारावास एवं दस-दस हजार अर्थथदंड

दरभंगा। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आदिदेव की अदालत ने प्रेम प्रसंग में पति की निर्मम हत्या के जूर्म में सिमरी थानाक्षेत्र के कमरौली निवासी संगीता देवी और उसके कथित प्रेमी कुन्दन कुमार उर्फ बजरंगी को आजीवन सश्रम कारावास और दस-दस हजार रुपये अर्थथदंड की सजा सूनाई है। अर्थथदंड नही चूकाने पर दोनो जूर्मियों को एक माह की अतिरिक्त सजा भूगतनी पड़ेगी।लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने बताया कि सिमरी थाना कांड संख्या 147/23 से जुड़े सत्रवाद संख्या 675/23 की सूनवाई पुरी कर अदालत ने गत 24 जूलाई को हीं कमरौली निवासी रामाशीष साह के 40 वर्षीय पुत्र राम कुमार साह की निर्मम हत्या की जूर्म में मृतक की पत्नी संगीता देवी और उसके कथित प्रेमी कुंदन दास उर्फ बजरंगी दास को भादवि की धारा 302/34 के तहत दोषी करार दिया था। अभियोजन पक्ष का संचालन कर रहे एपीपी दिलीप कुमार साह ने बताया कि गुरुवार को अदालत में दोनों जूर्मियों का सजा अवधि निर्धारण के बिन्दु पर अभियोजन और वचाव पक्ष का वहश सूनने तथा अभिलेख पर मौजूद साक्ष्यों का गहन परिशीलन के बाद सजा सूनाई है।यह घटना 21 जुलाई 2023 की रात सिमरी थाना क्षेत्र के कमरौली गांव स्थित कुमरपट्टी चौर में एक मुर्गी फार्म पर हुई थी। मामले की प्राथमिकी मृतक के पिता रामाशीष साह ने दर्ज कराई थी।एपीपी श्री साह ने बताया कि घटना के दिन राम कुमार साह के बच्चे का जन्मदिन था। अपने बच्चे का जन्मदिन मनाने के लिए वह अपनी पत्नी के पास मुर्गी फार्म पहुंचा था। आरोप है कि उसकी पत्नी संगीता देवी पांच बच्चों की मां है जिसका कुंदन दास से प्रेम प्रसंग था और वह अक्सर उसके मुर्गी फार्म पर रहती थी।घटना की रात करीब 11 बजे मृतक के पिता को सूचना मिली कि उसके पुत्र को मुर्गी फॉर्म पर मार रहा है।उसके पिता रामाशीष साह और स्वजन वहां पहुंचे तो देखा कि राम कुमार को दोनों आरोपित लाठी-डंडे से पीट रहे थे। आरोप है कि बर्बरतापूर्वक मृतक का आंख भी जूर्मियों ने फोर डाली थी। गंभीर चोटों के कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

आपदा से मृत व्यक्तियों के आश्रितों को मंत्री ने दिया 4-4 लाख का अनुग्रह अनुदान चेक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।राज्य सरकार की आपदा राहत योजना के तहत आपदा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को आर्थिक सहायता अनुदान राशि मंत्री मद्यनिषेध उत्पाद निबंधन विभाग बिहार सरकार मदन सहनी द्वारा लाभुकों के बीच4-4 लाख की अनुग्रह अनुदान राशि का चेक वितरित किया गया।साथ ही हनुमाननगर अंचल के मिठ्ठू कुमार तथा बहादुरपुर अंचल के तीन आपदा से मृतक चंदन राम, हीरा देवी, अकरम के आश्रित को चार लाख रुपये के अनुग्रह अनुदान चेक का भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार आपदा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत शीघ्र अनुग्रह अनुदान उपलब्ध कराया।

एमएलएसएम कॉलेज के हिंदी विभाग में नवागंतुक छात्र-छात्राओं का अभिनंदन समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

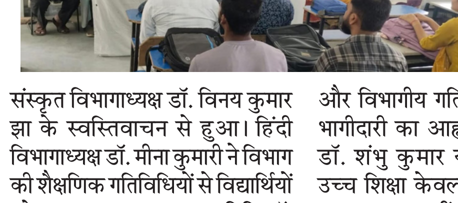

दरभंगा। महाराज लक्ष्मेश्वर सिंह (एमएलएसएम) महाविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में नये सत्र के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं सत्रारंभ के अवसर पर गुरुवार को भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. शंभु कुमार यादव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बर्सर डॉ. नंदकिशोर झा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार झा के स्वस्तिवाचन से हुआ। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मीना कुमारी ने विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ. नंदकिशोर झा ने महाविद्यालय एवं हिंदी विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, कक्षा में उपस्थिति और विभागीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. शंभु कुमार यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अपनाने की प्रेरणा दी और हिंदी विभाग द्वारा आयोजित गरिमामय कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. सुप्रीत शालिनी, डॉ. संगीता कुमारी सहित विभाग के शिक्षक एवं चार दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। संचालन डॉ. ज्वाला चंद्र चौधरी ने किया। अंत में अतिथियों ने नवागंतुक विद्यार्थियों को कलम एवं मिठाई भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया।

जिलाधिकारी ने की श्रावणी मेला की तैयारियों की समीक्षा

पदाधिकारियों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार सुदृढ़ एवं त्रुटिहीन तैयारी सुनिश्चित का दिया निदेश

प्रात : किरण संवाददाता

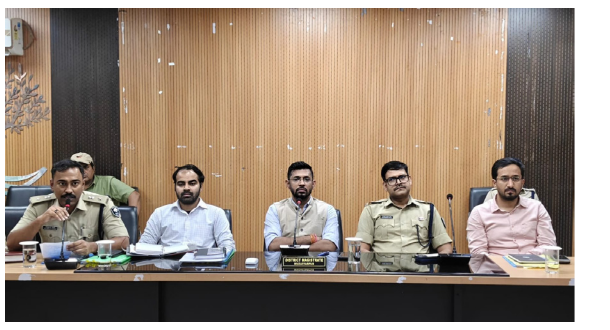

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने कहा है कि श्रावणी मेला का आयोजन पूर्णतः सुविधापूर्ण एवं दुर्घटना मुक्त होना चाहिए। उत्कृष्ट भीड़-प्रबंधन, सुदृढ़ सुरक्षा-व्यवस्था एवं सुचारू यातायात-प्रबंधन के लिए सभी पदाधिकारी सजग, सक्रिय एवं तत्पर रहें। वे बुधवार को मेला के आयोजन हेतु समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित एक बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। जिलाधिकारी ने कहा कि मेला का सफल आयोजन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। द्वितीय एवं तृतीय सोमवार को काफी भीड़ रहती है। अतः भीड़ नियंत्रण के मानकों का अक्षरशः अनुपालन अनिवार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने कर्तव्य स्थलों पर मुस्तैद रहें एवं सजग तथा सक्रिय होकर कार्य करें। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी इसका अनुश्रवण करें। प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की स्पॉट ब्रीफिंग भी करने का निदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए हर प्रशासनिक सुविधा उपलब्ध रहनी चाहिए। नियंत्रण कक्ष, वॉच टावर, ड्रॉप गेट, सीसीटीवी कैमरों से मॉनिटरिंग, बिजली, साफ-सफाई, चिकित्सा शिविर, ट्रैफिक व्यवस्था, एसडीआरएफ, पेयजल, शौचालय सुविधा सहित अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध रहनी चाहिए। जिलाधिकारी ने निदेश दिया कि उन्नत एवं सुविकसित कम्युनिकेशन प्लान के साथ सभी पदाधिकारी मुस्तैद रहें। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में सरैयागंज टावर तक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जन सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। श्रद्धालुओं का मार्ग पूरी तरह अवरोध-मुक्त रहना चाहिए। ट्रैफिक प्लान का अक्षरशः अनुपालन करें। पार्किंग स्थल से इतर गाड़ी नहीं रहनी चाहिए। श्रद्धालुओं के रास्ते में कोई भी अनधिकृत वेण्डर या दुकान नहीं रहना चाहिए। इसका उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दोषी अधिकारियों के विरुद्ध भी जिम्मेदारी निर्धारित कर अनुशासनात्मक एवं विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने बैरिकेडिंग, साफ सफाई की व्यवस्था, सड़क का सुदृढ़ीकरण, ट्रैफिक प्लान, पार्किंग की व्यवस्था, विद्युत एवं प्रकाश की व्यवस्था, ठहराव स्थल की व्यवस्था, पेयजल,शौचालय की व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, चिकित्सा व्यवस्था, अग्निशमन, भीड़ प्रबंधन, पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम, विधि-व्यवस्था संधारण, साइनेज एवं अन्य बिन्दुओं पर एक-एक कर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों से भी विस्तृत विमर्श किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को फकुली मोड़ से बाबा गरीब नाथ मंदिर तक श्रद्धालुओं के आने-जाने वाले पूरे मार्ग एवं स्थलों को अवरोधमुक्त एवं सुविधायुक्त बनाने का निर्देश दिया।

डीएम ने मांगा राजस्व कर्मचारियों के योगदान का प्रतिवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा कुल 200 राजस्व कर्मचारियों को अन्य जिलों से मुजफ्फरपुर जिला में स्थानांतरित किया गया था। उक्त आलोक में जिलाधिकारी द्वारा इन अंतर-जिला स्थानांतरित राजस्व कर्मचारियों को कंप्यूटर-आधारित रैंडमाइजेशन विधि द्वारा मुजफ्फरपुर के 16 अंचलों में पदस्थापित किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारियों को इन नव-पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों का योगदान से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया है। अंचल अधिकारियों को यह भी निदेश दिया गया है कि इन राजस्व कर्मचारियों को हल्का आवंटित करते हुए राजस्व संबंधी कार्यों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा है कि सरकार का उद्देश्य प्रशासन को उत्तरदायी, अनुशासित एवं जनोन्मुख बनाना है। पारदर्शी एवं तकनीक-आधारित स्थानांतरण तथा पदस्थापन व्यवस्था से इस प्रयास को और बल मिलेगा।

पुतुल हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता, फरार नामजद आरोपी धीरज कुमार गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। सदर थाना क्षेत्र के पताही मोहम्मदपुर गांव में चर्चित टेंट हाउस संचालक पुतुल हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे नामजद आरोपी धीरज कुमार को पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से सदर थाना में गहन पूछताछ की जा रही है।सदर थानाध्यक्ष नवलेश कुमार ने बताया कि पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं मामले में फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में धीरज कुमार के पिता विजय बैठा को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

साहित्य सम्मेलन ने मनाया एक कर्म योगी का 94 वां जन्म दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के ज्ञान वृद्ध,वयोवृद्ध एवं उर्ध्व -चेता अध्यक्ष चित्तरंजन सिन्हा कनक का 94 वे वां जन्म दिन , जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में राधिका अपार्टमेंट नया टोला मुजफ्फरपुर में मनाया गया। इस समारोह की अध्यक्षता सम्मेलन के उपाध्यक्ष डां विनोद कुमार सिन्हा ने की। इस अवसर पर सम्मेलन प्रधानमंत्री साहित्य मार्तण्ड उदय नारायण सिंह ने आगत अतिथियों का सत्कार करते हुए अपने उद्गार में कहा कि आज उनके भाव सारिता में शब्दों के जो पाटल पुष्प खिले हैं उनमें से कुछ शब्द पुष्पों के माध्यम से अपने अध्यक्ष चित्तरंजन सिन्हा कनक एवं आप सभी पदाधिकारियों,कार्यकारिणी सदस्यों का हृदय से अभिनंदन,वंदन एवं चंदन करते हैं । 94 वें वर्ष की उम्र में भी कनक जी की जीवटता हम सभी के लिए प्रेरणास्पद है ।कनक जी की काया बूढ़ी हो गई हैं ,पर सोच अभी भी जवान हैं , जो इनकी जीवटता एवं जीवंतता का परिचायक है ।उन्होंने आगे कहा कि वह आदमी कभी बूढ़ा नहीं होता जो सदा मित्रों से घिरा रहता है और कनक जी इसके साक्षात प्रतिमूर्ति हैं ।यही जीवन सूत्र कनक जी को बीमार और बूढ़ा नहीं होने दे रहा । उन्होंने ने कहा कि उनकी समक्ष से चित्तरंजन सिन्हा कनक ह्यनिष्काम कर्म योगी हैं ,इसीलिए कनक बाबू ह्यकनकह हैं। डां वंदना विजय लक्ष्मी ने कहा कि कनक जी में वह अपने पिता डां शिवदास पाण्डेय की जीवटता और जीवंतता देखती है । प्रेम कुमार वर्मा ने कहा कि कनक जी अनेक अभिभावक हैं और वे उनका उसी रूप में सम्मान करते हैं। उत्तम कुमार निशांत ने अपने उद्गार में कहा कि कनक जी जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन मुजफ्फरपुर की रीढ़ की हड्डी हैं ।इस सुअवसर पर बोलते हुए अमिताभ कुमार सिन्हा , कि कनक बाबू ने बज्जिका और बज्जिकांचल के लिए जो कार्य किया है इसे भविष्य नहीं भुला सकता । अपने अध्यक्षीय संबोधन में डां विनोद कुमार सिन्हा ने कहा कि कनक बाबू का जीवन इतना गहरा और विस्तृत है कि इसे शब्दों में नहीं बांधा जा सकता इनके कृतित्व और प्रभुत्व को शब्दों में बांधना उस जैसे लोगों के लिए सूर्य को दीपक दिखाने के बराबर है ।डां हरि किशोर प्रसाद सिंह ने कहा कि कनक बाबू अपने आप में एक संस्था हैं ।94 वें वर्ष की उम्र में भी दर्जनों संस्था की बोझ सिर पर लिए चल रहे हैं ।सच्चे अर्थों में कनक जी कर्मयोगी हैं । इस अवसर पर डां सिवुगतुल्ला हमिदी डां बीरेन्द्र कुमार मल्लिक,डा उषा किरण श्रीवास्तव ,संगीता सागर, देवेन्द्र प्रसाद शर्मा,उषा शंकर प्रसाद चौरसिया, लोकनाथ मिश्र ,रमेश प्रसाद श्रीवास्तव ,राम चन्द्र सिंह ने भी अपने विचार रखे ।मधुमंगल ठाकुर ने आगत सदस्यों के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया ।इस सुअवसर पर डां शारदाचरण,डां महेंद्र मधुकर,डां राम प्रवेश शुभकामनाएं सिंह, डां संजय पंकज एवं गणेश प्रसाद सिंह ने भी जन्म दिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं ।

विकास कार्यों को मिलेगी नई रफ्तार, दो वार्डों में सड़क व नाला निर्माण का शिलान्यास

मुजफ्फरपुर। कांटी नगर परिषद क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने वार्ड संख्या 15 में सड़क एवं नाला निर्माण तथा वार्ड संख्या 24 में नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांटी नगर परिषद निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बरसात समाप्त होने के बाद विकास कार्यों की रफ्तार और तेज होगी। शिलान्यास के बाद विधायक ने स्थानीय लोगों से निर्माण कार्यों की निगरानी करने की अपील करते हुए कहा कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे होने चाहिए। उन्होंने संवेदक को निर्देश दिया कि निर्माणाधीन नालियों को मुख्य नाली से जोड़ा जाए, ताकि बरसात और अन्य मौसम में जलजमाव की समस्या उत्पन्न न हो और लोगों को राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक ई. अजीत कुमार का भव्य स्वागत किया तथा क्षेत्र में विकास कार्य शुरू कराने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति दिलीप कुमार, उपसभापति अजय कुमार गुप्ता, पार्षद पूनम गुप्ता, संजय साह, संतोष पासवान, रामकुमार मोनू, राममोहन पासवान, पार्षद प्रतिनिधि शंकर प्रसाद, जितेंद्र यादव, रामनाथ गुप्ता, सुमन कुमार सिंह, पवन कुमार, नीरज मिश्रा, रमेश ठाकुर, श्याम किशोर मिश्रा, प्रभु गुप्ता, नंदन महतो सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

शहर में दिनदहाड़े फ्लैट के बाहर से नई होंडा शाइन बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध

मुजफ्फरपुर। शहर में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं के बीच गुरुवार को मझौलिया इलाके में दिनदहाड़े एक नई होंडा शाइन मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित ने सदर थाना में अज्ञात चोर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, अनय कुमार के नाम से मुजफ्फरपुर परिवहन कार्यालय में पंजीकृत नई होंडा शाइन मोटरसाइकिल सुबह करीब 10 बजे मझौलिया स्थित उनके फ्लैट के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति बाइक लेकर फरार हो गया। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर संदिग्ध की तस्वीर सामने आई है।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में शोध परिषद की दो दिवसीय बैठक प्रारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के विद्यापति सभागार में गुरुवार को 21वीं शोध परिषद , खरीफ-2026 (विशेष) की दो दिवसीय बैठक की शुरूआत हुई। बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय निधि से वित्त पोषित 62 नई शोध परियोजनाओं की समीक्षा कर उन्हें अनुमोदित करना था। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कहा कि देश में कृषि का परिदृश्य बड़ी तेजी से बदल रहा है । आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल एग्रीकल्चर और रोबोटिक्स पूरी दुनिया के कृषि के स्वरूप को बदल देंगे। इसलिए जरूरी है कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अभी से इन क्षेत्रों में शोध करके देश की कृषि को बढ़ावा दे और इसे विश्व में सबसे उन्नत बनायें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन 2047 तक देश को विकसित करने में कृषि वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अनुसंधान परिषद की इस विशेष बैठक में इन सब क्षेत्रों के अतिरिक्त कृषि से संबद्ध अन्य क्षेत्रों में शोध की परियोजना की प्रस्तुति होगी और उनकी गहन समीक्षा के बाद स्वीकृति प्रदान की जायेगी। नवसारी एवं जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ए. आर. पाठक, ने कहा कि विश्वविद्यालय न देश भर में डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि एनआइआरएफ रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने तीन वर्षों में 52 वें रैंक से आठवां रैंक हासिल किया है, यह विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास को दिखाता है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय ने रोबोटिक्स और प्रेसिजन एग्रीकल्चर में जो अनुसंधान शुरू किया है उसके परिणाम से देश की प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। कोटा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ए. के. व्यास ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने संसाधनों से एक सौ से अधिक शोध परियोजनायें चला रहा है और इस विशेष बैठक में 62 नये शोध परियोजनाओं को स्वीकृति के उपरांत विश्वविद्यालय के संसाधनों से वित्त पोषित किया जायेगा। यह अपने आप में अनूठा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल और डेटा आधारित कृषि समाधान किसानों की आय बढ़ाने में मददगार होंगे।निदेशक शोध डॉ. ए. के. सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि आज से चार साल पहले गिनती के विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजना होती थी। लेकिन आज सौ से अधिक शोध परियोजनाएं चल रही है और साठ से अधिक विश्वविद्यालय के वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्तुत की जा रही है। इससे पता चलता है कि विश्वविद्यालय का स्तर क्या है और अगले कुछ सालों में यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करेगा।अनुसंधान परिषद की बैठक में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में डॉ. शैलेंद्र राजन, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-सीआईएसएच लखनऊ , डॉ. एस. के. चतुर्वेदी, निदेशक शोध,आरएलबीसीएयू झांसी,डॉ. सचिन नंदगुड़े, एमपीकेवी रहूरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में सह निदेशक शोध डॉ मुकेश कुमार के निर्देशन में डॉ प्रियंका त्रिपाठी ने मंच संचालन किया जबकि डॉ संतोष ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के दौरान डीन पीजीसीए डॉ मयंक राय, निदेशक शिक्षा डा उमाकांत बेहरा, डीन फिशरीज डॉ पी पी श्रीवास्तव, निदेशक स्कूल आफ एग्री-बिजनेस एंड रूरल मैनेजमेंट डॉ नीरज कुमार समेत सभी वैज्ञानिक, केवीके के प्रधान, शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम कल भी चलेगा जिसमें लगभग चालीस शोध परियोजनाओं की स्वीकृति पर विचार किया जाएगा।

गाय घाट से अपहृत बच्ची भागलपुर से बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र से अपहृत एक बच्ची को पुलिस ने भागलपुर जिले के इशीपुर बरहट थाना क्षेत्र के सिवानपुर गांव से सकुशल बरामद कर लिया है। बरामदगी के दौरान नालंदा जिले से अपहृत एक अन्य बच्ची को भी सुरक्षित बरामद किया गया है। उसके संबंध में अग्रेतर कार्रवाई के लिए नालंदा पुलिस से समन्वय स्थापित किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, गायघाट थाना में 12 मई को एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें वादी ने अपनी बहन के 10 मई से घर से लापता होने की सूचना दी थी। आवेदन के आधार पर गायघाट थाना कांड संख्या 136/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण के अनुश्रवण तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पूर्वी-01 के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। इसमें गायघाट थानाध्यक्ष एवं उनकी टीम को भी शामिल किया गया। विशेष टीम द्वारा लगातार छापेमारी और तकनीकी अनुसंधान के दौरान मिले एक इनपुट के आधार पर सिवानपुर, थाना इशीपुर बरहट, भागलपुर में कार्रवाई की गई, जहां से अपहृत बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि बरामदगी के दौरान नालंदा जिले से अपहृत एक अन्य बच्ची भी मिली है। उसके मामले में संबंधित जिले की पुलिस से संपर्क कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

मिसेज बिहार 2026 बनीं मुजफ्फरपुर की बहू , स्कूल पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। प्रतिष्ठित ह्यमिसेज बिहार 2026 का खिताब जीतने के बाद मुजफ्फरपुर की बहू एवं शांति निकेतन आवासीय विद्यालय की डायरेक्टर सोनी गुप्ता का पहली बार विद्यालय पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। स्कूल परिसर में प्रिंसिपल, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका अभिनंदन किया तथा उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। पटना के एक होटल में आयोजित विवाश्री मिसेज बिहार 2026 प्रतियोगिता में कड़े मुकाबले के बाद सोनी गुप्ता ने मिसेज बिहार का प्रतिष्ठित ताज अपने नाम किया। विजेता बनने पर उन्हें आकर्षक क्राउन के साथ 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। सोनी गुप्ता की सफलता इसलिए भी प्रेरणादायक मानी जा रही है क्योंकि वह तीन बच्चों की मां हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ वह शांति निकेतन आवासीय विद्यालय की डायरेक्टर के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। उनके पति पेशे से चिकित्सक हैं। उन्होंने बताया कि परिवार और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने प्रतियोगिता की तैयारी की और अपने पहले ही ब्यूटी पेजेंट में जीत हासिल की। सोनी गुप्ता ने बताया कि उन्हें इस प्रतियोगिता की जानकारी इंस्टाग्राम के माध्यम से मिली थी। शुरूआत में उनके पति प्रतियोगिता में भाग लेने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी इच्छा और इस मंच के महत्व को परिवार के सामने रखा। इसके बाद उन्हें परिवार का पूरा सहयोग मिला। प्रतियोगिता से पहले उन्होंने 15 दिनों का विशेष ग्रूमिंग सेशन किया, जिसमें व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, संप्रेषण कौशल और स्टेज प्रेजेंस का प्रशिक्षण दिया गया। इसी तैयारी ने उन्हें प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास प्रदान किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में मिसेज वर्ल्ड 2025 सरगम कौशल सहित कई विशेषज्ञ शामिल थे। प्रतिभागियों का मूल्यांकन व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, मंच संचालन और संप्रेषण कौशल के आधार पर किया गया। अपनी सफलता पर सोनी गुप्ता ने कहा कि यह उपलब्धि हर उस महिला के लिए प्रेरणा है, जो परिवार और अपने सपनों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना चाहती है। उन्होंने बताया कि अब उनका लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भाग लेकर भारत का प्रतिनिधित्व करना है। साथ ही भविष्य में फिल्मों और विज्ञापनों के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाने की इच्छा रखती हैं।

सरकारी स्कूलों में शनिवार को हाफ डे, शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने सरकारी विद्यालयों के संचालन समय में आंशिक संशोधन करते हुए शनिवार को सभी सरकारी विद्यालयों में हाफ डे लागू करने का आदेश जारी किया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब सोमवार से शुक्रवार तक विद्यालय सुबह 9:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक, जबकि शनिवार को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक संचालित होंगे।आदेश के अनुसार कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए शनिवार को पूर्व निर्धारित गतिविधियां निर्धारित समय के भीतर संचालित की जाएंगी। दोपहर 12:00 बजे तक कक्षाएं एवं अन्य गतिविधियां चलेंगी। इसके बाद 12:00 बजे से 12:40 बजे तक मध्याह्न भोजन कराया जाएगा और भोजन के उपरांत विद्यार्थियों की छुट्टी कर दी जाएगी। वहीं माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शनिवार को दोपहर 1:00 बजे तक अध्यापन एवं अन्य निर्धारित गतिविधियां संचालित होंगी, जिसके बाद छात्र-छात्राओं को अवकाश दे दिया जाएगा। शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि शिक्षक-शिक्षिकाएं प्रतिदिन एक घंटे तक पाठ्य योजना तैयार करने, मूल्यांकन कार्य, शिक्षक डायरी अद्यतन करने, गृहकार्य की जांच, प्रयोगशाला प्रबंधन तथा आवश्यकतानुसार रिमेडियल कक्षाएं संचालित करेंगे। इन कार्यों के पूरा होने के बाद ही विद्यालय से प्रस्थान करेंगे। विभागीय आदेश में कहा गया है कि अन्य सभी पूर्व निर्धारित शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

डायल 112 सेवा में मुजफ्फरपुर पूरे बिहार में नंबर-1, 10 मिनट के भीतर पहुंच रही पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले की इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम यानी आपातकालीन डायल 112 सेवा ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी जून 2026 की रिपोर्ट के अनुसार मुजफ्फरपुर की डायल 112 टीम ने पूरे बिहार में सबसे तेज रिस्पॉन्स टाइम दर्ज करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। रिपोर्ट के मुताबिक जिले में किसी भी आपात स्थिति, अपराध, सड़क दुर्घटना या अन्य संकट की सूचना मिलने पर पुलिस की डायल 112 टीम औसतन मात्र 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच रही है। तेज और प्रभावी कार्रवाई के कारण आम लोगों को त्वरित सहायता मिल रही है, जिससे कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ महिला सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं और मेडिकल इमरजेंसी के मामलों में भी राहत मिली है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस सफलता के पीछे शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक डायल 112 वाहनों की बेहतर तैनाती, आधुनिक जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और पुलिस कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। तकनीक और तत्परता के समन्वय से पुलिस की प्रतिक्रिया पहले की तुलना में अधिक प्रभावी हुई है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र, सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी तथा ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने डायल 112 की पूरी टीम को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि यह उपलब्धि पुलिस जवानों की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सेवा भावना का परिणाम है तथा भविष्य में भी इसी स्तर की त्वरित और प्रभावी सेवा आम जनता को उपलब्ध कराई जाएगी। मुजफ्फरपुर पुलिस की इस उपलब्धि को राज्य में आपातकालीन पुलिस सेवा के क्षेत्र में एक मिसाल माना जा रहा है।

नगर आयुक्त, सिटी एसपी समेत अधिकारियों ने श्रावणी मेला रूट का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। श्रावणी मेला की दूसरी सोमवारी को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम पूरी तरह सक्रिय हो गया है। गुरुवार को नगर आयुक्त, सिटी एसपी, ट्रैफिक डीएसपी, नगर डीएसपी, नगर निगम के अधिकारियों तथा भवन विभाग के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से श्रावणी मेला रूट का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिया कि दूसरी सोमवारी पर आने वाले कांवरियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, चिकित्सा सहायता और यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने कहा कि कांवरियों की सुविधा के लिए वाहन पार्किंग स्थलों की स्पष्ट व्यवस्था की जाएगी। पार्किंग स्थल, कांवरिया मार्ग, विश्राम स्थल तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर दिशा-सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया। प्रशासन का लक्ष्य है कि दूसरी सोमवारी के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके।

बलिदान दिवस पर मुजफ्फरपुर पहुंचेगा सिद्धेश्वरी काली मंदिर का चरणामृत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भारत की आजादी के अमर बलिदानी खुदीराम बोस की शहादत को एक सदी से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन फांसी से पहले व्यक्त की गई उनकी एक अधूरी इच्छा आज भी लोगों की श्रद्धा और आस्था का केंद्र बनी हुई है। कहा जाता है कि फांसी से पूर्व खुदीराम बोस अपने पैतृक गांव मिदनापुर स्थित सिद्धेश्वरी काली मां का पवित्र चरणामृत ग्रहण करना चाहते थे, लेकिन उनकी यह अंतिम इच्छा पूरी नहीं हो सकी। इसी अधूरे संकल्प को प्रतीकात्मक रूप से पूरा करने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से पश्चिम बंगाल के मिदनापुर के लोग हर वर्ष सिद्धेश्वरी काली मंदिर का पवित्र चरणामृत लेकर मुजफ्फरपुर स्थित खुदीराम बोस की चिताभूमि पहुंचते हैं। यह परंपरा अब उनकी स्मृति और बलिदान के प्रति श्रद्धांजलि का विशेष प्रतीक बन चुकी है। इस वर्ष भी पश्चिम बंगाल के मिदनापुर स्थित सिद्धेश्वरी काली मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद मंदिर प्रबंधन की ओर से हिमाद्री चट्टोपाध्याय ने पवित्र चरणामृत खुदीराम बोस पर शोध करने वाले लेखक एवं शोधकर्ता अरिंदम भौमिक को सौंपा। अरिंदम भौमिक इस पवित्र चरणामृत को लेकर मुजफ्फरपुर पहुंचेंगे। 11 अगस्त को खुदीराम बोस के बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उनकी चिताभूमि पर इस पवित्र चरणामृत को अर्पित किया जाएगा। आयोजन से जुड़े लोगों का कहना है कि यह केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि उस महान क्रांतिकारी के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का भावनात्मक प्रयास है, जिसने मात्र 18 वर्ष की आयु में देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। हर वर्ष की तरह इस बार भी बलिदान दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, इतिहास प्रेमियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के मुजफ्फरपुर पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को खुदीराम बोस के अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान से प्रेरणा लेने का संदेश दिया जाएगा।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर रंगदारी मांगने वाला कन्हाई सहनी पुलिस रडार पर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम का कथित तौर पर इस्तेमाल कर बिहार के पर्यटन मंत्री के पुत्र कृष्ण मुरारी सहित कई हाई-प्रोफाइल राजनेताओं से रंगदारी मांगने के आरोपी कन्हाई सहनी पर मुजफ्फरपुर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। कांटी थाना क्षेत्र के अर्रा गांव निवासी कन्हाई सहनी फिलहाल पटना की जेल में बंद है। उसे न्यायिक रिमांड पर लेने के लिए ब्रह्मपुरा थाना की पुलिस अदालत पहुंची है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, न्यायालय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सदर, ब्रह्मपुरा और साहेबगंज थाना पुलिस कन्हाई सहनी के विरुद्ध दर्ज मामलों में चार्जशीट दाखिल करेगी। जांच एजेंसियां उसके नेटवर्क और सहयोगियों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही हैं।जांच के दौरान उत्तर प्रदेश के वृंदावन तक पहुंचे पुलिस अधिकारियों को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने वृंदावन के एक होटल संचालक के मोबाइल नंबर का कथित तौर पर उपयोग कर फर्जी पहचान बनाई थी। इसी फर्जी आईडी के माध्यम से कई जनप्रतिनिधियों और प्रभावशाली लोगों को व्हाट्सएप संदेश और कॉल कर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक की रंगदारी की मांग की गई थी। पुलिस जांच में अब तक कन्हाई सहनी को इस पूरे मामले का मुख्य साजिशकर्ता माना जा रहा है। साथ ही उसके गांव के एक अन्य संदिग्ध की संलिप्तता भी सामने आने की बात कही जा रही है, जिसकी भूमिका की जांच जारी है।

प्रोफेसर के आकस्मिक निधन पर संत प्रेम भिक्षु इंटर कॉलेज में शोक

मुजफ्फरपुर। संत प्रेम भिक्षु इंटर कॉलेज के मैथिली विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ शिक्षक प्रोफेसर अवधेश कुमार सिंह का 6 अगस्त को सुबह करीब 10 बजे हरिद्वार में हृदयाघात के कारण आकस्मिक निधन हो गया। प्रो. अवधेश कुमार सिंह के निधन की खबर से कॉलेज परिवार एवं शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। वे एक समर्पित, अनुशासित एवं विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय शिक्षक थे। उनके निधन को शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कॉलेज के शिक्षकों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।समाजशास्त्र के प्रोफेसर सोनू सरकार ने कहा कि प्रोफेसर अवधेश कुमार सिंह का आकस्मिक निधन हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति है। वे केवल एक अच्छे शिक्षक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के प्रति सदैव संवेदनशील रहने वाले, सरल एवं सहज व्यक्तित्व के धनी थे। अपने विषय पर उनकी मजबूत पकड़ और पढ़ाने की विशिष्ट शैली के कारण वे विद्यार्थियों के बीच काफी लोकप्रिय थे। सहकर्मियों के साथ भी उनका व्यवहार हमेशा आत्मीय और सहयोगपूर्ण रहा। उनके निधन से हमने एक अनुभवी शिक्षक, अच्छे सहकर्मी और एक संवेदनशील इंसान को खो दिया है। उनकी कमी लंबे समय तक महसूस होती रहेगी।

प्रेमी जोड़े को पेड़ से बांधकर पिटाई, पंचायत में कराई गई कथित शादी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के सकरा थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसने सामाजिक मयार्दा और कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मझौलिया पंचायत के वार्ड संख्या-7 में एक प्रेमी जोड़े को ग्रामीणों द्वारा पकड़ने, पेड़ से बांधकर कथित रूप से पिटाई करने और पंचायत के बीच शादी कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव का एक युवक अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। बताया जा रहा है कि युवक पहले से विवाहित है। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। आरोप है कि भीड़ ने कानून अपने हाथ में लेते हुए दोनों को पेड़ से बांध दिया और उनके साथ मारपीट की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ के सामने दोनों का सार्वजनिक रूप से अपमान किया गया और कई लोग पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाते रहे। इसके बाद पंचायत के कथित निर्णय के आधार पर युवती की शादी उसी विवाहित युवक से करा दी गई। इस घटना ने सामाजिक और कानूनी दोनों स्तरों पर बहस छेड़ दी है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि युवक पहले से शादीशुदा था, तो उसकी दूसरी शादी किस आधार पर कराई गई। कानूनी जानकारों का कहना है कि किसी भी विवाद का समाधान भीड़ या पंचायत के दबाव में नहीं, बल्कि विधिसम्मत कानूनी प्रक्रिया के तहत होना चाहिए। किसी व्यक्ति को बंधक बनाना, मारपीट करना या जबरन कोई फैसला लागू करना कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है। सकरा थाना पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों के बीच पहले से प्रेम संबंध था और ग्रामीणों को आशंका थी कि दोनों घर छोड़कर भागने की तैयारी में थे।

उच्च शिक्षा परिसरों में एचआईवी के बढ़ते मामले: अब चुप्पी नहीं, संवाद जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश का भविष्य उसके युवा तय करते हैं और युवा शक्ति का सबसे बड़ा केंद्र हमारे विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय हैं। ऐसे में यदि किसी राज्य से यह समाचार सामने आए कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी एचआईवी (ल्कश्व) संक्रमण से प्रभावित पाए गए हैं और सरकार को उच्च शिक्षा संस्थानों में व्यापक जांच अभियान चलाने का निर्णय लेना पड़ा है, तो यह केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय नहीं रह जाता। यह शिक्षा, समाज, परिवार, नीति-निमार्ताओं और पूरे राष्ट्र के लिए गंभीर चेतावनी है। यह समय भय फैलाने का नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता और व्यापक जागरूकता के साथ इस चुनौती का सामना करने का है। एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर हमला करता है। यदि समय पर जांच और उपचार न मिले तो यह एड्स (अक्क्र) जैसी गंभीर अवस्था तक पहुंच सकता है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने इसे अब एक नियंत्रित बीमारी बना दिया है। एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (अफ्ळ) की सहायता से संक्रमित व्यक्ति सामान्य और लंबा जीवन जी सकता है। इसलिए सबसे महत्वपूर्ण है समय पर पहचान, नियमित उपचार और संक्रमण की रोकथाम। युवाओं में एचआईवी संक्रमण की खबर कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। क्या हमारे शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य और यौन शिक्षा पर्याप्त है? क्या युवाओं को सुरक्षित व्यवहार, संक्रमण के कारणों और बचाव के उपायों की वैज्ञानिक जानकारी मिल रही है? क्या परिवार और समाज इस विषय पर खुलकर संवाद करने को तैयार हैं? यदि इन प्रश्नों का उत्तर नहीं है, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या केवल स्वास्थ्य की नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक सोच और शिक्षा व्यवस्था की भी है। भारतीय समाज में आज भी यौन स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना सहज नहीं माना जाता। माता-पिता संकोच करते हैं, शिक्षक कई बार इस विषय से बचते हैं और विद्यार्थी अधूरी या भ्रामक जानकारी इंटरनेट अथवा मित्रों से प्राप्त करते हैं। परिणामस्वरूप मिथक, भ्रांतियां और गलत निर्णय जन्म लेते हैं। जबकि वैज्ञानिक जानकारी ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। यह समझना भी आवश्यक है कि एचआईवी संक्रमण केवल असुरक्षित यौन संबंधों से ही नहीं, बल्कि संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित सुई के प्रयोग तथा संक्रमित मां से शिशु तक भी फैल सकता है। वहीं हाथ मिलाने, साथ बैठने, भोजन साझा करने, गले मिलने, छींकने या मच्छर के काटने से एचआईवी नहीं फैलता। दुर्भाग्य से आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग इन तथ्यों से अनभिज्ञ है। यही अज्ञानता संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार को जन्म देती है। उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत युवा जीवन के ऐसे दौर में होते हैं जहां स्वतंत्रता, जिज्ञासा और नए अनुभवों का विस्तार होता है। ऐसे में उन्हें सही दिशा देना केवल परिवार का नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों और सरकार की भी जिम्मेदारी है। प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य परामर्श केंद्र, प्रशिक्षित काउंसलर, गोपनीय जांच सुविधा और नियमित जागरूकता कार्यक्रम होने चाहिए। विद्यार्थियों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि वे किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के साथ आगे आते हैं, तो उनकी निजता और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। यदि किसी राज्य ने उच्च शिक्षा संस्थानों में एचआईवी जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है, तो इसका उद्देश्य केवल संक्रमित व्यक्तियों की पहचान करना नहीं होना चाहिए। इसके साथ परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, उपचार और जागरूकता को समान महत्व देना होगा। जांच तभी सफल होगी जब विद्यार्थी इसे भय या शर्म के बजाय स्वास्थ्य सुरक्षा का सामान्य कदम मानें। मीडिया की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी आंकड़े या घटना को सनसनीखेज बनाकर प्रस्तुत करने से समाज में भय और भ्रम पैदा होता है। इसके विपरीत यदि मीडिया वैज्ञानिक तथ्यों, विशेषज्ञों की राय और जागरूकता पर आधारित संवाद को बढ़ावा दे, तो समाज अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील बन सकता है। बीमारी को अपराध या चरित्र से जोड़कर देखने की प्रवृत्ति को समाप्त करना भी आवश्यक है। आज नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी चिंता का विषय है।

मुआवजे में उलझ कर रह गई विकास की राह

अंकि कुमारी

गांव तक सड़क पहुंचना केवल विकास की एक परियोजना नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षित आवागमन तक पहुंच का रास्ता है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उद्देश्य भी ग्रामीण बस्तियों को हर मौसम में चलने योग्य सड़कों से जोड़ना है। बिहार में इस दिशा में लंबे समय से काम हुआ है और बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कों का निर्माण भी हुआ है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बिहार में इसके तहत 52,095.37 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा हो चुका था, जबकि 3,439.10 किलोमीटर सड़क निमार्णाधीन थी. ये आंकड़े बताते हैं कि राज्य में ग्रामीण सड़क संपर्क के विस्तार की दिशा में व्यापक काम हुआ है, लेकिन किसी योजना की सफलता का आकलन केवल किलोमीटर में बनी सड़कों से नहीं किया जा सकता। असली सवाल यह है कि क्या सड़क आखिरी घर तक पहुंची है और क्या वह पूरे साल लोगों के उपयोग के लायक है। राज्य के कुछ गांव ऐसे हैं जहां आज भी पक्की सड़क गांव के भीतर तक नहीं पहुंच सकी है। इसके पीछे हर बार प्रशासनिक उदासीनता या बजट की कमी ही जिम्मेदार हो, यह जरूरी नहीं। कई बार विकास और निजी जमीन के अधिकार के बीच पैदा हुआ विवाद भी सड़क को रोक देता है। सीतामढ़ी के ललितपुर गांव की स्थिति इसी जटिलता की ओर इशारा करती है। इस गांव के अंदर पक्की सड़क पहुंचाने की राह में कुछ लोगों की निजी जमीन आ रही है। सरकार की ओर से जमीन के बदले मुआवजा देने की व्यवस्था है, लेकिन जमीन मालिकों का कहना है कि उन्हें मिलने वाला मुआवजा जमीन के वास्तविक बाजार मूल्य की तुलना में कम है। इसी असहमति के कारण वे सड़क निर्माण के लिए अपनी जमीन देने को तैयार नहीं हैं। पक्की सड़क न होने का सबसे बड़ा असर बारिश के दिनों में दिखाई देता है। कच्चे रास्ते पर पानी और कीचड़ जमा होने के बाद पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। ऐसे समय में एम्बुलेंस या दूसरी गाड़ियों का गांव के अंदर पहुंचना मुश्किल हो जाता है। बीमारी या प्रसव जैसी आपात स्थिति में यह समस्या परिवार के लिए गंभीर संकट बन सकती है। सड़क की कमी का असर केवल मरीज तक सीमित नहीं रहता। परिवार के किसी सदस्य को उसे मुख्य सड़क तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त समय और श्रम लगाना पड़ सकता है। सड़क की समस्या का एक और कम दिखाई देने वाला असर किशोरियों की शिक्षा पर पड़ता है। गांव की किशोरियों के लिए स्कूल तक पहुंचना केवल दूरी का मामला नहीं है। रास्ते की स्थिति, मौसम, परिवहन की उपलब्धता और परिवार की सुरक्षा संबंधी चिंता भी उनकी नियमित पढ़ाई को प्रभावित करती है। जब रास्ता खराब होता है तो स्कूल जाने और लौटने में अधिक समय लगता है। बारिश में कीचड़ और जलभराव के कारण अकेले निकलना कठिन हो जाता है। परिवार कई बार किशोरी को ऐसे रास्ते से भेजने में हिचकिचाता है, खासकर तब जब स्कूल गांव से बाहर हो। नतीजा यह हो सकता है कि कुछ दिनों की अनुपस्थिति धीरे-धीरे पढ़ाई से दूरी में बदल जाए। यह समस्या इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्रामीण किशोरियों के लिए शिक्षा का हर अतिरिक्त वर्ष उनके भविष्य के विकल्पों को बढ़ाता है। स्कूल तक पहुंचने में कठिनाई केवल आज की परेशानी नहीं है। इसका संबंध आगे की पढ़ाई, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी से भी है। जब खराब सड़क के कारण किसी किशोरी की आवाजाही सीमित होती है, तो उसके अवसर भी सीमित हो सकते हैं। दूसरी ओर गांव में बेहतर सड़क होने पर स्कूल, बाजार, स्वास्थ्य केंद्र और सार्वजनिक परिवहन तक पहुंच आसान होती है। इससे परिवारों को भी किशोरियों की शिक्षा जारी रखने का अधिक भरोसा मिलता है।

यूजीसी नियमों का विवाद, करणी सेना का आंदोलन और राजस्थान की चुनावी राजनीति

आयोग का तर्क था कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए पहले से मौजूद व्यवस्था को अधिक प्रभावी और कठोर बनाया जाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ नए नियम अधिसूचित किए गए। हालांकि इन नियमों को अधिसूचित किए जाने के तुरंत बाद कई पक्षों ने इन्हें चुनौती दी और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियमों के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। वर्तमान में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2012 के पुराने नियम ही लागू हैं। इसके बावजूद करणी सेना और अन्य सवर्ण संगठनों का कहना है कि केवल न्यायालय की अंतरिम रोक पर्याप्त नहीं है। उनका तर्क है कि यदि भविष्य में न्यायालय यह रोक हटा देता है तो ये नियम स्वतः प्रभावी हो जाएंगे। इसलिए उनकी मांग है कि सरकार स्वयं इन नियमों को पूरी तरह वापस ले। विरोध करने वाले संगठनों की मुख्य आपत्ति यह है कि नए नियमों में शिकायत दर्ज होते ही सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना अधिक है और झूठी अथवा दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से बचाव के पर्याप्त प्रावधान नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी छात्र पर बिना निष्पक्ष जांच के कार्रवाई होती है और उसके प्रवेश, पढ़ाई या भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो उसकी भरपाई कौन करेगा।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

राजस्थान की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां शिक्षा से जुड़ा एक प्रशासनिक और कानूनी मुद्दा अब सामाजिक और राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से अधिसूचित नए नियमों के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना और अन्य सवर्ण संगठनों का आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। जयपुर में निकाले गए विरोध मार्च के दौरान पुलिस लाठीचार्ज, एक प्रदर्शनकारी की मौत के आरोप और उसके बाद उपजे आक्रोश ने इस विवाद को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब राजस्थान में पंचायतीराज और शहरी निकाय चुनाव निकट हैं। इसलिए इस आंदोलन को केवल एक शैक्षणिक नीति के विरोध तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसके राजनीतिक प्रभावों पर भी व्यापक चर्चा हो रही है। यूजीसी ने नए नियमों का उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकना तथा उन्हें सुरक्षित और समान वातावरण उपलब्ध कराना बताया था। आयोग का तर्क था कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए पहले से मौजूद व्यवस्था को अधिक प्रभावी और कठोर बनाया जाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ नए नियम अधिसूचित किए गए। हालांकि इन नियमों को अधिसूचित किए जाने के तुरंत बाद कई पक्षों ने इन्हें चुनौती दी और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियमों के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। वर्तमान में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2012 के पुराने नियम ही लागू हैं। इसके बावजूद करणी सेना और अन्य सवर्ण संगठनों का कहना है कि केवल न्यायालय की अंतरिम रोक पर्याप्त नहीं है। उनका तर्क है कि यदि भविष्य में न्यायालय यह रोक हटा देता है तो ये नियम स्वतः प्रभावी हो जाएंगे। इसलिए उनकी मांग है कि सरकार स्वयं इन नियमों को पूरी तरह वापस ले। विरोध करने वाले संगठनों की मुख्य आपत्ति यह है कि नए नियमों में शिकायत दर्ज होते ही सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना अधिक है और झूठी अथवा दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से बचाव के पर्याप्त प्रावधान नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी छात्र पर बिना निष्पक्ष जांच के कार्रवाई होती है और उसके प्रवेश, पढ़ाई या भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो उसकी भरपाई कौन करेगा। साथ ही उनका यह भी आरोप है कि झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी आधार पर करणी सेना ने इन नियमों की तुलना अंग्रेजों के दौर के रोलेट एक्ट से करते हुए कहा कि इसमें आरोपित व्यक्ति को पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। दूसरी ओर, इन नियमों के समर्थकों का मानना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना राज्य और संस्थानों की जिम्मेदारी है। उनका कहना है कि यदि भेदभाव की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम नहीं होंगे तो समान अवसर और सामाजिक न्याय का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। इस प्रकार यह विवाद केवल कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण और अधिकारों की अलग-अलग व्याख्याओं का भी विषय बन गया है। जयपुर में करणी सेना द्वारा निकाले गए विरोध मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव ने इस पूरे आंदोलन को नया मोड़ दे दिया। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया और उसके बाद एक कार्यकर्ता देवराज सिंह पलाड़ा की अस्पताल में मृत्यु की खबर सामने आई। आंदोलनकारी संगठनों ने इसे प्रशासनिक कार्रवाई से जोड़ते हुए सरकार के खिलाफ तीखा विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद जयपुर बंद, मुख्यमंत्री आवास के घेराव और राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। इस घटना ने आंदोलन को केवल यूजीसी नियमों तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सरकार के प्रति असंतोष के रूप में भी प्रस्तुत किया जाने लगा। राजस्थान की राजनीति में सवर्ण समाज, विशेष रूप से राजपूत समुदाय, लंबे समय से प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा है। भारतीय जनता पार्टी को परंपरागत रूप से इस वर्ग का महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त होता रहा है। ऐसे में यदि इस वर्ग में असंतोष बढ़ता है तो उसका असर पंचायत और निकाय चुनावों पर पड़ सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय चुनावों में सामाजिक समीकरण अधिक प्रभावी होते हैं और ऐसे मुद्दे मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं। राजनीतिक जानकार इस घटनाक्रम की तुलना पूर्व में आनंदपाल एनकाउंटर के बाद उत्पन्न राजनीतिक परिस्थितियों से भी कर रहे हैं, जब राजपूत समाज के एक हिस्से में सरकार के प्रति नाराजगी देखने को मिली थी। उस समय भी यह माना गया था कि यदि समय रहते संवाद और विश्वास बहाली के प्रयास नहीं किए गए तो राजनीतिक नुकसान हो सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में भी कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ संवाद स्थापित करने की होगी। इस आंदोलन की टाइमिंग भी चर्चा का विषय बनी हुई है। दिल्ली में हाल के छात्र आंदोलनों के बाद अब यूजीसी नियमों को लेकर राजस्थान में आंदोलन तेज होना कई राजनीतिक संकेत देता है। करणी सेना ने इस मुद्दे को केवल एक संगठनात्मक अभियान नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के अधिकारों और भविष्य से जोड़कर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यदि यह अभियान अन्य राज्यों में भी गति पकड़ता है तो यह राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक विमर्श का विषय बन सकता है। करणी सेना की मांग है कि यूजीसी के नए नियम पूरी तरह वापस लिए जाएं, जातीय उत्पीड़न की शिकायतों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए, झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ भी समान रूप से कठोर कार्रवाई का प्रावधान हो तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के अधिकारों और संरक्षण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएं।

यूजीसी बिल और बुलडोजर की राजनीति ने बदला क्या बिहार का चुनावी समीकरण?

कुछ शिक्षाविदों, छात्र संगठनों तथा सामाजिक समूहों ने इसका समर्थन किया तो कुछ ने विरोध भी किया। विरोध करने वाले कुछ वर्गों का मानना था कि प्रस्तावित बदलावों से अवसरो की समानता और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर असर पड़ सकता है। इसी दौरान कुछ सवर्ण संगठनों ने यह भी आरोप लगाया कि नीति निर्माण में उनकी चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया है। उनका कहना था कि सरकार को सभी वर्गों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए था ताकि किसी भी प्रकार के भेदभाव की भावना पैदा न हो। हालांकि सरकार की ओर से ऐसे आरोपों को स्वीकार नहीं किया गया, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल नीति बनाना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि उसके प्रति लोगों के विश्वास का निर्माण भी उतना ही आवश्यक माना जाता है। लोकतंत्र में कई बार वास्तविकता से अधिक प्रभाव धारणा का होता है। यदि किसी समुदाय को यह महसूस होने लगे कि उसकी चिंताओं को नहीं सुना जा रहा है, तो वह भावना चुनावी व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि राजनीतिक दल लगातार संवाद, जनसंपर्क और विश्वास निर्माण पर जोर देते हैं। कई बार छोटे-छोटे मुद्दे भी बड़े चुनावी विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

राजनीति केवल घोषणाओं और नारों से नहीं चलती, बल्कि जनता की धारणा, विश्वास और मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया भी चुनावी परिणामों को गहराई से प्रभावित करती है। किसी भी सरकार का निर्णय यदि समाज के किसी वर्ग में असंतोष या असुरक्षा की भावना पैदा करता है, तो उसका प्रभाव केवल उस वर्ग तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाता है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों में दो ऐसे मुद्दे प्रमुखता से चर्चा में रहे हैं। पहला- यूजीसी से जुड़े प्रस्तावित विधायी बदलावों को लेकर उठी बहस और दूसरा- बुलडोजर कार्रवाई को लेकर बनने वाली राजनीतिक धारणा। इन दोनों विषयों ने अलग-अलग सामाजिक वर्गों में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की। एक ओर कुछ सवर्ण संगठनों और बुद्धिजीवियों ने यूजीसी बिल के कुछ प्रावधानों को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं, वहीं दूसरी ओर बुलडोजर कार्रवाई की राष्ट्रीय बहस ने मुस्लिम मतदाताओं के बीच आशंकाओं को जन्म दिया। यूजीसी से जुड़े प्रस्तावित बदलावों पर देशभर में विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई। कुछ शिक्षाविदों, छात्र संगठनों तथा सामाजिक समूहों ने इसका समर्थन किया तो कुछ ने विरोध भी किया। विरोध करने वाले कुछ वर्गों का मानना था कि प्रस्तावित बदलावों से अवसरो की समानता और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर असर पड़ सकता है। इसी दौरान कुछ सवर्ण संगठनों ने यह भी आरोप लगाया कि नीति निर्माण में उनकी चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया है। उनका कहना था कि सरकार को सभी वर्गों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए था ताकि किसी भी प्रकार के भेदभाव की भावना पैदा न हो। हालांकि सरकार की ओर से ऐसे आरोपों को स्वीकार नहीं किया गया, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल नीति बनाना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि उसके प्रति लोगों के विश्वास का निर्माण भी उतना ही आवश्यक माना जाता है। लोकतंत्र में कई बार वास्तविकता से अधिक प्रभाव धारणा का होता है। यदि किसी समुदाय को यह महसूस होने लगे कि उसकी चिंताओं को नहीं सुना जा रहा है, तो वह भावना चुनावी व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि राजनीतिक दल लगातार संवाद, जनसंपर्क और विश्वास निर्माण पर जोर देते हैं। कई बार छोटे-छोटे मुद्दे भी बड़े चुनावी विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में अवैध निर्माणों और अपराध के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय रही है। इन कार्रवाइयों के समर्थकों का कहना है कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है। वहीं आलोचकों का तर्क है कि ऐसी कार्रवाई हमेशा विधिक प्रक्रिया, न्यायालय के आदेशों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए तथा किसी भी व्यक्ति के साथ कानून के समक्ष समान व्यवहार होना चाहिए। इसी बहस के बीच कई राजनीतिक दलों ने बुलडोजर कार्रवाई को चुनावी मुद्दा भी बनाया। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब किसी राज्य में बुलडोजर कार्रवाई की चर्चा बढ़ती है, तो मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से में आशंका की भावना उत्पन्न हो सकती है कि ऐसी कार्रवाई उनके विरुद्ध अधिक हो सकती है। दूसरी ओर, इस धारणा से सभी मुस्लिम मतदाता सहमत हो, ऐसा कहना भी उचित नहीं होगा क्योंकि किसी भी समुदाय के भीतर राजनीतिक मत विविध होते हैं। बिहार के संदर्भ में भी कुछ विश्लेषकों ने यह तर्क रखा कि यदि उत्तर प्रदेश जैसी कठोर कार्रवाई का राजनीतिक संदेश यहां भी जाता है, तो उसका असर मुस्लिम मतदाताओं की राजनीतिक प्राथमिकताओं पर पड़ सकता है। हालांकि इस प्रकार के दावों की पुष्टि व्यापक सर्वेक्षणों और चुनावी अध्ययनों से ही की जा सकती है। बिहार की राजनीति में अक्सर यह कहा जाता रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लंबे कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था और सामाजिक संतुलन को लेकर एक अलग राजनीतिक छवि बनी। उनके समर्थक मानते हैं कि विभिन्न समुदायों के बीच विश्वास बनाए रखने का प्रयास उनकी राजनीति की विशेषता रहा है। दूसरी ओर, उनके आलोचक अन्य मुद्दों पर सवाल उठाते रहे हैं। इसलिए किसी एक समुदाय की भावनाओं को पूरे राजनीतिक परिदृश्य का प्रतिनिधि मानना उचित नहीं होगा। बिहार की राजनीति जातीय और सामाजिक समीकरणों से गहराई से प्रभावित रही है। यहां विकास, रोजगार, शिक्षा, सामाजिक न्याय, कानून-व्यवस्था और स्थानीय नेतृत्व जैसे अनेक मुद्दे मतदान के निर्णय को प्रभावित करते हैं। यदि किसी समय सवर्ण वर्ग के एक हिस्से में नाराजगी दिखाई देती है और दूसरी ओर मुस्लिम मतदाताओं के बीच आशंका का वातावरण बनता है, तो राजनीतिक दल इन दोनों वर्गों के बीच संवाद स्थापित करने का प्रयास करते हैं। लोकतांत्रिक राजनीति में किसी भी नीति का मूल्यांकन केवल उसके कानूनी पहलुओं से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक प्रभाव और जनविश्वास से भी किया जाता है। यूजीसी बिल को लेकर उठे सवाल हो या बुलडोजर कार्रवाई को लेकर बनी राजनीतिक बहस, दोनों ने अलग-अलग वर्गों में अलग-अलग प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की हैं। हालांकि यह कहना कि किसी एक कारण से पूरे चुनावी परिणाम प्रभावित हो गए, पर्याप्त प्रमाण के बिना उचित नहीं होगा। चुनाव अनेक कारकों- स्थानीय उम्मीदवार, गठबंधन, विकास कार्य, सामाजिक समीकरण, नेतृत्व और मतदाताओं की प्राथमिकताओं, से मिलकर तय होते हैं।

7 अगस्त : राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भारत की सांस्कृतिक विरासत जितनी समृद्ध है, उतनी ही गौरवशाली उसकी हस्तकला और हथकरघा परंपरा भी है। भारतीय हथकरघा केवल वस्त्र निर्माण की तकनीक नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति, लोकजीवन और आत्मनिर्भरता का जीवंत प्रतीक है। इसी अमूल्य विरासत के सम्मान और संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि 7 अगस्त 1905 को स्वदेशी आंदोलन का आरंभ हुआ था। विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का जो संकल्प उस समय लिया गया, वही आगे चलकर देश की आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव बना। इसी ऐतिहासिक स्मृति को सम्मान देते हुए भारत सरकार ने वर्ष 2015 से 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। भारतीय हथकरघा उद्योग हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। काशी की बनारसी साड़ियाँ, चंदेरी, महेश्वरी, कांजीवरम, पटोला, पोचमपल्ली, भागलपुरी सिल्क और असम का मूगा रेशम आज विश्वभर में भारतीय शिल्प कौशल की पहचान हैं। इन वस्त्रों में केवल धागे नहीं बुने जाते, बल्कि पीढ़ियों का अनुभव, कलाकारों का श्रम और भारतीय संस्कृति की आत्मा भी समाहित होती है। हथकरघा उद्योग भारत के सबसे बड़े कुटीर उद्योगों में से एक है। लाखों बुनकर और उनके परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसी पर निर्भर हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और महिलाओं के लिए यह उद्योग रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार है। सीमित संसाधनों में भी हमारे बुनकर अपने कौशल से ऐसे उत्कृष्ट वस्त्र तैयार करते हैं, जिनकी सुंदरता और गुणवत्ता मशीन निर्मित कपड़ों से अलग पहचान रखती है। आज जब मशीनों से बड़े पैमाने पर वस्त्रों का उत्पादन हो रहा है, तब हथकरघा उद्योग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। बढ़ती लागत, आधुनिक विपणन की कमी, युवाओं का इस व्यवसाय से विमुख होना तथा सस्ते मशीन निर्मित कपड़ों की प्रतिस्पर्धा ने पारंपरिक बुनकरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। यदि समय रहते इन्हें तकनीकी सहयोग, बाजार और उचित मूल्य नहीं मिला, तो अनेक पारंपरिक बुनाई शैलियाँ विलुप्त होने का खतरा झेल सकती हैं। हथकरघा केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी माध्यम है। हाथ से बनने वाले वस्त्रों में ऊर्जा की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और उनका कार्बन उत्सर्जन भी कम होता है। इसलिए आज जब पूरी दुनिया टिकाऊ विकास और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली की ओर बढ़ रही है, तब भारतीय हथकरघा उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। छत्तीसगढ़ भी अपनी समृद्ध हथकरघा परंपरा के लिए जाना जाता है। यहाँ के कोसा रेशम, पारंपरिक बुनाई और स्थानीय शिल्प देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। यदि इन उत्पादों को आधुनिक डिजाइन, डिजिटल विपणन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जाए, तो यह राज्य की अर्थव्यवस्था और स्थानीय कारीगरों के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं है, बल्कि यह हमारे लिए आत्मचिंतन का भी दिन है। हमें यह समझना होगा कि जब हम एक हथकरघा उत्पाद खरीदते हैं, तब हम केवल एक वस्त्र नहीं खरीदते, बल्कि किसी बुनकर के परिवार की आजीविका, उसकी कला और उसकी पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा को भी सशक्त बनाते हैं। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हमें स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक संरक्षण का संदेश देता है। आइए, इस अवसर पर हम संकल्प लें कि भारतीय हथकरघा उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, स्थानीय बुनकरों का सम्मान करेंगे और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँचाने में अपना योगदान देंगे। जिस राष्ट्र के हाथ करघे पर सृजन करते हैं, उस राष्ट्र का भविष्य आत्मनिर्भरता, सम्मान और समृद्धि के रंगों से सदा आलोकित रहता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना,शुक्रवार,07 अगस्त 2026

संक्षिप्त खबरें

डिब्बी-चंचौरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद

सीवान/ दरौंदा । थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। गुरुवार की शाम डिब्बी-चंचौरा के समीप गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में शराब की बड़ी खेप पुलिस के हाथ लगी, जबकि तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार तस्कर की पहचान के साथ-साथ शराब की खेप के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने में जुट गई है।

दरौंदा थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर क्षेत्र में अवैध रूप से विदेशी शराब की बड़ी खेप की डिलीवरी करने वाले हैं। सूचना मिलते ही पीएसआई डिम्पल कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर डिब्बी-चंचौरा इलाके में छापेमारी की गई।

पुलिस टीम के पहुंचते ही तस्कर अंधेरे और आसपास के इलाके का लाभ उठाकर फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने तलाशी के दौरान भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद कर उसे जब्त कर लिया। बरामद शराब को थाना लाकर जब्ती सूची तैयार की गई है और मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फरार तस्कर कौन है, शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था। इसके लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।उन्होंने कहा कि जिले में शराब तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

बालू लदे ट्रक में अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर, बाल बाल बचे ड्राइवर व खलासी

इसुआपुर । सीमावर्ती बनियापुर थाना क्षेत्र के भकुरा भिठ्ठी एसएच-90 स्थित पर पेट्रोल पंप के उत्तर बुधवार की देर रात सड़क किनारे खड़े बालू लादे ट्रक में एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। ट्रक चालक ने बताया कि वह सड़क किनारे अपना ट्रक खड़ा किए हुए था। इसी दौरान मसरख की ओर से छपरा जा रहे एक अज्ञात वाहन ने ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी और फरार हो गया। दुर्घटना में ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि चालक और परिचालक पूरी तरह सुरक्षित बच गए तथा किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि क्षतिग्रस्त बालू लदा ट्रक डोरी गंज का है।

दहेज हत्या कांड के वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण जिले के रसूलपुर थाना क्षेत्र के दहेज हत्या कांड के अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। गौर तलब है कि सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित और फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर रसूलपुर थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर रसूलपुर थाना कांड संख्या-243/24 के नामजद अभियुक्त रंगीला प्रसाद, पिता-स्व० मुनेश्वर प्रसाद, साकिन-नवादा, थाना-रसूलपुर, जिला-सारण को गिरफ्तार किया गया है।

हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले तीन युवक गिरफ्तार,एक देशी कट्टा व कारतूस बरामद

दिघवारा।थाना क्षेत्र के अहिमनपट्टी पुल के पास पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियार के दम पर लूटपाट करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में बुधवार देर रात गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई,जिसमें तीन युवकों को देशी कट्टा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार युवकों की पहचान दिघवारा थाना क्षेत्र के अहीमनपट्टी गांव निवासी हजारी राय के पुत्र आर्यन यादव उर्फ अभिषेक,कनकपुर निवासी धनेश्वर राय के पुत्र निरुफ कुमार तथा इश्मैला निवासी लक्ष्मण सिंह के पुत्र मनु कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है।वही एक आरोपी सोनपुर थाना क्षेत्र के परमानंदपुर गांव निवासी अवधेश राय के पुत्र गोलू कुमार की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी हथियार के बल पर राहगीरों को निशाना बनाकर लूटपाट करते थे तथा बुधवार की रात भी अहीमनपट्टी पुल के पास लुट की योजना बना रहे थे।पुलिस जब मौके पर पहुंची तो कुछ युवक पुल के पास संदिग्ध स्थिति में खड़े मिले। पुलिस को देखते ही वे भागने लगे, लेकिन जवानों की तत्परता से उन्हें खदेड़ कर पकड़ लिया गया।

वेजफेड योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर डीएम सख्त सभी अंचलों में शीघ्र भूमि चिन्हित करने के निर्देश

■ सब्जी उत्पादक किसानों को मिलेगा संगठित बाजार, भंडारण व शीतगृह की सुविधा; समन्वित कार्रवाई पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा।जिला पदाधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समाहरणालय में सहकारिता विभाग के अंतर्गत बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी परिसंघ लिमिटेड (वेजफेड) द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित अनुश्रवण तथा किसानों को समयबद्ध लाभ सुनिश्चित करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के सभी 20 प्रखंडों में प्राइमरी वेज कोऑपरेटिव सोसाइटी (पीवीसीएस) का गठन किया जा चुका है। प्रत्येक समिति को आधारभूत उपकरणों की खरीद के लिए 98,800 की सहायता राशि दी जाती है, जिसमें अब तक 10 समितियों को राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। सदस्यता अभियान के तहत जिले में अब तक 40 हजार से अधिक सब्जी उत्पादक किसानों को पीवीसीएस से जोड़ा गया है। इस पर जिला पदाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी पंजीकृत सब्जी उत्पादक किसानों को अभियान चलाकर पीवीसीएस से जोड़ा जाए, ताकि अधिकाधिक किसान सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

बैठक में वेजफेड की आधारभूत संरचना विकास योजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक पीवीसीएस के लिए लगभग 10 हजार वर्गफुट भूमि पर मार्केट यार्ड, अपना मंडी प्लेटफॉर्म, धुलाई, सफाई, छंटाई एवं ग्रेडिंग शेड, कार्यालय भवन, गोदाम, शीतगृह, पार्किंग, आंतरिक सड़क तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को आवश्यक भूमि का शीघ्र चिन्हीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन प्रारंभ हो सके।समीक्षा के दौरान प्याज भंडारण योजना और तरकारी आउटलेट योजना की भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक पीवीसीएस में 50 मीट्रिक टन क्षमता का वैज्ञानिक प्याज भंडारण ढांचा बनाया जाएगा। वहीं, तरकारी आउटलेट के माध्यम से किसानों से सीधे ताजी सब्जियों की खरीद कर उपभोक्ताओं तक उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी।

जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने, योजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र किसानों तक समय पर पहुंचे।

सारण में तैयार होगा जिला स्किल डेवलपमेंट प्लान युवाओं को मिलेगा रोजगार और स्वरोजगार का नया रोडमैप

स्थानीय जरूरतों और उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार हो कौशल विकास योजना:डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल शुरू कर दी है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला स्किल डेवलपमेंट प्लान के निर्माण को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिला स्किल डेवलपमेंट प्लान को जिले की वास्तविक आवश्यकताओं, स्थानीय संसाधनों, उद्योगों की मांग और रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना ऐसी होनी चाहिए, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण मिले और प्रशिक्षण के बाद उन्हें आसानी से रोजगार या स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें।

डीएम ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रमों की सफलता के लिए विभिन्न विभागों, प्रशिक्षण संस्थानों और वित्तीय संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने जिला नियोजन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी संबंधित विभागों एवं प्रशिक्षण एजेंसियों के सहयोग से जिला स्किल डेवलपमेंट प्लान का प्रारूप शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय उद्योगों, सेवा क्षेत्र और बाजार की मांग के अनुरूप संचालित हों, ताकि प्रशिक्षित युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ सके।बैठक में जानकारी दी गई कि बिहार सरकार के सात निश्चय-2 के अंतर्गत संचालित ह्लआर्थिक हल, युवाओं को बलह्व कार्यक्रम के तहत सारण जिले में लगातार रोजगारोन्मुख कौशल प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में दक्ष बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 1,41,419 युवाओं को ब्यूटी थेरेपी, फैशन डिजाइनिंग, अकाउंट असिस्टेंट, सिलाई मशीन ऑपरेटर, हेल्थकेयर, कंप्यूटर सहित कई रोजगारपरक ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद बड़ी संख्या में युवा स्वयं का रोजगार स्थापित कर रहे हैं, जबकि कई निजी संस्थानों एवं विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त बने हैं।बैठक में जिला नियोजन पदाधिकारी, लीड बैंक मैनेजर सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे । जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिला स्किल डेवलपमेंट प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन से सारण के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे ।

छपरा में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत प्रतिज्ञा कार्यक्रम का आयोजन, राजयोग मेडिटेशन से सशक्त जीवन पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। ब्रह्माकुमारीज द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान एवं मिशन स्पंदन के तहत छपरा में एक विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका परम आदरणीय राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्य स्मृति को समर्पित है। इस संबंध में स्थानीय सेवा केंद्र की मुख्य संचालिका ब्रह्मकुमारी अनामिका दीदी ने बताया कि संस्था द्वारा देश भर में अभी तक लगभग 30, 000 से अधिक नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन अभियानों के माध्यम से अभी तक लगभग 04 करोड़ से अधिक नागरिकों तक नशामुक्ति का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाया गया है। इसके साथ ही, 03 करोड़ से अधिक लोग राष्ट्रीय नशामुक्ति प्रतिज्ञा से जुड़ कर स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं। स्पष्ट किया गया कि ह्न10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियानह्व का उद्देश्य केवल आंकड़े जुटाना ही नहीं, बल्कि इसका वास्तविक ध्येय देश के 10 करोड़ नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हुए एक सशक्त और मूल्यनिष्ठ जनआंदोलन खड़ा करना है, ताकि समाज से नशे की जड़ें पूरी तरह समाप्त की जा सकें।

कार्यक्रम में बीके प्रियांशु बहन ने मानसिक स्वास्थ्य और व्यसन मुक्ति पर अपने विचार रखते हुए कहा कि नशे की स्थायी रोकथाम केवल बाहरी नियंत्रण या दवाइयों के बल पर संभव नहीं है। क्योंकि अक्सर तनाव, अकेलापन, निराशा, नकारात्मक सोच और जीवन में स्पष्ट उद्देश्य का न होना व्यक्ति को नशे की ओर धकेलता है। उन्होंने बताया कि राजयोग मेडिटेशन बहुत फायदे हैं।

चिंतामनपुर स्थित वीवी गिरि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को मनाई जाएगी भारत रत्न डॉ. वीवी गिरि की जयंती

दरौंदाः प्रखंड के चिंतामनपुर गांव स्थित वीवी गिरि विश्वविद्यालय परिसर में 9 अगस्त को भारत रत्न एवं देश के चतुर्थ राष्ट्रपति डॉ. वराहगिरि वेंकट गिरि (डॉ. वीवी गिरि) की जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। समारोह को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन एवं आयोजन समिति के सदस्य लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं।वीवी गिरि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. कौशल कुमार गिरि ने बताया कि जयंती समारोह को गरिमामय एवं प्रेरणादायी बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। समारोह में शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान डॉ. वीवी गिरि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जाएगा। वक्ता उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान, श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। साथ ही युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश भी दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से समारोह में आने वाले अतिथियों एवं प्रतिभागियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। परिसर की साफ-सफाई, मंच सज्जा, बैठक व्यवस्था तथा अन्य तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।डॉ. कौशल कुमार गिरि ने क्षेत्र के लोगों, विद्यार्थियों एवं बुद्धिजीवियों से अधिक से अधिक संख्या में समारोह में शामिल हुए।

52 वी बिहार राज्य जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता में सारण बना विजेता

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।52 वी बिहार राज्य जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता बिहार राज्य कबड्डी संघ के बैनर तले पाटलिपुत्र खेल परिसर कंकरबाग में आयोजित हुआ था. जिसमें सारण जिले की टीम ने बक्सर को हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया है. फाइनल मैच के रोमांचक मुकाबले में सारण जिले की टीम के तरफ आदित्य कुमार की अगुवाई में रेडर ने तथा शुभम की अगुवाई मेंने शानदार प्रदर्शन किया. टीम के कोच हिमांशु कुमार के नेतृत्व में सारण ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है. पुरस्कार वितरण के दौरान सारण जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय कबड्डी महासंघ के कोषाध्यक्ष रमाकांत सोलंकी , बिहार राज्य कबड्डी संघ के सभापति कुमार विजय सिंह , दोहा एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता राजीव सिंह, आनंद शंकर तिवारी, जय शंकर चौधरी, राणा रंजीत सिंह पंकज सिंह, शशि राय उपस्थिति रहे.

सारण जिले की टीम को विजेता बनने पर सारण जिला कबड्डी संघ के संरक्षक डॉ सुरेश प्रसाद सिंह सभापति बैठा, डॉ हरेंद्र सिंह, डॉ देव कुमार सिंह संघ के सचिव पंकज कश्यप कोषाध्यक्ष कौशलेंद्र राकेश सिंह, सुशील सिंह, प्रमोद कुमार, दीपक सिंह, रोहित सिंह, शिव शंकर सहित विभिन्न खेल संघों के खेल प्रेमियों ने अपनी शुभकामनाएं दीं हैं. सारण जिला कबड्डी संघ के सचिव पंकज कश्यप ने बताया कि पिछले वर्ष टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया था तभी से सारण जिले के सभी पदाधिकारियों, खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ के द्वारा अगली प्रतियोगिता में विजेता बनने हेतु प्रयास शुरू कर दिया गया था. इसी का परिणाम है कि गत वर्ष की विजेता बक्सर को हराकर सारण जिले की टीम ने स्टेटॅूस्र्ङ्कल्लश्ँस्र का खिताब अपने नाम किया है.

जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे डीएम, व्यवस्था सुधारने और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

■ जीर्ण-शीर्ण भवन की होगी तकनीकी जांच, अभिलेखों के वैज्ञानिक संधारण पर डीएम ने दिया जोर

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा । सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने गुरुवार को जिला पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालय व्यवस्था, अभिलेख प्रबंधन एवं लंबित विभागीय मामलों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न शाखाओं एवं कक्षों का भ्रमण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय भवन के जर्जर हिस्सों का भी अवलोकन किया। उन्होंने भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को तत्काल कार्यालय बुलाकर भवन की तकनीकी जांच कराने तथा आवश्यक मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य शीघ्र शुरू कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं व्यवस्थित कार्यालय वातावरण प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता और दक्षता के लिए ावश्यक है।अभिलेखों एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों की समीक्षा के दौरान डीएम ने निर्देश दिया कि प्रधान सहायक की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर सभी महत्वपूर्ण फाइलों एवं अभिलेखों का व्यवस्थित वर्गीकरण, सूचीकरण और सुरक्षित संधारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विभागीय नियमावली के अनुरूप निष्प्रयोज्य एवं उपयोगिता समाप्त कर चुके अभिलेखों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन (डिस्पोजल) भी कराया जाए, ताकि रिकॉर्ड प्रबंधन अधिक सुव्यवस्थित हो सके।

जिलाधिकारी ने विभागीय पत्रों के समयबद्ध निष्पादन, लंबित पत्राचार के त्वरित अनुपालन तथा कार्यालयी कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने विभिन्न पंचायत सचिवों के विरुद्ध लंबित विभागीय कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए सभी मामलों का नियमानुसार और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उनका कहना था कि प्रशासनिक अनुशासन और जवाबदेही मजबूत होने से पंचायत राज विभाग की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव होगा।

उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित कार्यालय व्यवस्था और वैज्ञानिक अभिलेख प्रबंधन से प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी तथा आम नागरिकों को अधिक बेहतर, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, ईमानदारी और समयबद्धता के साथ करने तथा निरीक्षण के दौरान दिए गए निदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत राज पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे ।

सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने पशुपालन मंत्री से अपने क्षेत्र में चलंत पशुचिकित्सालय की मांग की

छपरा सदर। गुरुवार को सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवालने नई दिल्ली स्थित मंत्री मत्स्यपालन,पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय,भारत सरकार, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह से उनके आवास पर मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र महाराजगंज,बिहार के प्रत्येक प्रखंडो में एक-एक चलंत पशुचिकित्सालय खोलने हेतु अनुरोध पत्र दिया।पत्र में उन्होंने लिखा है कि मेरा लोकसभा क्षेत्र महाराजगंज का अधिकांश भाग कृषकों और पशुपालकों से आच्छादित है ' ऐसे में मेरे संसदीय क्षेत्र में बहुत ही बड़ी संख्या में कृषक और पशुपालक निवास करते है ' इन कृषकों और पशुपालकों द्वारा पशुधन के रूप में विभिन्न प्रकार के पशुओ का पालन किया जाता है जिनकी संख्या लाखों में है ' इस स्थिति में इनके पशुओ की चिकित्सीय देखभाल और उपचार का सही समय पर जल्द से जल्द सुविधा उपलब्ध हो सके की व्यवस्था करना अति आवश्यक है ' इसके लिए मेरे संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक प्रखंड में एक-एक चलंत पशुचिकित्सालय की आवश्कता है '

अतः उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर मेरे संसदीय क्षेत्र के सारण (छपरा) जिला के तरैया ,पानापुर, इसुआपुर,मशरक,बनियापुर,जलालपुर,माँझी,एकमा और लह्लादपुर (जनता बाजार) तथा सिवान जिला के भगवानपुर हाट, लकड़ीनबीगंज,बसंतपुर,गोरियाकोठी और महाराजगंज प्रखंडो में एक-एक चलंत पशुचिकित्सालय का व्यवस्था कराये जाने हेतु कृपया अपने स्तर से बिहार सरकार को निर्देशित करने का कष्ट करना चाहेंगे जिससे कि हमारे क्षेत्र के कृषकों-पशुपालकों के पशुओ का देखभाल और उपचार की सुविधा सहज रूप में उपलब्ध हो सके '

विगत 24 घंटे में 34 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 5 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-34 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब कारोबारी में 8, वारंट में 6, शराब सेवन में 6, हत्या में 1, चोरी में 1,

हत्या के प्रयास में 2,खनन में 1तथा दहेज हत्या में 01अपहरण में 1,आर्म्स एक्ट में 3, आई०टी० एक्ट में 1 तथा एस०सी०/एस०टी० में 3 अभियुक्त शामिल है।वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 18 वाहनों से 36,000/- रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-338.61 लीटर, देशी कट्टा-01, खोखा-02, ट्रक-01, ट्रैक्टर-01, टोटो-02, मोबाईल-02, चाकू-01 एवं अपहता-01 बरामद किए गए।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसडीपीओ ने दिए पदाधिकारियों को सख्त निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। कोईलवर स्थित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में गुरुवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2, सदर आरा की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के कोईलवर, चांदी, गीधा, बबुरा, बाड़हरा सहित सभी थानाध्यक्षों ने भाग लिया। इस दौरान क्षेत्र की विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक में हाल के दिनों में घटित गंभीर आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान, अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं कांडों के उद्भेदन की प्रगति की समीक्षा की गई। एसडीपीओ ने सभी थानाध्यक्षों को लंबित कांडों का समय-सीमा के भीतर अनुसंधान पूरा कर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही लंबित वारंट, इश्तहार एवं कुर्की के मामलों में विशेष अभियान चलाकर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने थाना आने वाले फरियादियों एवं आगंतुकों के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार करने तथा प्राप्त आवेदनों पर विधि-सम्मत एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में थाना स्तर पर पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक जवाबदेह एवं जनोन्मुखी बनाने पर भी जोर दिया गया।

संत जोसफ एकेडमी, नेवाजी टोला (छपरा) में प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा : भारत स्काउट एवं गाइड, सारण के तत्वाधान में गुरुवार को संत जोसफ एकेडमी, नेवाजी टोला (छपरा) में प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। शिविर का विधिवत उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या सह जिला आयुक्त (रेंजर) रौशनी राय,विद्यालय के प्रबंधक अभिषेक कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, सरिता सिन्हा तथा शिविर प्रधान प्रणव सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड केवल एक संगठन नहीं, बल्कि युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास की मजबूत नींव रखता है तथा उन्हें समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।शिविर प्रधान प्रणव सिंह ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि शिविर के दौरान स्काउट एवं गाइड के नियम-प्रतिज्ञा, ध्वज शिष्टाचार, गांठें एवं बंधन, प्राथमिक उपचार, टोली पद्धति, शिविर कौशल, सेवा कार्य, खेलकूद तथा विभिन्न व्यावहारिक गतिविधियों का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा सेवा भाव का विकास किया जाएगा।

उद्घाटन समारोह में विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में स्काउट एवं गाइड कैडेट उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने का संकल्प लिया।

अब मरीजों को घर बैठे मोबाइल पर मिलेगी पैथोलॉजी जांच की रिपोर्ट, सदर अस्पताल में शुरू हुई स्मार्ट पैथोलॉजी सेवा

- छपरा सदर अस्पताल में पीपीपी मोड में बना पैथोलॉजी हब
- ग्रामीण और प्रखंडस्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों से सैंपल कलेक्शन की सुविधा

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। अब पैथोलॉजी जांच रिपोर्ट लेने के लिए मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जांच पूरी होते ही रिपोर्ट का लिंक सीधे मरीज के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मैसेज के माध्यम से भेजा जा रहा है, जिसे घर बैठे ही डाउनलोड किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों को बेहतर और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में यह बड़ी पहल की है। इसके तहत छपरा सदर अस्पताल में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर अत्याधुनिक पैथोलॉजी हब स्थापित किया गया है, जहां आधुनिक मशीनों से फिलहाल 87 प्रकार की जांच निःशुल्क की जा रही है। आने वाले दिनों में यहां 135 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी है।

ग्रामीण क्षेत्रों से भी हो रहा सैंपल कलेक्शन

स्वास्थ्य विभाग द्वारा साइंस हाउस लेबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड एजेंसी के माध्यम से सदर अस्पताल को जिले का पैथोलॉजी हब बनाया गया है। अब केवल सदर अस्पताल ही नहीं, बल्कि अनुमंडलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से भी मरीजों के सैंपल एकत्र किए जा रहे हैं। संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों पर एजेंसी के कर्मी मशीन आधारित जांच के लिए सैंपल कलेक्ट कर सदर अस्पताल लाते हैं। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट तैयार कर मरीज के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए लिंक भेज दिया जाता है। साथ ही अगले दिन सैंपल कलेक्शन के दौरान संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों को रिपोर्ट की हार्ड कॉपी भी उपलब्ध करा दी जाती है।

अलग-अलग अस्पतालों में अलग-अलग जांच की सुविधा

जिला स्वास्थ्य समिति के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) अरविन्द कुमार ने बताया कि एजेंसी द्वारा जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में चरणबद्ध तरीके से आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में 87 प्रकार की जांच, अनुमंडलीय अस्पतालों में 76 प्रकार की जांच, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 63 प्रकार की जांच, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 46 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सदर अस्पताल में 87 जांच मशीनों के माध्यम से की जा रही हैं, जबकि अन्य आवश्यक जांच स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए किट के माध्यम से की जाती हैं। भविष्य में यहां 135 प्रकार की जांच शुरू करने की योजना है।इस व्यवस्था के शुरू होने से अब मरीजों को महंगी जांच के लिए निजी लैब या दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ रहा है। सरकारी अस्पताल में ही आधुनिक मशीनों से गुणवत्तापूर्ण जांच निःशुल्क उपलब्ध होने से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है। वहीं मोबाइल पर रिपोर्ट मिलने की सुविधा से समय की भी बचत हो रही है।

डिजिटल रिपोर्टिंग व्यवस्था शुरू

सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी ने कहा स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य मरीजों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ जांच सुविधा उपलब्ध कराना है। डिजिटल रिपोर्टिंग व्यवस्था शुरू होने से मरीजों को रिपोर्ट लेने के लिए अस्पताल के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

साधपुर की सरकारी पोखरी में लाखों की मछलियां मरीं, दुर्गंध से ग्रामीण बेहाल

■ कारणों की जांच की मांग, बीमारी फैलने की आशंका से लोगों में चिंता

सीवान/दरौंदा। दरौंदा थाना क्षेत्र के साधपुर गांव स्थित सरकारी पोखरी में अचानक बड़ी संख्या में मछलियों के मर जाने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है. लाखों रुपये मूल्य की मछलियों के मरने से जहां आर्थिक नुकसान हुआ है, वहीं पोखरी से उठ रही तेज दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया है.

ग्रामीणों के अनुसार पिछले एक-दो दिनों से पोखरी में लगातार मछलियां मृत अवस्था में तैरती नजर आ रही हैं. बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियों से निकल रही बदबू पूरे इलाके में फैल गई है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते मरी हुई मछलियों को नहीं हटाया गया तो संक्रमण और बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है.

ग्रामीणों ने प्रशासन और मत्स्य विभाग से मामले की जांच कर मछलियों के मरने के कारणों का पता लगाने तथा पोखरी की तत्काल सफाई कराने की मांग की है. उनका कहना है कि यदि पानी में किसी प्रकार का प्रदूषण या जहरीला पदार्थ मिला है तो इसकी भी जांच होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो. स्थानीय लोगों ने बताया कि सरकारी पोखरी से उठ रही दुर्गंध के कारण आसपास के घरों में रहना और आवागमन करना भी कठिन हो गया है. लोगों ने संबंधित अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई कर मरी हुई मछलियों का सुरक्षित निस्तारण कराने और पोखरी की साफ-सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है.

संक्षिप्त खबरें

कुल्हड़िया रेलवे फ्लाई ओवर पर स्कूल वैन ट्रक से टकराई, तीन बच्चे सहित चालक घायल

कोईलवर। चाँदी थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया रेलवे ओवरब्रिज के समीप गुरुवार की सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्री-प्राइमरी के बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक वैन को तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में वैन में सवार तीन छोटे बच्चे और चालक घायल हो गए। सभी को डायल-112 पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोईलवर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य बताई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संस्कार पब्लिक स्कूल की वैन रोज की तरह सकड्डी से बच्चों को लेकर भदवर गांव की ओर अन्य विद्यार्थियों को लेने जा रही थी। इसी दौरान कुल्हड़िया रेलवे ओवरब्रिज के पास चांदी की ओर से तेज गति से आ रहे बालू लदे ट्रक ने वैन में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। इस हादसे में सकड्डी निवासी मन्नू राय के पांच वर्षीय पुत्र गोलू कुमार (नर्सरी), राजू शर्मा के पांच वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार (नर्सरी), छह वर्षीय खुशी कुमारी (एलकेजी) तथा धनडीहां निवासी स्कूल वाहन चालक 30 वर्षीय सुनील कुमार पांडेय घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सीएचसी कोईलवर पहुंचाया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने बताया कि सभी घायल खतरे से बाहर हैं तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

नए संविदा शिक्षकों को डीए मिलने पर पुराने अतिथि शिक्षकों में नाराजगी, समान लाभ की मांग तेज

आरा। बिहार के नए डिग्री कॉलेजों में नियुक्त किए जा रहे संविदा सहायक प्राध्यापकों को स्थायी शिक्षकों के समान महंगाई भत्ता (डीए) सहित वेतनमान का लाभ दिए जाने की घोषणा के बाद वर्षों से कार्यरत अतिथि एवं संविदा शिक्षकों में असंतोष बढ़ गया है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) सहित राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों ने सरकार से उनके लिए भी समान सुविधा लागू करने की मांग की है।

शिक्षकों का कहना है कि वे वर्षों से नियमित रूप से पठन-पाठन और परीक्षा संबंधी कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन आज भी सीमित मानदेय पर काम करने को मजबूर हैं। दूसरी ओर नई नियुक्ति पाने वाले संविदा शिक्षकों को डीए सहित बेहतर वेतन मिलने से समान कार्य करने वाले शिक्षकों के बीच असमानता की स्थिति बन गई है।बिहार राज्य विश्वविद्यालय अतिथि सहायक प्राध्यापक संघ ने सरकार को ज्ञापन भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। संघ का कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के अनुभव और योगदान की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। यदि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो राज्यव्यापी आंदोलन पर विचार किया जाएगा।

वीकेएसयू अतिथि प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. आदित्य कुमार आनन्द ने कहा कि सरकार द्वारा नए संविदा शिक्षकों को डीए सहित बेहतर वेतन देना स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन वर्षों से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में सेवा दे रहे अतिथि एवं संविदा शिक्षकों को इससे वंचित रखना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि ह्लसमान कार्य के लिए समान वेतन और समान सुविधाएं सभी शिक्षकों को मिलनी चाहिए। सरकार पुराने शिक्षकों के अनुभव और योगदान का सम्मान करते हुए उन्हें भी डीए सहित अन्य वित्तीय लाभ प्रदान करे। यदि हमारी मांगों की अनदेखी की गई तो संघ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होगा।ह्वशिक्षकों ने उम्मीद जताई है कि राज्य सरकार इस मांग पर गंभीरता से विचार कर जल्द सकारात्मक निर्णय लेगी। डॉ उमेश राय, डॉ अशोक तिवारी, डॉ राधिका रमन, डॉ धनंजय प्रसाद राय, डॉ प्रेमलता, डॉ राकेश कुमार, डॉ अनंत कुमार सहित उपस्थित रहें।

दो बाइक की भिड़ंत में शिक्षक समेत दो जख्मी

आरा। आरा-पटना फोरलेन पर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया टोल प्लाजा के समीप बुधवार की शाम दो बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार शिक्षक समेत दो लोग जख्मी हो गए। गंभीर हालत में जख्मी शिक्षक को हाईवे एंबुलेंस डायल (1033) के द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया।सूचना पाकर परिजन भी सदर अस्पताल पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी चिंताजनक हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हाड़िया गांव निवासी सूर्यनाथ सिंह के पुत्र सागर कुमार सिंह है। वर्तमान में वह नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी मोहल्ले में किराए के मकान में रहते हैं।

आफती बारिश: बरसात में टापू बना जगदीशपुर अनुमंडल कार्यालय

■ तीन-चार दिनों से परिसर में भरा है बारिश का पानी, अधिकारियों, अधिवक्ताओं और हजारों फरियादियों की बढ़ी मुश्किलें; स्थायी जलनिकासी की मांग फिर तेज

प्रात: किरण संवाददाता

जगदीशपुर (भोजपुर)। लगातार हुई बारिश के बाद जगदीशपुर अनुमंडल कार्यालय परिसर पिछले तीन-चार दिनों से जलजमाव की समस्या से जूझ रहा है। परिसर में बारिश का पानी जमा रहने के कारण अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं तथा दूर-दराज से आने वाले हजारों आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से लोगों को पानी के बीच होकर कार्यालयों तक पहुंचना पड़ रहा है, जिससे प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

अनुमंडल कार्यालय परिसर में अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय के अलावा एसडीपीओ कार्यालय, व्यवहार न्यायालय, बार एसोसिएशन कार्यालय सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय संचालित होते हैं। यहां प्रतिदिन जगदीशपुर के साथ-साथ बिहिया और शाहपुर प्रखंडों से बड़ी संख्या में लोग विभिन्न कार्यों के लिए पहुंचते हैं। इनमें महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों की भी अच्छी-खासी संख्या रहती है। जलजमाव के कारण सबसे अधिक परेशानी इन्हीं लोगों को उठानी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों और अधिवक्ताओं का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है। हर वर्ष बारिश के मौसम में परिसर तालाब का रूप ले लेता है। कई बार अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। परिणामस्वरूप हर बारिश के बाद यही स्थिति दोहराई जाती है।

बार एसोसिएशन के अधिवक्ता वृदानंद यादव ने बताया कि परिसर में माननीय न्यायाधीशों के साथ-साथ कई प्रशासनिक अधिकारी प्रतिदिन बैठते हैं, लेकिन जलजमाव के कारण सभी को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वर्षों से यह समस्या बनी हुई है। कई अधिकारी आए और स्थानांतरित होकर चले गए, लेकिन पानी निकासी की स्थायी व्यवस्था आज तक नहीं हो सकी। बरसात होते ही पूरा परिसर जलमग्न हो जाता है और लोगों को मजबूरी में पानी के बीच होकर आना-जाना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि न्यायालय और प्रशासनिक कार्यालय जैसे संवेदनशील परिसरों में इस तरह की स्थिति न केवल आम लोगों की परेशानी बढ़ाती है, बल्कि सरकारी व्यवस्था की कार्यकुशलता पर भी सवाल खड़े करती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र स्थायी जलनिकासी व्यवस्था कराने की मांग की है ताकि हर वर्ष होने वाली इस समस्या से राहत मिल सके।

क्या बोले अधिकारी

प्रभारी एसडीएम सह डीसीएलआर अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि अनुमंडल कार्यालय परिसर से पानी निकासी सुनिश्चित कराने के लिए नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा भवन निर्माण विभाग से भी पत्राचार किया जा रहा है ताकि जलजमाव की इस पुरानी समस्या का स्थायी समाधान कराया जा सके। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

स्नातकोत्तर के 46 विषयों में संशोधित पाठ्यक्रम लागू, वीकेएसयू में भी नए सत्र से होगी पढ़ाई

अधिसूचना के अनुसार यह नया पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रभावी होगा

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुरूप बिहार के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर (पीजी) के 46 विषयों का संशोधित पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। लोकभवन सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह नया पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रभावी होगा। इसका सीधा लाभ वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा सहित राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के पीजी विद्यार्थियों को मिलेगा।

नई व्यवस्था के तहत पीजी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों को संशोधित किया गया है। पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अधिक लचीली, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराना है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार विषयों के चयन की भी सुविधा मिलेगी।संशोधित पाठ्यक्रम में आंबेडकर विचार, प्राचीन इतिहास, अंग्रेजी, अरबी, बंगाली, भोजपुरी, बायोकेमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, बौद्ध दर्शन, रसायन विज्ञान, भौतिकी, वाणिज्य, नाट्यशास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, गांधी दर्शन, भूगोल, भूगर्भशास्त्र, हिंदी, इतिहास, गृह विज्ञान, इस्लामिक दर्शन, पत्रकारिता एवं जनसंचार, मगही, मैथिली, गणित, संगीत, पाली, फारसी, पर्सनल मैनेजमेंट एंड इंडस्ट्रियल रिलेशंस, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, प्राकृत, मनोविज्ञान, लोक प्रशासन, ग्रामीण अर्थशास्त्र, संस्कृत, समाजशास्त्र, सांख्यिकी तथा उर्दू सहित कुल 46 विषय शामिल हैं।

नई व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल 22 क्रेडिट अर्जित करने होंगे। प्रत्येक पेपर चार क्रेडिट का होगा और एक सेमेस्टर में कुल छह पेपर पढ़ाए जाएंगे। प्रत्येक पेपर 100 अंकों का होगा, जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा तथा 30 अंक इंटरनल असेसमेंट के निर्धारित किए गए हैं। किसी भी पेपर में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों को चार कोर कोर्स, एक जनरिक इलेक्टिव पेपर तथा एक वैल्यू एडेड या स्किल एन्हांसमेंट कोर्स का अध्ययन करना होगा। इससे विद्यार्थियों के ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल का भी विकास होगा।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में भी नए शैक्षणिक सत्र से इसी संशोधित पाठ्यक्रम के अनुरूप पीजी की पढ़ाई कराई जाएगी।

एनईपी-2020 से विद्यार्थियों को अवगत कराने को ले महाराजा कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। महाराजा बहादुर राम रणविजय प्रसाद सिंह कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति के प्रावधानों, कौशल-आधारित शिक्षा, बहुविषयक अध्ययन और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम कॉलेज की प्राचार्या डॉ. कनक लता के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू कुमारी ने की, जबकि संचालन एवं समन्वय की जिम्मेदारी डॉ. अंकिता ओझा ने निभाई।संगोष्ठी में डॉ. अरुण कुमार पांडेय, डॉ. राजलक्ष्मी, डॉ. संजीव रंजन, डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, डॉ. जैस्मिन सिंह, डॉ. चंदन कुमार पासवान एवं डॉ. मंजुला सिंह ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि एनईपी-2020 विद्यार्थियों में नवाचार, शोध, व्यावहारिक ज्ञान और कौशल विकास को बढ़ावा देने वाली नीति है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार और उच्च शिक्षा के नए अवसर खुलेंगे।कार्यक्रम में बाड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। रूपाली कुमारी, काजल प्रिया, कृष्णा विश्वकर्मा, मनोज कुमार गुप्ता, प्रियंका कुमारी, कुनाल कुमार, अभिषेक कुमार, बलजीत आदि थे।

वीकेएसयू में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

■ एनएसएस के तत्वावधान में जीरो माइल परिसर में लगाए गए पौधे, कुलपति ने हरियाली बढ़ाने का किया आह्वान

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में गुरुवार को विश्वविद्यालय के जीरो माइल परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हरित एवं स्वच्छ बनाना था। इस दौरान शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने पौधरोपण करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधे का संरक्षण करने का संकल्प ले, तो हरित एवं स्वच्छ वातावरण का निर्माण संभव हो सकेगा।एनएसएस समन्वयक डॉ. साधना रावत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्वयंसेवकों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने और अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। वहीं डॉ. चंदन तिवारी ने पौधरोपण को सामाजिक दायित्व बताते हुए कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं और इनके बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।कार्यक्रम के दौरान छोटू सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

आरा सब्जी गोला के फुटकर सब्जी विक्रेताओं की बैठक संपन्न
फुटकर सब्जी विक्रेता संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया : क्यामुद्दीन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भाकपा माले राज्य स्थाई समिति सदस्य व आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने एक प्रेस बयान जारी कर संवाददाताओं को बताया कि बीते रात आरा सब्जी गोला के सभी फुटपाथी सब्जी विक्रेताओं की एक बड़ी बैठक आयोजित की गई.इस बैठक में सैकड़ों फुटपाथी सब्जी विक्रेताओं ने हिस्सा लिया. इस बैठक में आरा सब्जी गोला उजाड़ने की सरकारी फरमान पर सब्जी विक्रेताओं के अंदर काफी गम व गुस्सा देखने को मिला.

सब्जी विक्रेताओं की बैठक में गहन विचार विमर्श हुआ कि बगैर वैकल्पिक व्यवस्था के मनमाने तरीके से उजाड़ने का तीखा विरोध किया जाएगा. इस बैठक में मौजूद भाकपा माले राज्य स्थाई समिति सदस्य व आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि सब्जी गोला में फुटपाथ से सब्जी बेचने वालों को सबसे पहले संगठित होना होगा तथा जिला प्रशासन के मनमाने ढंग से सब्जी गोला उजाड़ने के फरमान की तीखी आलोचना की.

लिपिकीय एवं परिचारी संवर्ग की अंतिम वरीयता सूची का विमोचन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया ने गुरुवार को समाहरणालय परिसर में भोजपुर समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग एवं कार्यालय परिचारी संवर्ग की अंतिम वरीयता सूची-2026 का विधिवत विमोचन किया। वरीयता सूची के विमोचन के बाद जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मियों को संबोधित करते हुए प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और कार्यकुशलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सेवा भावना, उत्तरदायित्व और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिला पदाधिकारी ने कहा कि वरीयता सूची का प्रकाशन प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कर्मियों से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन में भी सुविधा होगी। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता (राजस्व), अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण), सहायक समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर, आरा), स्थापना उप समाहर्ता सहित समाहरणालय के अनेक पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वीकेएसयू में संविदा सहायक प्राध्यापकों की काउंसिलिंग 7 अगस्त को अभ्यर्थियों को मूल प्रमाणपत्र के साथ उपस्थित रहने का निर्देश

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा ने बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा चयनित संविदा आधारित सहायक प्राध्यापकों की काउंसिलिंग को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। कुलसचिव कार्यालय से जारी अधिसूचना के अनुसार आयोग द्वारा चयनित छह विषयों हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, इतिहास, राजनीति विज्ञान तथा मनोविज्ञान के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 7 अगस्त 2026 को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक परिसर (तृतीय परिसर), जीरो माइल, आरा में आयोजित की जाएगी।विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर आवश्यक मूल प्रमाणपत्रों एवं उनकी एक-एक अतिरिक्त छायाप्रति के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया है। काउंसिलिंग का समय पूर्वाह्न 10 बजे निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों के सभी दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा, इसलिए किसी भी प्रकार की त्रुटि या दस्तावेजों की कमी से बचने के लिए सभी प्रमाणपत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

काउंसिलिंग के दौरान अभ्यर्थियों को चयन एवं आवंटन संबंधी सूचना, शपथ पत्र (संबंधित प्रारूप में), अधिकृत चिकित्सक द्वारा जारी स्वास्थ्य प्रमाणपत्र, चरित्र प्रमाणपत्र, शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाणपत्र, जाति, निवास तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (जहां लागू हो) से संबंधित प्रमाणपत्र, पासपोर्ट आकार के फोटो, पहचान पत्र तथा आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। विश्वविद्यालय ने यह भी कहा है कि सभी प्रमाणपत्रों की मूल प्रति के साथ उनकी अतिरिक्त फोटोकॉपी भी उपलब्ध कराई जाए।विश्वविद्यालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों की जिम्मेदारी स्वयं की होगी। काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद अपराह्न 3 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में सभी चयनित अभ्यर्थियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।कुलपति के आदेशानुसार जारी इस सूचना पर कुलसचिव ने हस्ताक्षर किए हैं तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के छह वर्ष पूर्ण होने पर एम.एम. महिला महाविद्यालय में प्रतियोगिताओं का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार एवं वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के निदेशानुसार महाराजा महाविद्यालय महिला महाविद्यालय (एम.एम. महिला महाविद्यालय), आरा में कला एवं शिल्प (बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट), पोस्टर निर्माण तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, ज्ञान और अभिव्यक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. नरेंद्र प्रताप पालित, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. विजयश्री, परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. स्मिता कुमारी, डॉ. अनुपमा तथा प्रॉक्टर डॉ. सादिया हबीब ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ. अनुपमा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।अपने संबोधन में प्राचार्य प्रो. नरेंद्र प्रताप पालित ने कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावहारिक कौशल और शोध आधारित अध्ययन पर विशेष बल देती है, जिससे विद्यार्थी रोजगारोन्मुख और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बन सकें।कला एवं शिल्प प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. रजनी नर्सरिया, पोस्टर प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. अर्पणा कुमारी तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. प्रिया कुमारी ने किया।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

आरा। डीएम तनय सुल्तानिया के निदेशानुसार आगामी 15 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को अनुमंडल कार्यालय, जगदीशपुर में अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान ध्वजारोहण कार्यक्रम, परेड, समारोह स्थल की साफ-सफाई, विधि-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, अग्निशमन व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करने तथा आपसी समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान आम नागरिकों एवं प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हों। अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।

सड़क निर्माण परियोजनाओं की हुई समीक्षा, समय पर गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने का निर्देश

आरा। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) शिप्रा विजयकुमार चौधरी की अध्यक्षता में अनुमंडल कार्यालय कक्ष में सड़क निर्माण परियोजनाओं की प्रगति एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र में संचालित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों और कार्यदायी एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड (बीआरपीएनएनएल), पथ निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), बुडको सहित अन्य संबंधित विभागों एवं कार्यदायी एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति, यातायात प्रबंधन, आमजन की सुरक्षा, विधि-व्यवस्था बनाए रखने, विद्युत एवं अन्य उपयोगिताओं के स्थानांतरण तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीओ शिप्रा विजयकुमार चौधरी ने सभी विभागों एवं कार्यदायी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान आम लोगों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो तथा सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए।

लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर डीएम का जोर, विभागों को दिए सख्त निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर के जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, लंबित मामलों और आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सबसे पहले लंबित नीलाम पत्रवादों की समीक्षा की गई। डीएम ने सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह कम से कम दो दिन नियमित न्यायालय संचालित करने तथा थाना, बैंक और संबंधित विभागों के समन्वय से मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री डिग्री कॉलेज स्थापना योजना के तहत जिले में स्वीकृत चार नए डिग्री कॉलेजों के लिए भूमि चिन्हित कर प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी औपचारिकताएं जल्द पूरी करने को कहा गया, ताकि निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो सके। इसके अलावा विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण एवं एनओसी से जुड़े लंबित मामलों का भी जल्द निपटारा करने का निर्देश दिया गया। नगर निगम की समीक्षा के दौरान सैनिटरी लैंडफिल, एमआरएफ, कम्पोस्ट पिट और एसटीपी परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। डीएम ने संचालित परियोजनाओं के प्रभावी संचालन तथा लंबित परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराकर कार्य प्रारंभ कराने का निर्देश दिया।

राजस्व विभाग की समीक्षा में अभियान बसेरा, म्यूटेशन, परिमार्जन और अन्य लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए विशेष शिविर लगाने को कहा गया। वहीं राशन कार्ड निर्माण एवं संशोधन के लंबित आवेदनों के निस्तारण, विशेषकर महादलित टोलों और वंचित क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में नए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, तरकारी आउटलेट निर्माण, पीएचईडी की जलमीनार एवं पाइपलाइन योजनाओं तथा राज्य स्तरीय सहयोग शिविर के लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की गई। डीएम ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ जनहित की योजनाओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बीस सूत्री समिति की बैठक में जनहित के मुद्दों पर गरजे सदस्य, अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण का निर्देश

बड़हरा (भोजपुर), 6 अगस्त। बड़हरा प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष शुभम्‌कुमार पाण्डेय ने की, जबकि संचालन उपाध्यक्ष दुर्गा पटेल ने किया। बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़ी जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।बैठक में सदस्यों ने राजस्व विभाग में दाखिल-खारिज, परिमार्जन एवं अतिक्रमण मामलों के लंबित रहने पर नाराजगी जताई। आपूर्ति विभाग द्वारा बिना पूर्व सूचना राशन कार्ड बंद किए जाने, एफसीआई गोदाम में एजीएम की अनुपस्थिति में गोदाम खोले जाने तथा सभी जनवितरण दुकानदारों को एक साथ राशन उपलब्ध कराने की मांग उठाई गई। साथ ही आपूर्ति कार्यालय में बाहरी व्यक्ति के बैठने पर भी आपत्ति दर्ज कराई गई।आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 113 एवं 114 पर टेक होम राशन का वितरण नहीं होने का मामला भी बैठक में उठा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़हरा में निमार्णाधीन भवन में पुराने ईंट के उपयोग का आरोप लगाया गया। सदस्यों ने अस्पताल में महिला मरीजों की संख्या को देखते हुए महिला चिकित्सक की सप्ताह में छह दिन नियमित ड्यूटी सुनिश्चित करने, ड्रेसिंग रूम में सिरिंज एवं आवश्यक दवाओं की समुचित व्यवस्था करने तथा मरीजों को बाहरी दवाएं नहीं लिखने की मांग की।बाढ़ नियंत्रण से जुड़े मुद्दों पर सदस्यों ने आरोप लगाया कि सुलिश गेट पर रखे जाने वाले बोरों में बालू की जगह मिट्टी भरी जा रही है।

जनता के आदेश का हुआ पालन, जल्द मिलने है खुशखबरी : मांझी

● ऐतिहासिक फल्गु नदी की होगी सफाई और पश्चिमी किनारे पर होगा सड़क निर्माण : मांझी

● गया जी की प्रमुख सड़क बनेगी फोरलेन : मांझी

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। जीतन राम मांझी ने गया जी की जनता को नई सड़क परियोजनाओं को इलाका बधाई दी है। श्री मांझी ने कहा है कि हम ने ये ठाना है कि गया जी के साथझसाथ पूरे बिहार का विकास करना है। गया जी किया महान जनता के आदेश का पालन करते हुए झारखंड के चतरा से गया जी के बेलागंज तक फल्गु नदी के पशिचमी किनारे के साथझसाथ पक्की सड़क का निर्माण और फल्गु नदी की सफाई कार्य कराने का निर्णय लिया गया है। फल्गु नदी की सफाई गया जी की जनता की पुरानी मांग रही है। जीतन राम मांझी ने कहा है कि गया जी के एनएचझ82 बाईपास घुघरी टांड से बोधगया प्रखंड के मोहनपुर खुटौर एवं कोबरा कैम्प (मोहनपुर) होते हुए एनएचझ2 (जी. टी. रोड) तक सड़क को फोरलेन में परिवर्तित करने का फैसला हुआ है। इसकी मजूरी से गया जी के विकास को नई तेजी मिलेगी। केंद्रीय मंत्री मांझी ने गया जी जिला अंतर्गत बेलागंज से बलुआ खंदा मोड़ होते हुए नालंदा जिले के गिरियक तक तक सड़क निर्माण को बिहार के दो ऐतिहासिक जिलों के बीच कनेक्टिविटी का नया आयाम बताया है। इसके साथ ही साथ गया जी जिले के शेरघाटी (रल्‍-69) से झारखंड के पलामू जिले के हरिहरगंज प्रखंड स्थित सुल्तानी तक की सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जाने पर केंद्रीय मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा है कि बांकेबाजार, इमामगंज, मेगरा, डुमरिया, बेलाघाट होते हुए निकलने वाली इस सड़क के राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तन होने से पूरे इलाके का विकास होगा। मांझी ने भारत माला प्रोजेक्ट के तहत वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे में गया जिला के डुमरिया प्रखंड अंतर्गत छकरबन्धा के पास कट एवं सर्विस रोड निर्माण के लिए आज केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी से मुलाकात किया है। आज हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद श्री मांझी और श्री नितिन गडकरी जी की मुलाकात से सार्थक परिणाम निकलने की उम्मीद है।

पंचायत समिति की बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा और आंगनबाड़ी व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रात : किरण संवाददाता

प्रतिनिधि, शेरघाटी। प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित पंचायत समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य, शिक्षा और आंगनबाड़ी सेवाओं की बदहाल व्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों से जवाब-तलब किया। बैठक में पंचायत स्तर पर संचालित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों के नियमित संचालन, अनुमंडलीय अस्पताल में चिकित्सकों की कमी तथा महिला चिकित्सक और गायनिक विशेषज्ञ के अभाव का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। सदस्यों ने कहा कि पर्याप्त चिकित्सकों की अनुपलब्धता के कारण मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल रहा है और संस्थागत प्रसव भी प्रभावित हो रहा है। आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति पर चर्चा के दौरान कई सदस्यों ने आरोप लगाया कि अनेक केंद्र नियमित रूप से नहीं खुलते हैं तथा पोषाहार वितरण में भी अनियमितता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सीडीपीओ द्वारा केंद्रों का नियमित निरीक्षण नहीं किए जाने से व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जनप्रतिनिधियों ने सभी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग और जवाबदेही तय करने की मांग की। शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा करते हुए पंचायत समिति सदस्यों ने सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई सुनिश्चित करने, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति की निगरानी करने तथा बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया। बैठक में कई विभागीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर भी नाराजगी व्यक्त की गई। सदस्यों ने निर्णय लिया कि अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। अंचल कार्यालय से संबंधित शिकायतों पर अंचलाधिकारी उषा कुमारी ने निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई का भरोसा दिलाया। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख नरेश कुमार मांझी ने की। इस दौरान बीडीओ विनोद कुमार, सीओ उषा कुमारी, बीईओ अमल किशोर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गेरे व बारागंधार पंचायत में लगे शिविर में अधिकारियों ने सुनीं शिकायतें, कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान

गया जी। मानपुर प्रखंड के गेरे एवं बारागंधार पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया, जहां विभिन्न विभागों से जुड़ी ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया। गेरे पंचायत सरकार भवन में आयोजित शिविर में डीडीसी शैलेश कुमार, बीडीओ वेद प्रकाश, सीओ मोनू कुमार, जिला नागरिक परिषद के सदस्य प्रकाश राम पटवा तथा पंचायत मुखिया संटू सिंह उर्फ राकेश कुमार सिंह मौजूद रहे हैं। वहीं बारागंधार पंचायत सरकार भवन में आयोजित शिविर में मानपुर उपप्रमुख धर्मेंद्र कुमार उर्फ डुल सिंह, बारागंधार मुखिया प्रतिनिधि गुड्डू सिंह,जदयू नेता अवध बिहारी पटेल, बिजली विभाग के एसडीओ विनोद चौधरी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं है। प्रखंड विकास पदाधिकारी वेद प्रकाश ने बताया कि गेरे पंचायत में 41 तथा बारागंधार पंचायत में 29 मामलों का निष्पादन किया गया है। कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को आवश्यक कार्रवाई के लिए लंबित रखते हुए शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया गया। ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह के सहयोग शिविर से सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होती है और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान होने से लोगों को काफी राहत मिलती है।

गोह में खाद की कमी से किसान परेशान

गोह(औरंगाबाद)(सं.)। गोह प्रखंड में उर्वरक की कमी रहने से किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को दर्जनो किसानों को इफको गोदाम पर रतजगा करने के बावजूद भी खाद नहीं मिल सका। प्रखंड के संटू कुमा, मंटू कुमार, विजय सिंह, मुकेश कुमार, रामजी कुमार नवनीत कुमार सहित कई लोगो ने बताया कि कई घंटे वे लोग खाद लेने के लिए इफको बाजार के गोदाम पर खड़े रहे। लेकिन उनलोगों को खाद नहीं मिल सका। व्यवस्थापक ने खाद खत्म होने की बात कही। जिससे वे लोग निराश होकर लौट गए। गुरुवार को कई किसान प्रखंड कृषि कार्यालय पहुंचे और खाद उपलब्ध कराने की मांग की। किसानों को धान रोपने के समय डीएपी की काफी जरूरत होती है। लेकिन खेतो में डीएपी नहीं डालेंगे को धान की पैदावार कम होगी। जिससे उनलोगों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

एमयू हिन्दी विभाग में काव्य प्रतियोगिता का द्वितीय व अंतिम चरण संपन्न

बोधगया ।मगध विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के ह्यमीराबाई कक्षह्न में आगामी 7 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले मुख्य कवि सम्मेलन हेतु विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया गुरुवार को पूरी हो गई। शेष दो स्थानों के चयन के लिए आज (6 अगस्त को) काव्य प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का सफल आयोजन किया गया, जिसके बाद मंच साझा करने वाले कुल पाँच विद्यार्थियों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने अपनी मौलिक रचनाओं का उत्साहपूर्वक पाठ किया है। आज प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों में हिंदी विभाग से शोधार्थी रीमा कुमारी व मनीष कुमार, स्नातकोत्तर विद्यार्थी अभिषेक कुमार व गोपेश कुमार, संस्कृत विभाग से सोनाली कुमारी, शिक्षा विभाग (बी.एड.) से अंकुश राज एवं शुभम कुमार शामिल रहे। इसके अतिरिक्त उर्दू विभाग के शोधार्थी नौशाद और अंग्रेजी विभाग की स्नातकोत्तर छात्रा शिप्रा कुमारी ने भी काव्य पाठ किया। विगत दिन की तरह ही आज भी निर्णायक मंडल में अंग्रेजी विभाग से प्रो. सुशील कुमार सिंह, संस्कृत विभाग से डॉ. ममता मेहरा, उर्दू विभाग से डॉ. जियाउल्लाह अनवर एवं हिन्दी विभाग से डॉ. अंबे कुमारी सम्मिलित रहे हैं। निर्णायकों ने मौलिकता, प्रस्तुति एवं काव्य सौंदर्य का बारीकी से मूल्यांकन करते हुए द्वितीय चरण से हिंदी विभाग की शोधार्थी रीमा कुमारी और शिक्षा विभाग (बी.एड.) के छात्र अंकुश राज का चयन किया है।

पूर्व सांसद ने शाहिद के पार्थिव शरीर पर किया श्रद्धांजलि अर्पित

औरंगाबाद। भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह अम्बा थाना क्षेत्र अंतर्गत रजपरसा गाँव के वीर सपूत एवं सीमा सुरक्षा बल के जवान जयंत कुमार देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए। इस मौके पर पूर्व सांसद ने शहादत की सूचना पाकर शहर स्थित आवास पर पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित किया। पूर्व सांसद ने कहा कि किशनगंज सीमा पर ड्यूटी के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से उनका निधन हो गया ।शहादत की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शहीद जयंत कुमार किशनगंज सीमा पर अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। इसी दौरान तेज आंधी और बारिश के बीच भीषण वज्रपात के कारण इनकी मृत्यु हो गया 2002 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे। लगभग 24 वर्षों तक उन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ देश की सीमाओं की रक्षा की ।ह्वजयंत कुमार की शहादत पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है ।हम सभी लोगों का आँखे नम है हमलोगों ने देश ने एक साहसी और कर्तव्यनिष्ठ देश के वीर जवान को खो दिया है ।ईश्वर दिवंगत वीर सपूत की पुण्यात्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।इस मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक सिंह,पूर्व जिला परिषद सदस्य कृष्णा सिंह,चुन्नू सिंह,जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह एवं शहरवासी सहित हजारो की संख्या में देश के युवा राष्ट्रभक्त, ग्रामीण लोग अंतिम संस्कार में शामिल होकर नम आँखों से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई दिया।

आरपीएफ द्वारा ऑपरेशन नारकोस को मिली बड़ी सफलता

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन नारकोस के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। कार्रवाई के दौरान एक तस्कर को 4.415 किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद अफीम की अनुमानित कीमत 22,07,500 रुपये बताई गई है। आरपीएफ पोस्ट गया के अनुसार, बुधवार को स्टेशन पर आपराधिक गतिविधियों की निगरानी के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-1 के हावड़ा एंड स्थित फुटओवर ब्रिज (एफओबी) के नीचे एक संदिग्ध युवक को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 4.415 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राज मोहन (26 वर्ष), पिता अर्जुन गंझु, निवासी बेलगड़ा, थाना कुंदा, जिला चतरा (झारखंड) के रूप में हुई है। इस संयुक्त अभियान में आरपीएफ के उपनिरीक्षक पवन कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट गया, सीआईबी गया, सीपीडीएस गया तथा राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम शामिल रही। सूचना मिलने पर आरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करते हुए मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी और जब्त अफीम को राजकीय रेल थाना, गया के हवाले कर दिया गया है। आरपीएफ की शिकायत के आधार पर जीआरपी गया में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन नारकोस के तहत रेलवे परिसर और ट्रेनों के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गया स्टेशन पर हुई इस कार्रवाई को मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत कांड दर्ज करते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

इनर व्हील क्लब गया सिटी द्वारा निबंध प्रतियोगिता करवाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। इनर व्हील क्लब गया सीटी के द्वारा पितामहेश्वर स्थित राजकीय कन्या मध्य विद्यालय में बच्चों के बीच पंद्रह अगस्त का देश और समाज के बीच महत्व को बतलाने हेतु एक निबंध प्रतियोगिता करवाया जिसमे सभी बच्चीयों ने बढ़ -चढ़ कर भाग लिया प्रतियोगिता में प्रथम तीन प्रतीभागी को क्लब के तरफ से अध्यक्षा श्रीमति स्मिता भदानी ने विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया प्रतियोगिता के उपरांत क्लब के अन्य सदस्यों ने जिनमें, आशा मीत्तल,अनीता अग्रवाल,सीमा भदानी, मंदाकिनी, बबीता कंधवे,राखी कुमारी,कंचन कुमार शिवानी बर्णवाल ने सभी बच्चीयों कें बीच सांत्वना पुरस्कार प्रदान की ,इस मौके पर मौजूद संपादक शीतल प्रसाद ने प्रतियोगिता का आयोजन बच्चों में देश प्रेम के भावना को क्लब द्वारा जगाने का एक पहल बतलाया और छात्राओं में लेखन कला को सुदृढ़ करना है। राष्ट्रीय पर्व के मौकों पर ऐसी कोशिश किया जाना चाहिए।

गया जंक्शन पर बनेगा शीतयुक्त शवगृह, सम्मानजनक व्यवस्था की दिशा में बढ़ा रेल प्रशासन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया जंक्शन पर शवों के रख-रखाव की अमानवीय स्थिति को उजागर करने वाली विशेष खबर अब असर दिखाने लगी है। लंबे समय से उपेक्षित इस गंभीर मानवीय मुद्दे पर अब रेल प्रशासन सक्रिय हो गया है। सूत्रों के अनुसार गया जंक्शन पर जल्द ही शीतयुक्त (एयर कंडीशनर युक्त) आधुनिक शवगृह बनाने की योजना पर विचार शुरू हो गया है। हालांकि निर्माण कब शुरू होगा और अंतिम रूप से किस स्थान पर बनाया जाएगा, इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन रेलवे स्तर पर जगह की तलाश तेज कर दी गई है। गौरतलब है कि गया जंक्शन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में आधुनिकीकरण किया जा रहा है। बावजूद इसके, स्वीकृत नक्शे में फिलहाल शवगृह के लिए किसी निर्धारित स्थान का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। ऐसे में उठाए गए इस संवेदनशील मुद्दे के बाद रेलवे प्रशासन अब इस कमी को दूर करने की दिशा में गंभीरता से विचार कर रहा है। प्लेटफॉर्म 1/3 के सामने बन सकता है आधुनिक शवगृह रेलवे सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित शवगृह का निर्माण प्लेटफॉर्म संख्या 1/3 के सामने या उसके आसपास किए जाने की संभावना है। इसे पूरी तरह शीतयुक्त बनाया जाएगा, ताकि शवों को सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से रखा जा सके। प्रारंभिक योजना के अनुसार इस शवगृह में एक साथ दो से तीन शवों को रखने की व्यवस्था होगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह है कि रेल क्षेत्र में किसी यात्री या अज्ञात व्यक्ति की मृत्यु होने पर शव को ट्रेन, प्लेटफॉर्म या रेलवे ट्रैक से हटाकर पहचान एवं कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक नियमानुसार 72 घंटे सुरक्षित रखा जा सके। 2 अगस्त की रिपोर्ट ने जगाई संवेदना उल्लेखनीय है कि गया जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 के दिल्ली छोर पर बने पुराने शवगृह में रखे एक यात्री के शव की स्थिति पर आधारित एक विशेष रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी। उस रिपोर्ट ने न केवल रेल प्रशासन बल्कि आम लोगों की संवेदनाओं को भी झकझोर दिया। रिपोर्ट के बाद ही रेलवे के भीतर इस व्यवस्था को सुधारने को लेकर गंभीर चर्चा शुरू हुई और अब आधुनिक शवगृह बनाने की पहल सामने आ रही है। समाजसेवियों ने बढ़ाया सहयोग का हाथ इस बीच दो सामाजिक रूप से जागरूक लोगों ने इस संवाददाता से मुलाकात कर एक सराहनीय प्रस्ताव रखा। उन्होंने पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि यदि रेलवे शीघ्र शवगृह का निर्माण करा देता है, तो वे अपनी ओर से डीप फ्रीजर दान करेंगे, ताकि किसी भी यात्री या अज्ञात व्यक्ति के शव को सम्मानपूर्वक सुरक्षित रखा जा सके। उनका कहना था कि रेल प्रशासन आज शवगृह बना दे, तो हम कल ही डीप फ्रीजर उपलब्ध करा देंगे। संवेदनशील व्यवस्था की ओर एक सकारात्मक कदम रेलवे स्टेशन केवल यात्रियों के आवागमन का केंद्र नहीं, बल्कि मानवीय जिम्मेदारियों का भी महत्वपूर्ण स्थल है। ऐसे में आधुनिक और शीतयुक्त शवगृह का निर्माण न केवल एक बुनियादी आवश्यकता है, बल्कि मृतकों के सम्मान और उनके परिजनों की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता का भी प्रतीक होगा। यदि यह योजना शीघ्र धरातल पर उतरती है, तो गया जंक्शन देश के उन चुनिंदा स्टेशनों में शामिल हो सकता है, जहां शवों के सम्मानजनक संरक्षण की समुचित व्यवस्था उपलब्ध होगी।

सावन में आस्था और सेवा का संगम: कांवरिया पथ पर जन स्वास्थ्य कल्याण समिति ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पवित्र सावन माह में सुल्तानगंज से बाबा धाम (देवघर) जाने वाले कांवरियों की सेवा और सुविधा के लिए सामाजिक व स्वास्थ्य संस्थाएं बढ़-चढ़कर आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में जन स्वास्थ्य कल्याण समिति, पटना (बिहार) द्वारा मुंगेर जिले के कांवरिया पथ स्थित *पृथ्वीकट कुमारसार* में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लंबी और पैदल यात्रा तय कर रहे कांवरियों को बेहतर और समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

जन स्वास्थ्य कल्याण समिति के सचिव *डॉ. एल. बी. सिंह* के विशेष सौजन्य से आयोजित इस शिविर में कांवरियों को प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य जांच, दवाइयां और आवश्यक चिकित्सीय परामर्श पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। पैदल यात्रा के दौरान पैरों में छाले, थकान, डिहाइड्रेशन और मांसपेशियों में खिंचाव जैसी समस्याओं से जूझ रहे शिवभक्तों के लिए यह शिविर बेहद राहत भरा साबित हो रहा है। इस पुनीत सेवा कार्य को सफल बनाने में समिति के सदस्यों और सहयोगियों का सराहनीय योगदान है। शिविर संचालन और व्यवस्थाओं में जूही कुमारी, मंटू कुमार, अजय शर्मा, कुन्दन कुमार, पल्लवी कुमारी और तान्या कुमारी प्रमुख रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। *सेवा, स्वास्थ्य और आस्था* के अनूठे संकल्प के साथ जन स्वास्थ्य कल्याण समिति का यह प्रयास कांवरिया पथ पर श्रद्धालुओं के लिए एक मजबूत संबल बनकर उभर रहा है।

एसपी ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की शिकायतें, निष्पादन के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। पुलिस अधीक्षक, महोदया, नवजोत सिमी के द्वारा पुलिस कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया ।जनता दरबार में बड़ी संख्या में आमजन अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण हेतु उपस्थित हुए ।पुलिस अधीक्षक महोदया ने सभी फरियादियों की बातों को गंभीरतापूर्वक एवं ध्यानपूर्वक सुना। प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी निष्पादन हेतु संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी मामलों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। इस जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आमजन एवं पुलिस प्रशासन के बीच संवाद को सुदृढ़ करना तथा उनकी समस्याओं का शीघ्र एवं न्यायोचित समाधान सुनिश्चित करना है। पुलिस प्रशासन जनसुनवाई के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है।

कॉफी विद डीएम का पहला सत्र : युवाओं के विजन से बनेगा विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर की अभिनव पहल कॉफी विद डीएम के पहले सत्र में जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार, सुझाव और नवाचार साझा किए। कार्यक्रम में यह संदेश उभरकर सामने आया कि बदलाव की सबसे बड़ी ताकत युवाओं की सोच और उनकी सक्रिय भागीदारी है। संवाद के दौरान शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, खेल, पर्यटन, स्वच्छता, डिजिटल सेवाएं, उद्यमिता और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर खुलकर चर्चा हुई। युवाओं ने खेल सुविधाओं के विस्तार, गया को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने, स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे कई रचनात्मक सुझाव दिए। जिला प्रशासन ने इन सुझावों को विकास योजनाओं से जोड़ने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने कहा कि प्रशासन केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं की भागीदारी से गया के विकास की नई दिशा तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि पर्यटन, उद्योग, शिक्षा और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देकर गया को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना प्रशासन का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि ह्यकॉफी विद डीएमह्न कार्यक्रम अब प्रत्येक बुधवार और शनिवार नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवा अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर जिले के विकास में योगदान दे सकें।

जगजीवन कॉलेज के गणित विभाग के द्वारा इंटर्नशिप को लेकर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।जगजीवन कॉलेज के गणित विभाग के द्वारा इंटर्नशिप को लेकर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गणित विभाग के अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष कुमार सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों से संवाद करते हुए बतलाया कि पांचवें एवं सातवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप करना अनिवार्य है। कॉलेज के स्तर पर विद्यार्थियों की मदद के लिए नोडल एवं विभागीय मेंटर उपलब्ध रहेंगे। वहीं जिन कंपनियों के तहत विद्यार्थी इंटर्नशिप करेंगे वहां के सुपरवाइजर विद्यार्थियों की सुविधाओं का ध्यान रखेंगे। इसके साथ ही यह भी बतलाया गया कि उन्हें कहां से इंटर्नशिप करना है और किन विषयों में इंटर्नशिप करने की मनाही है। उन्होंने यह भी बतलाया इंटर्नशिप करने के बाद उसका मूल्यांकन भी किया जाएगा जिसमें बाह्य एवं आंतरिक परीक्षक की व्यवस्था की गई है। इंटर्नशिप पूरा हो जाने के बाद इंटर्नशिप कंपलीशन प्रमाणपत्र कंपनी के सुपरवाइजर के द्वारा प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थियों को कंपलीशन के बाद बीस दिन के भीतर इंटर्नशिप रिपोर्ट जमा करना होगा। उपस्थित विद्यार्थियों को जागरूकता कार्यक्रम से लाभ पहुंचा है। मौके पर उपस्थित महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मो. ऐयूब ने उपस्थित विद्यार्थियों को भविष्य के प्रति शुभकामनाएं देने के साथ कहा कि आपलोग इंटर्नशिप तो करिए ही, साथ में आपलोगों को महाविद्यालय में नियमित रूप से उपस्थिति रहना होगा। यह आप सभी जानते हैं कि 75 प्रतिशत उपस्थिति के नहीं रहने पर आप सभी को फॉर्म भरने से रोका जा सकता है। इस अवसर पर प्रो . रतिकांत दास, प्रो. पूर्णेंदु कुमार, डॉ. अनुरानी, डॉ. अंकना, डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. शिवकुमार रविदास, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. प्रियंका कुमारी सिन्हा, डॉ. सत्येंद्र सिंह चंद्र, डॉ. शोभा आदि उपस्थित थे।

नीमचक बथानी में नियमित सीओ व राजस्व अधिकारी की नियुक्ति की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ईमेल

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जिले के नीमचक बथानी अंचल में नियमित अंचल अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी (की पदस्थापना की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ईमेल भेजा गया है। यह मांग जिला परिषद सदस्य गुलिस्ता खातून एवं जदयू प्रदेश महासचिव मोहम्मद औरंगजेब ने संयुक्त रूप से की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के अभाव में भूमि एवं राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जनहित को देखते हुए शीघ्र नियमित पदस्थापना करने का अनुरोध किया गया है।

प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में ए.एम कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी करेंगे चरणबद्ध आंदोलन

गया जी। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में राज्यव्यापी संयुक्त आंदोलन के आह्वान के तहत अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी चरणबद्ध आंदोलन में भाग लेंगे। महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने कहा कि प्रस्तावित अधिनियम विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा उच्च शिक्षा की गरिमा के प्रतिकूल है। इसी के विरोध में राज्यव्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत 5 अगस्त से 8 अगस्त 2026 तक सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थल पर काला बिल्ला लगाकर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराएंगे। इसके उपरांत 10 अगस्त 2026 को महाविद्यालय में सामूहिक अवकाश रहेगा तथा विश्वविद्यालय मुख्यालय पर आयोजित धरना-प्रदर्शन में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भाग लेंगे। वहीं 11 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक महाविद्यालय परिसर में विरोध सभा, नारेबाजी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सरकार से प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 को तत्काल वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत हित के लिए नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तथा लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में चल रहे राज्यव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के प्रथम चरण के अंतर्गत अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने आज काला बिल्ला लगाकर अपने नियमित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके उपरांत सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन (प्रशासनिक ब्लॉक) के समक्ष एकत्र हुए तथा प्रस्तावित विश्वविद्यालय विधेयक के विरोध में नारेबाजी करते हुए अपना शांतिपूर्ण प्रतिरोध दर्ज कराया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं उच्च शिक्षा की गरिमा के प्रतिकूल है।

राजा मार्ट सोसायटी द्वारा सावन मिलन उत्सव मनाया गया

गया जी। राजमार्ट सोसाइटी स्वराज पुरी रोड,गया कि महिलाओं द्वारा गुरुवार को सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। इसमें महिलाओं ने एकल नृत्य, स्वादिष्ट व्यंजन सहित कई मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया है। महिलाओं ने हरी चूड़ियां और हरी साड़ी पहन कर भगवान शिव की आराधना की आयोजन की सफलता में मंजू देवी, शोभा बरनवाल, प्रियंका बरनवाल,डॉली बरनवाल, पूजा, सुनीता, मानसी, अंशु अग्रवाल, अनीता, कोमल, दिव्या और मधु अग्रवाल एवं दर्श की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026

आठ वर्षीय बच्चे की हत्या के प्रयास में पिता-पुत्र को उम्रकैद, एक-एक लाख का जुर्माना

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिले के चौतरवा थाना क्षेत्र में वर्ष 2016 में आठ वर्षीय अंकित यादव को गोली मारकर हत्या के प्रयास के मामले में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने गुरुवार को मुख्य आरोपित प्रमोद प्रसाद और उसके पुत्र बिल्लू प्रसाद उर्फ राहुल कुमार को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पर एक-एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक मन्नू राव ने अदालत के समक्ष सात गवाहों की गवाही कराई। प्रस्तुत साक्ष्यों, चिकित्सीय रिपोर्ट और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने माना कि प्रमोद प्रसाद ने देशी

पिस्तौल से आठ वर्षीय अंकित यादव पर गोली चलाई थी, जबकि बिल्लू प्रसाद उर्फ राहुल कुमार ने भी घटना में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अदालत ने दोनों को हत्या के प्रयास का दोषी करार दिया।मामले में नामजद अन्य आरोपित गुड्डू प्रसाद, कौशल्या देवी और मुखी देवी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए उन्हें बरी कर दिया। निर्णय सुनाते हुए अदालत ने प्रमोद प्रसाद और बिल्लू प्रसाद उर्फ राहुल कुमार को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत आजीवन कारावास तथा एक-एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अतिरिक्त प्रमोद प्रसाद को आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत तीन वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माने की भी सजा दी गई। अदालत ने स्पष्ट किया कि जुर्माना अदा नहीं करने पर छह माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। साथ ही, न्यायालय ने आदेश दिया कि जेल में बिताई गई अवधि का समायोजन नियमानुसार किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने किया सदर अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा के साथ सदर अंचल मोतिहारी का औचक निरीक्षण निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय अंचल अधिकारी,राजस्व अधिकारी सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान दाखिल- खारिज, परिमार्जन, एलपीसी प्रमाण पत्र, सरकारी भूमि अतिक्रमणवाद की समीक्षा की गई और आरटीपीएस काउंटर की जांच की गई। आरटीपीएस काउंटर पर जांच के दौरान प्राप्त आवेदनों एवं निष्पादित आवेदनों के संधारण को देखा गया एवं इससे संबंधित जरूरी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी के द्वारा दाखिल-खारिज के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश देते हुए एक सप्ताह का समय दिया गया। सरकार के विकास कार्यों हेतु जमीन

आवंटन में तेजी के निर्देश दिये गए। अंचल कार्यालय निरीक्षण के दौरान अंचल पंजी के संधारण में कमी पाई गई। इस संबंध में एक सप्ताह के अंदर अभिलेखों को अपडेट करने के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

उर्वरक (खाद) की कालाबाजारी को लेकर जिला प्रशासन सख्त

मोतीहारी। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के द्वारा जिला के सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि थोक एवं खुदरा उर्वरक विक्रेता की दुकानो का औचक निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि हर हाल में सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराई जाए। कहीं से भी शिकायत मिलने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया है कि जिला कृषि कार्यालय द्वारा जिला में उर्वरकों का समानुपातिक आवंटन कर दिया गया है। जिला में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है इसको लेकर किसान भाइयों को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

नेपाल में एक वर्ष में 202 अंग प्रत्यारोपण, स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति

बगहा। नेपाल ने अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। देश में पिछले एक वर्ष के दौरान विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में कुल 202 अंग प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए गए। इनमें सबसे अधिक किडनी प्रत्यारोपण हुए, जबकि लिवर और अन्य अंगों के प्रत्यारोपण भी किए गए। यह आंकड़ा नेपाल में अंगदान के प्रति बढ़ती जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर क्षमता को दर्शाता है। स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के अनुसार, शहीद धर्मभक्त राष्ट्रीय प्रत्यारोपण केन्द्र (भक्तपुर), त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल तथा अन्य विशेष अस्पतालों ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक चिकित्सा तकनीक, प्रशिक्षित चिकित्सकों और बेहतर शल्य चिकित्सा सुविधाओं के कारण प्रत्यारोपण की सफलता दर में लगातार सुधार हो रहा है। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि नेपाल में अभी भी अंगदान करने वाले दाताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है। कई मरीज आज भी उपयुक्त अंग मिलने का लंबा इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में सरकार और स्वास्थ्य संस्थान लोगों को स्वैच्छिक अंगदान के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चला रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक मरीजों को समय पर नया जीवन मिल सके।

हल्की बारिश में भरभराकर गिरा विशालकाय सखुआ का पेड़, पत्रकार के आवास को पहुंचा नुकसान

बगहा। हल्की बारिश के दौरान जल संसाधन विभाग के उपरी शिविर तीन नंबर पहाड़ स्थित पत्रकार लल्लू पटेल के आवास पर गुरुवार को एक विशालकाय सखुआ का पेड़ भरभराकर गिर पड़ा। इस घटना में गाड़ी का गैराज, लीची का पेड़ तथा आंगन में बना अस्थायी भवन क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि गनीमत रही कि घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, पत्रकार लल्लू पटेल के आवास के सामने स्थित जल संसाधन विभाग के क्वार्टर परिसर में वर्षो पुराना विशालकाय सखुआ का पेड़ खड़ा था। गुरुवार को हल्की बारिश के दौरान अचानक पेड़ जड़ से उखड़कर भरभराकर उनके आवास की ओर गिर पड़ा। पेड़ की चपेट में आने से गाड़ी का गैराज पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही परिसर में लगा लीची का पेड़ और आंगन में बना अस्थायी ढांचा भी टूट गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के समय न तो तेज आंधी थी और न ही तूफान, इसके बावजूद वर्षों पुराना पेड़ अचानक गिर गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों का कहना है कि पुराने और जर्जर हो चुके पेड़ों की समय-समय पर जांच और छंटाई नहीं होने से इस तरह की दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से क्षति का आकलन कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में खतरनाक स्थिति में खड़े पुराने पेड़ों की जांच कर उन्हें समय रहते हटाने की मांग की है।

परिवर्तन जरूरी है के नारे के साथ भाकपा की पदयात्रा शुरू, संविधान बचाने से लेकर महंगाई-बेरोजगारी तक उठाई बुलंद आवाज

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर 6 अगस्त से 15 अगस्त तक चलने वाले पदयात्रा अभियान की शुरूआत पश्चिम चंपारण के बैरिया प्रखंड अंतर्गत भीतहां पंचायत से की गई। पदयात्रा भीतहां, बगही रतनपुर, बैरिया, मियांपुर तिलंगही, तधवानन्दपुर, लौकरिया और बथना पंचायत के विभिन्न गांवों से होकर निकाली गई, जहां पार्टी नेताओं ने आम जनता के बीच पहुंचकर अपने संदेश और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा। पदयात्रा के दौरान भाकपा नेताओं ने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा, बढ़ते

अपराध, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई के खिलाफ व्यापक जनसमर्थन की अपील की। साथ ही अल्पसंख्यकों, दलितों और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, किसानों की फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी, किसानों के सभी प्रकार के कर्ज माफ करने, चारों लेबर कोड वापस लेने, गरीबों को उजाड़ने की कार्रवाई पर रोक लगाने, खाद की कालाबाजारी समाप्त करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था बहाल करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग को लेकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस पदयात्रा का नेतृत्व भाकपा जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति, जिला नेता राधामोहन यादव, अशोक मिश्र, बब्लू दूबे, चन्द्रिका प्रसाद, मनोज साह, राज्य परिषद सदस्य केदार चौधरी, खेत मजदूर नेता राजेन्द्र साह, अच्छे लाल सहनी, इद्रिश, जंगी लाल, यमुना महतो, टुनटुन शुक्ल, राधा साह सहित दर्जनों पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने किया। इस दौरान भाकपा जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि देश इस समय गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। उनके अनुसार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है और देश के करोड़ों लोग आर्थिक एवं सामाजिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि युवा, किसान और मजदूर अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुके हैं तथा भाकपा परिवर्तन जरूरी है के नारे के साथ जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है। वहीं अंचल सचिव ज्वाला कांत द्विवेदी ने आरोप लगाया कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में घरों पर टैक्स लगाकर लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों की कार्यशैली आम जनता के प्रति संवेदनशील नहीं रह गई है, जिसके विरोध में भाकपा आने वाले दिनों में व्यापक आंदोलन चलाएगी। भाकपा नेताओं ने स्पष्ट किया कि 15 अगस्त तक चलने वाला यह पदयात्रा अभियान गांव-गांव जाकर जनता को जागरूक करने, जनसमस्याओं को मुखर रूप से उठाने और विभिन्न जनहित के मुद्दों पर लोगों को संगठित करने का कार्य करेगा।

आधार विहीन विद्यार्थियों का जल्द बनवाएं आधार शत-प्रतिशत तैयार करें अपार आईडी : बीईओ

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। प्रखंड क्षेत्र के भेलाही स्थित नथुनी दुर्गा हाई स्कूल परिसर में गुरुवार को प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं प्रधान शिक्षकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्राण रंजन प्रसाद ने की। बैठक को संबोधित करते हुए बीईओ श्री प्रसाद ने कहा कि जिले में लगभग तीन लाख छात्र-छात्राएं अभी तक अपार आईडी से वंचित हैं। इनमें करीब 37 हजार विद्यार्थियों के पास आधार कार्ड उपलब्ध है, जबकि लगभग 2 लाख 63 हजार छात्रों का आधार कार्ड नहीं बन पाया है। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि आधार विहीन विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर शीघ्र आधार कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें, ताकि सभी बच्चों की अपार आईडी समय पर तैयार हो सके।उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत प्रशस्त ऐप पर शत-प्रतिशत पंजीकरण कराने, विद्यालयों में उपस्थिति पंजी का सुव्यवस्थित संधारण तथा फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) में सभी शिक्षकों की प्रविष्टि समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए अधिक से अधिक योग्य विद्यार्थियों का आवेदन भरवाने पर जोर देते हुए जन्मतिथि का निर्धारित मानकों के अनुसार सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक के दौरान विभागीय दिशा-निर्देशों, शैक्षणिक गतिविधियों तथा विद्यालय संचालन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कई प्रधानाध्यापकों ने विद्यालयों की समस्याओं से भी बीईओ को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। बैठक में डाटा एंट्री ऑपरेटर मनोज कुशवाहा, शिक्षक मनीष कुमार के अलावा प्रधानाध्यापक छोटेलाल राय, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, मनोज कुमार, गोपाल प्रसाद,मुनेश राम, बृज किशोर प्रसाद, विद्या बाबू, जितेंद्र शाह, जवाहरलाल प्रसाद, कुंदन कुमार, प्रियंका कुमारी, इंदु कुमारी, विनय कुमार सिंह, मदन प्रसाद यादव, चंदन राम, राजेश कुमार, कृष्ण सिंह, अरविंद कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह, कृष्ण मोहन श्रीवास्तव, राकेश कुमार आर्य, रमेश कुमार, वेदप्रकाश शर्मा, रौनक, सीमा देवी, टुनटुन लाल गुप्ता, संदीप कुमार जायसवाल, अशोक कुमार, सिद्धेश्वर आर्य, ज्योति गुप्ता, अनिता कुमारी सहित प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षक उपस्थित रहे।

संभावित बाढ़-सुखाड़ 2026: आपदा सहायता के लिए जिला आपातकालीन संचालन केंद्र 24 घंटे सक्रिय

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। संभावित बाढ़ एवं सुखाड़-2026 को देखते हुए जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण ने आमजनों की सहायता एवं आपदा संबंधी सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए जिला स्तर पर जिला आपातकालीन संचालन केंद्र बेतिया को 24 घंटे (24x7) संचालित रखा है। प्रभारी पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन शाखा नगमा तबस्सुम ने जिला प्रशासन ने कहा कि किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा, बाढ़, जलजमाव, सुखाड़ अथवा अन्य आपदा संबंधी सूचना, सहायता या राहत कार्य से जुड़ी जानकारी के लिए आम नागरिक किसी भी समय संचालन केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपदा संबंधी सूचना को तत्काल जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के दूरभाष 06254-247002 एवं मोबाइलः 8757547904 पर उपलब्ध कराएं, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

ईओ विमल कुमार के हत्या पर नाराजगी जाहिर करते हुए कलवार कल्याण समिति ने किया शोक सभा का आयोजन

रक्सौल। कलवार कल्याण समिति और कलवार महिला मंच के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को शहर के रामजानकी मंदिर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान रोहतास जिला के डेहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी स्व. विमल कुमार की निर्मम हत्या अपराधियों के द्वारा किए जाने को लेकर सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की गई। शोक सभा में शामिल समिति के पदाधिकारियों का कहना था कि राज्य में कानून व्यवस्था खराब हो गई है, जहां अधिकारी सुरक्षित नहीं है। वहां आम नागरिकों की सुरक्षा भगवान भरोसे है. शोक सभा में शामिल सभी ने एक स्वर से राज्य सरकार से मांग की कि इस मामले की सीबीआई से जांच कराई जाए और कार्यपालक पदाधिकारी स्व. विमल कुमार की हत्या में शामिल दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए. इसके अलावे, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने के साथ-साथ उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए. इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर स्व. विमल कुमार की आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई. मौके पर कलवार कल्याण समिति के पदाधिकारी धीरज कुमार, अजय कुमार, चंदन कुमार, सोनू कुमार, सागर कुमार, मोहित कुमार, रंजीत कुमार गुप्ता, कलवार महिला मंच की अध्यक्षा किरण गुप्ता, अनीता गुप्ता, रानी गुप्ता सहित दर्जनों की संख्या में कलवार कल्याण समिति के पदाधिकारी और कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद थे।

मोतीपुर सरेह में बाघ के शावक जैसी वन्यजीव की आहट से दहशत, वन विभाग अलर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। रामनगर प्रखंड के मोतीपुर सरेह में मंगलवार को खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक जंगली जानवर, जिसे ग्रामीणों ने बाघ का शावक बताया, खेत की ओर आता दिखाई दिया। जानवर को देखते ही खेत में काम कर रही महिलाएं और अन्य ग्रामीण अपनी सुरक्षा के लिए वहां से हट गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया ग्रामीणों ने बताया कि वे रोज की तरह खेतों में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक शावक जैसा एक वन्यजीव दिखाई दिया, जो कुछ देर तक खेत के आसपास घूमता रहा। इसके बाद इसकी सूचना आसपास के गांवों में फैल गई, जिससे मोतीपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोग सतर्क हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग भी सक्रिय हो गया है। वन संरक्षक सह निदेशक गौरव ओझा ने बताया कि विभागीय टीम को अलर्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के आधार पर यह भी संभव है कि ग्रामीणों को जो वन्यजीव दिखाई दिया, वह बाघ का शावक नहीं बल्कि फिशिंग कैट हो, जो आकार और रंग-रूप के कारण दूर से बाघ के बच्चे जैसी प्रतीत होती है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव के दिखने पर उसके पास जाने, उसे घेरने या भगाने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तुरंत वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को सूचना दें तथा अफवाहों पर ध्यान न देकर सतर्कता बरतें। फिलहाल इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

अनुदान में मिली सामग्री बेचने के आरोप में तीन गिरफ्तार सरकारी योजना के दुरुपयोग का मामला उजागर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा । नेपाल पुलिस ने सरकार की ओर से अनुदान के तहत वितरित की गई सामग्री को अवैध रूप से बेचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि तीनों ने लाभार्थियों के लिए उपलब्ध कराई गई अनुदान सामग्री को बाजार में बेचकर निजी लाभ कमाने का प्रयास किया। मामले की सूचना मिलने के बाद संबंधित निकाय और पुलिस ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सरकारी अनुदान का उद्देश्य किसानों और वास्तविक लाभार्थियों को राहत पहुंचाना था, लेकिन आरोपियों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए सामग्री की खरीद-बिक्री की। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता को प्रभावित करती हैं और पात्र लाभार्थियों के अधिकारों का हनन करती हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस मामले में अन्य लोगों या किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता तो नहीं है। संबंधित सरकारी कार्यालय से वितरण अभिलेख और अन्य दस्तावेज भी जब्त कर जांच की जा रही है।

स्कूल से लौटते समय हरहा नदी में डूबा 11 वर्षीय छात्र, तीसरे दिन भी नहीं मिला सुराग

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा अनुमंडल के रामनगर प्रखंड स्थित दोन क्षेत्र में स्कूल से घर लौट रहे 11 वर्षीय छात्र के हरहा नदी में डूबने के बाद तीसरे दिन भी उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। घटना के बाद से परिजन और ग्रामीण लगातार नदी में उसकी तलाश में जुटे हैं। इधर, ग्रामीणों ने सरकार की उदासीनता और नदी पर पुल नहीं बनने को हादसे का प्रमुख कारण बताते हुए नाराजगी जताई है। डूबे बच्चे की पहचान भूवरहवा दोन निवासी राहुल मुंडा के 11 वर्षीय पुत्र आशु मुंडा के रूप में हुई है। स्थानीय निवासी अजय कुमार और चंदन महतो ने बताया कि आशु राजकीय प्राथमिक विद्यालय, ढोकनी में तीसरी कक्षा का छात्र था। मंगलवार को वह अपने चार साथियों के साथ स्कूल से पढ़ाई कर घर लौट रहा था।

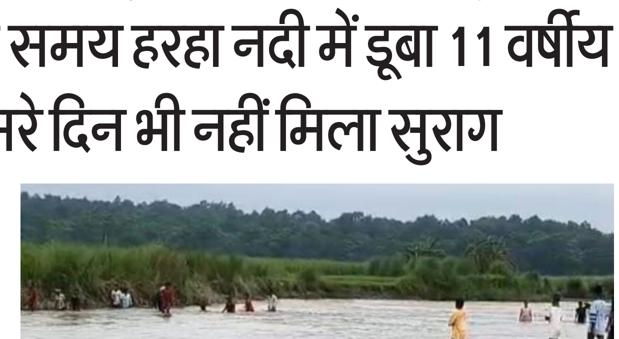

इसी दौरान सभी बच्चे बरसाती हरहा नदी को पार करने लगे। उस समय नदी में पानी कम था, लेकिन अचानक तेज बहाव आने से आशु संतुलन खो बैठा और धारा में बह गया। उसके चारों साथी किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना के तुरंत बाद साथ मौजूद बच्चों ने गांव पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे और खोजबीन शुरू कर दी। तीन दिनों से लगातार भुवरहवा दोन से हरिहरपुर तक करीब 15 किलोमीटर के नदी क्षेत्र में तलाश की जा रही है, लेकिन अब तक बच्चे का कोई पता नहीं चल सका है। बच्चे के पिता राहुल मुंडा, दीपक कुमार, प्रदीप कुमार, रोहित मुंडा सहित गांव के कई लोग लगातार खोज अभियान में जुटे हुए हैं। तीसरे दिन भी कोई सफलता नहीं मिलने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातम जैसा माहौल है।

महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल बना लायंस क्लब ऑफ रक्सौल

रक्सौल। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक और ऐतिहासिक पहल करते हुए लायंस क्लब ऑफ रक्सौल ने लायन सत्र 2026झ2027 के लिए क्लब के तीनों प्रमुख पद—अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष—पर महिलाओं का चयन कर समाज के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। एक सादगीपूर्ण एवं गरिमामय समारोह में पूर्व अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन प्रियंका सोनी को विधिवत पदभार सौंपा। वहीं लायन सीमा बर्णवाल ने सचिव तथा लायन डॉ. भावना चौहान ने कोषाध्यक्ष का दायित्व ग्रहण किया। यह समारोह पूर्व अध्यक्ष लायन गणेश धानोठिया के आवास पर आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थापक सदस्य पूर्व अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ,पूर्व अध्यक्ष लायन शंभु प्रसाद चौरसिया, लायन नारायण रुंगटा, लायन गणेश धानोठिया, लायन पंकज बर्णवाल, पूर्व सचिव लायन पवन किशोर कुशवाहा, पूर्व कोषाध्यक्ष लायन अमित कुमार, लायन संजय गुप्ता तथा लायन सुशीला धानोठिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322ई के जोनल चेयरपर्सन सह डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन बिमल सर्राफ ने नवनिर्वाचित टीम को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ह्ललायंस क्लब ऑफ रक्सौल ने सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मुझे विश्वास है कि नई टीम अपने समर्पण, नेतृत्व और सेवा भावना से क्लब को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी तथा समाज सेवा के नए आयाम स्थापित करेगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन प्रियंका सोनी ने कहा कि वे सभी सदस्यों को साथ लेकर लायंस इंटरनेशनल के मूल मंत्र वी सर्व (हम सेवा करते हैं) को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में क्लब की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। आज जब देशभर में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने की बात हो रही है, ऐसे समय में लायंस क्लब ऑफ रक्सौल द्वारा तीनों शीर्ष पदों पर महिलाओं को नेतृत्व सौंपना न केवल क्लब के लिए गौरव का विषय है, बल्कि समाज में समान अवसर, महिला सम्मान और सशक्त नेतृत्व का एक सशक्त संदेश भी है। यह जानकारी क्लब के मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ ने प्रेस को दी।

ओएचई इंसुलेटर हुक टूटने से दो घंटे ठप रहा रेल परिचालन, पनिअहवा में खड़ी रही वंदे भारत

बगहा। गोरखपुर-नरकटियागंज रेलखंड पर बगहा और खैरपोखरा स्टेशन के बीच स्थित पुल संख्या-349 के पास गुरुवार सुबह ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) लाइन का इंसुलेटर हुक टूट जाने से करीब दो घंटे तक रेल परिचालन बाधित रहा। तकनीकी खराबी के कारण गोरखपुर से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस को पनिअहवा स्टेशन पर रोकना पड़ा, जबकि नरकटियागंज जंक्शन से गोरखपुर कैंट जाने वाली दैनिक पैसेंजर ट्रेन संख्या 55097 खैरपोखरा स्टेशन पर करीब दो घंटे तक खड़ी रही। तकनीकी खराबी के चलते इस रेलखंड से गुजरने वाली कई अन्य यात्री ट्रेनों और मालगाड़ियों को भी विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ बगहा के पोस्ट प्रभारी इंद्रजीत सिंह मौके पर पहुंचे और इसकी जानकारी रेलवे के वरीय अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही नरकटियागंज से रेलवे की तकनीकी टीम टावर वैगन के साथ घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने क्षतिग्रस्त इंसुलेटर की मरम्मत का कार्य शुरू किया और आवश्यक तकनीकी सुधार के बाद ओएचई लाइन को पुनः चालू कर दिया। इसके बाद रेल परिचालन धीरे-धीरे सामान्य हो गया।

डेहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी स्व. विमल कुमार की हत्या के विरोध में निकला कैंडल मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल । शहर के मुख्य पथ स्थित बाटा चौक से बुधवार की शाम कैंडल मार्च निकाला गया. डेहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी स्व. विमल कुमार की हत्या के विरोध में शहरवासियों के द्वारा कैंडल मार्च निकालकर सरकार से मांग की गई कि कार्यपालक पदाधिकारी स्व. कुमार की हत्या में शामिल दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए. इसके अलावे, सरकार से यह भी मांग की गई कि पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, उचित मुआवजा देने के साथ-साथ नागरिकों और पदाधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए. लोगों में राज्य के अंदर हो रही हत्याओं को लेकर सरकारी व्यवस्था के खिलाफ नाराजगी दिखी और कैंडल मार्च के दौरान लोगों ने सरकार से पदाधिकारियों के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की मांग की. कैंडल मार्च के कार्यक्रम में अलग-अलग संगठन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में आम नागरिकों की सहभागिता दिखी. सभी ने एक स्वर में इस निर्मम हत्या की घटना का विरोध किया और जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी करने की मांग की। बाटा चौक से निकलकर कैंडल मार्च बैंक रोड चौक, थाना चौक होते हुए सूर्य मंदिर के पास एक सभा के रूप में तब्दील हुई और यहां लोगों ने हाथ में मोमबत्ती लेकर दिवंगत कार्यपालक पदाधिकारी की आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग प्रशासन से की। मौके पर राकेश कुशवाहा, सोनू कुमार गुप्ता, विमल सर्राफ, रजनीश प्रियदर्शी, पावर्ती तिवारी, राकेश रंजन वर्मा, राजू कुमार, रवि गुप्ता, दीपक गुप्ता, चंदन कुमार, धीरज कुमार, अजय कुमार, नुरूल्लाह खान, राकेश रंजन, छोटेलाल चौरसिया, रामनरेश प्रसाद कुशवाहा, पंकज कुमार सिंह, ई. राज कुमार राय, बैजू जायसवाल, राजू सिंह, नागेन्द्र पटेल सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

बर्दिबास में बिजली ट्रांसफार्मर चोरी, कई बस्तियों की बिजली आपूर्ति बाधित

बगहा । नेपाल के महोत्तरी जिले के बर्दिबास क्षेत्र में बिजली ट्रांसफार्मर चोरी की घटना सामने आने के बाद स्थानीय लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। अज्ञात चोरों ने रात के समय विद्युत लाइन पर लगे ट्रांसफार्मर को निशाना बनाया और उसके भीतर मौजूद तांबे की कॉयल तथा अन्य कीमती उपकरण निकालकर फरार हो गए। घटना के बाद कई इलाकों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सुबह नियमित निरीक्षण के दौरान ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला। प्रारंभिक जांच में चोरी की पुष्टि होने के बाद इलाका प्रहरी कार्यालय, बर्दिबास को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के महीनों में बर्दिबास क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई है। इससे पहले भी मोटरसाइकिल चोरी और अन्य आपराधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसके कारण लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

जिला पदाधिकारी ने भूमि विवाद से संबंधित मामले को न्यायालय के माध्यम से जल्द निर्णय कराने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिला समन्वय समिति एवं राजस्व की मासिक समीक्षा बैठक गुरुवार संग्रहालय सभागार में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, उनकी वर्तमान प्रगति, लंबित मामलों तथा राजस्व संग्रह की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मनरेगा डीपीओ के कार्यकलापों पर असंतोष व्यक्त करते हुए उनसे स्पष्टीकरण करते हुए उनके वेतन स्थगन के निदेश दिए गए। वहीं जिला परिवहन पदाधिकारी के बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर उनसे कारण पृच्छा सहित अन्य सभी संबंधित पदाधिकरियों के वेतन पर रोक लगाने का जिलाधिकारी ने निदेश दिया। मौके पर अपर समाहर्ता मनोज कुमार, नगर आयुक्त पार्थ गुप्ता, अपर समाहर्ता (आपदा) संजय कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से क्रियान्वयन करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान करने, निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने तथा योजनाओं की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। खेल मैदान, जीविका ग्राम संगठन, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत सरकार भवन के निर्माण हेतु स्थल चयन करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया गया तथा शीघ्र इससे संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निदेश दिए गए। इसके अलावे शिक्षा विभाग, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, उर्जा विभाग सहित अन्य विभागों की भी समीक्षा की गयी, जिसमें जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उसकी प्रगति पर विशेष ध्यान देने एवं सभी कार्या को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण करने के निदेश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों के निष्पादन में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों में गति लाने तथा प्रशासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सहयोग पोर्टल पर जितने भी लंबित आवेदन हैं, उसका स-समय निष्पादन करना सभी विभागों का दायित्व हैं। जिन भी अधिकारियों के लॉगिन में सहयोग पोर्टल के मामले लंबित हैं, उसका शीघ्र निष्पादन करें, ताकि मामले लंबित परिलक्षित न रहे। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा किया जा रहा है, इस लिए इसके प्रति सजग एवं सचेत होकर कार्य करें। राजस्व से संबंधित समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व संग्रह में अपेक्षित प्रगति लाने, लंबित राजस्व वसूली मामलों का त्वरित निष्पादन करने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रह से जुड़े सभी मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने दाखिल खारिज के मामले में जमालपुर, खड़गपुर एवं सदर प्रखंड में अधिक मामले लंबित रहने पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसमें सुधार लाने के निदेश दिए। इसके अलावे परिमार्जन प्लस, डिजिटाइज्ड जमाबंदी, ई-मापी, राजस्व महाअभियान से संबंधित लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने की बात कही। जिलाधिकारी ने कहा कि भूमि विवाद से संबंधित मामलें विभिन्न न्यायालयों में लंबित दिख रहे हैं, इसमें कमी लाने की जरूरत है। इस लिए सभी संबंधित पदाधिकारी नियमित रूप से अपने अपने न्यायालय में लंबित पड़े मामलों के निष्पादन में गति लाएं।

एसटीईटी अभ्यर्थियों की जायज मांगों पर सरकार तत्काल निर्णय ले : लोकमंच

प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद ने बिहार सरकार एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से आग्रह किया है कि राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 अभ्यर्थियों के लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करते हुए उनकी जायज मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखने की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए। केवल विद्यालय परीक्षा समिति कार्यालय के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती और बैरिकेडिंग कर देना इस समस्या का समाधान नहीं है। वास्तविक समाधान अभ्यर्थियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए समय पर अधिसूचना जारी करना और उनकी शंकाओं का निराकरण करना है। कुणाल सिकंद ने कहा कि बिहार के लाखों युवा लंबे समय से राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 की अधिसूचना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लगातार हो रही देरी उनके भविष्य, रोजगार और मानसिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। सरकार का दायित्व है कि युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द स्पष्ट निर्णय ले। उन्होंने बिहार सरकार और विद्यालय परीक्षा समिति से अपील की कि अभ्यर्थियों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करें तथा राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 की अधिसूचना शीघ्र जारी कर युवाओं के भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता समाप्त करें।

संक्षिप्त खबरें

हड़ताल समाप्त, गया नगर निगम ने सफाईकर्मियों से की शहर को फिर से चमकाने की अपील

गयाजी। नगर निकायों में पिछले एक सप्ताह से जारी हड़ताल गुरुवार को सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच हुई सफल वार्ता के बाद समाप्त हो गई। हड़ताल खत्म होने के साथ ही गया नगर निगम प्रशासन ने सभी सफाईकर्मियों एवं अन्य कर्मियों से तत्काल अपने दायित्वों का निर्वहन शुरू करने और पूरे शहर में विशेष सफाई अभियान चलाने की अपील की है। वे शहर में हड़ताल के दौरान प्रभावित हुई सफाई व्यवस्था को जल्द से जल्द सामान्य करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नगर निगम की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि शहर के विभिन्न वार्डों, मुख्य सड़कों, गलियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर जमा कूड़े-कचरे का तत्काल उठाव किया जाए। सभी सफाईकर्मियों से आग्रह किया गया है कि वे पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ सफाई कार्य में जुटें, ताकि शहर को जल्द से जल्द स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा सके। साथ ही नियमित रूप से झाड़ू लगाने, कचरा संग्रहण एवं नालियों की सफाई का कार्य भी पूर्व की तरह सुचारु रूप से संचालित किया जाए। नगर निगम ने कहा है कि गया विश्वप्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है और आगामी माह से शुरू होने वाला विश्वप्रसिद्ध पितृपक्ष मेला शहर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है। इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पिंडदान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के लिए गया पहुंचते हैं। ऐसे में स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहर की छवि बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से सफाई व्यवस्था को पूरी क्षमता के साथ बहाल करने की दिशा में पहल की जा रही है। प्रशासन ने सभी सफाई निरीक्षकों, वार्ड प्रभारियों एवं संबंधित अधिकारियों से भी अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई अभियान की सतत निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी कूड़े का जमाव न रहे। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त संसाधनों और वाहनों की मदद से भी सफाई कार्य को गति देने की बात कही गई है, ताकि कम समय में पूरे शहर की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर लौट सके। नगर निगम ने शहरवासियों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें, खुले में कूड़ा फेंकने से बचें तथा स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम का साथ दें। नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि सफाई कार्य अत्यावश्यक सेवाओं के अंतर्गत आता है।

आईसीआईसीआई प्रू लाइफ ने बचत लागत अनुपात में की कटौती

प्रात : किरण संवाददाता

दुर्गापुर। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अपने बचत लागत-से-प्रीमियम अनुपात को घटाकर 13.6 प्रतिशत कर दिया है, जो एक साल पहले की तुलना में 50 आधार अंकों की गिरावट दर्ज करता है। बीमाकर्ता ने अपने व्यवसाय का विस्तार जारी रखते हुए प्रौद्योगिकी, स्वचालन और लागत अनुकूलन पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। बीमाकर्ता ने कहा कि डिजिटल बुनियादी ढांचे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एनालिटिक्स और मालिकाना प्लेटफॉर्मों में निरंतर निवेश ने ग्राहक अधिग्रहण, पॉलिसी सर्विसिंग और परिचालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया है, जिससे बीमा मूल्य श्रृंखला में दक्षता में सुधार करने में मदद मिली है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी गणेशन सुंदरम ने कहा, कंपनी के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में हमारे निवेश ने न केवल हमारे ग्राहकों को सशक्त बनाया है, बल्कि हमें उनकी पॉलिसी जीवन चक्र में एक उन्नत ग्राहक अनुभव प्रदान करने में भी सक्षम बनाया है। जब हमने अपना प्रौद्योगिकी स्टैक बनाया, तो लक्ष्य केवल स्वचालन के लिए स्वचालन करना कभी नहीं था। यह मैनुअल प्रक्रियाओं से आने वाले घर्षण और लागत को दूर करने के बारे में था, ताकि बचत अधिक कुशलता से पारित हो सके और ग्राहकों को एक तेज, सरल अनुभव मिले।

हर प्रखंड में चलंत पशु चिकित्सालय खोलने की सांसद ने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री Rajiv Ranjan Singh से उनके आवास पर मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक प्रखंड में एक-एक चलंत पशु चिकित्सालय स्थापित करने की मांग की है। सांसद ने मंत्री को सौंपे आवेदन पत्र में कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसान और पशुपालक निवास करते हैं। क्षेत्र के लाखों पशुओं के समुचित उपचार एवं चिकित्सीय देखभाल के लिए प्रत्येक प्रखंड में चलंत पशु चिकित्सालय की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। इससे पशुओं का समय पर इलाज संभव होगा और किसानों एवं पशुपालकों को बेहतर पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। सांसद ने मांग की कि सारण जिले के तरैया, पानापुर, इसुआपुर, मशरक, बनियापुर, जलालपुर, मांझी, एकमा और लहलादपुर तथा सीवान जिले के भगवानपुर हाट, लकड़ी नबीगंज, बसंतपुर, गोरेयाकोठी और महाराजगंज प्रखंड में एक-एक चलंत पशु चिकित्सालय की स्थापना कराई जाए। सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि चलंत पशु चिकित्सालय शुरू होने से दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले पशुपालकों को पशुओं के इलाज के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। साथ ही पशुओं का समय पर उपचार होने से पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का कहर: 70 वर्षीय वृद्ध को मारी जोरदार टक्कर, चालक वाहन समेत फरार

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहराझ वसौनी मुख्य मार्ग पर गुरुवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक 70 वर्षीय वृद्ध को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में धरहरा निवासी विनोद सिंह चौहान गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना लक्ष्मी पुस्तकालय के समीप हुई। तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने सामने से वृद्ध को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल विनोद सिंह चौहान को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धरहरा पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद फरार चालक की तलाश की मांग तेज हो गई है। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान कर चालक के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि धरहराझवसौनी मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, इसलिए प्रशासन को इस मार्ग पर यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

आपदा की किसी भी संभावित स्थिति से निपटने को रहे तैयार : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक गुरुवार को संग्रहालय सभा कक्ष में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में वर्ष 2026 के संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु की गई तैयारियों एवं अब तक की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में अपर समाहर्ता आपदा संजय कुमार सिन्हा सहित जिला आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मौके पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों द्वारा की गई तैयारियों का विस्तृत जायजा लेते हुए निर्देश दिया कि आपदा की किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग पूर्ण रूप से सतर्क एवं तैयार रहें। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन के कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समयबद्ध तरीके से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव की समुचित व्यवस्था, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, संवेदनशील स्थलों की सतत निगरानी तथा त्वरित कार्रवाई की तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सुखाड़ की संभावित स्थिति को देखते हुए आवश्यक पूर्व तैयारियां करने तथा संबंधित विभागों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बाढ़ के मद्देनजर नावों की व्यवस्था, पॉलीथीन सीट, सूखा अनाज, आवश्यक दवाएं, पशु चारा, पशु दवा सहित सामुदायिक रसोई, राहत एवं बचाव स्थल आदि की अभी से ही संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निदेश दिए। उन्होंने कहा कि सदर, बरियारपुर एवं धरहरा प्रखंड विशेष रूप से बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र हैं, इस लिए इन क्षेत्रों में अभी से ही सारी व्यवस्था अपडेट कर लें। बाढ़ के दौरान आमजन द्वारा जाम अथवा अन्य अनावश्यक स्थिति उत्पन्न होने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में कटाव निरोधी कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को सभी कटाव निरोधी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर कटाव की आशंका अधिक है, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ एवं सुखाड़ से संबंधित सभी तैयारियों की नियमित समीक्षा की जाए तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं राष्ट्रभक्ति के साथ संपन्न कराने की तैयारी में जुटे जिला प्रशासन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। आगामी 79वें स्वतंत्रता दिवस-2026 के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों की समीक्षा हेतु गत बुधवार को समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समारोह को हर्षोल्लास, गरिमा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ संपन्न कराने तथा विधि-व्यवस्था, साफ-सफाई, सुरक्षा सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, अपर समाहर्ता मनोज कुमार, नगर आयुक्त पार्थ गुप्ता, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व हम सभी के लिए गौरव एवं सम्मान का अवसर है। इसलिए प्रत्येक व्यवस्था सुव्यवस्थित, अनुशासित एवं त्रुटिरहित होनी चाहिए, ताकि समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हो सके। जिलाधिकारी ने परेड स्थल, ध्वजारोहण समारोह, मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, बैरिकेडिंग, पार्किंग, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर निगम को समारोह स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने तथा आवश्यक सौंदर्यीकरण कार्य समय पर पूरा करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस एवं चिकित्सकीय टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने, विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने तथा अग्निशमन विभाग को आवश्यक उपकरणों एवं कर्मियों के साथ पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया। साथ ही सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने सुरक्षा व्यवस्था हेतु सभी संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करने, यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सरकारी भवनों की आकर्षक सजावट, विभिन्न चौक चौराहों पर स्थापित महा पुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण आदि औपचारिक कार्यक्रमों हेतु भी आवश्यक निदेश दिए गए। साथ ही 12 अगस्त को हर घर तिरंगा को लेकर जिलाधिकारी के नेतृत्व में एक जागरूकता रैली भी निकालने पर चर्चा हुई, जिसके माध्यम से जिले एवं शहर वासियों से अपने अपने घरों में तिरंगा फहराने हेतु अपील किया जाएगा।

मुंगेर जलापूर्ति परियोजना को मिली 177.72 करोड़ की स्वीकृति

मुंगेर । मुंगेर शहर के लिए बड़ी राहत की खबर है केंद्र प्रायोजित अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन अमृत 2.0 के तहत मुंगेर जलापूर्ति परियोजना फेज-1 के लिए 177.72 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। मुंगेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार प्रणय ने इस स्वीकृति को जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, नगर विकास एवं आवास विभाग तथा राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से मुंगेर शहर में स्वच्छ और नियमित पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था और मजबूत होगी। वर्षों से बेहतर जलापूर्ति की प्रतीक्षा कर रहे हजारों नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा और शहर के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और विकासोन्मुखी कार्यशैली के कारण बिहार के शहरों में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। विधायक ने विश्वास जताया कि यह परियोजना निर्धारित समय-सीमा में पूरी होकर मुंगेर वासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

मारपीट मामले के दो फरार अभियुक्त गिरफ्तार, भेजे गए जेल

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। हवेली खड़गपुर थाना पुलिस ने कांड संख्या 238/26 में कार्रवाई करते हुए मारपीट मामले के दो फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि रतनी गांव में हुई मारपीट की घटना के संबंध में दर्ज कांड संख्या 238/26 में दोनों अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रतनी गांव निवासी धर्मवीर यादव एवं पंकज यादव (पिताझ बालेश्वर यादव) के रूप में हुई है। दोनों हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के रतनी गांव के स्थायी निवासी हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में मुंगेर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

दारौंदा में नए राशन कार्ड के लिए 643 आवेदन: अब केवल ऑनलाइन होंगे आवेदन बीडीओ

सीवान/दारौंदाः प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से नए राशन कार्ड के लिए 643 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों की जांच प्रक्रिया जारी है और पात्र पाए जाने वाले आवेदकों का राशन कार्ड बनाया जाएगा। प्रखंड में वर्तमान में 32,008 राशन कार्डधारी हैं, जिन्हें जनवितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न का लाभ मिल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि राशन कार्ड के लिए ऑफलाइन आवेदन की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। अब नए आवेदक केवल ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज और सही जानकारी देना अनिवार्य होगा। जांच में पात्र पाए जाने वाले परिवारों को ही राशन कार्ड का लाभ मिलेगा।

सावन के आठवें दिन साढ़े तीन लाख कांवड़िया अजगैविनाथ धाम से बैधनाथ धाम के लिए हुए रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर सुल्तानगंज। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के आठवें दिन साढ़े तीन लाख कांवड़िया अजगैविनाथ धाम से बैधनाथ धाम के लिए हुए रवाना/आपको बताते चलें कि बिहार, झारखंड, राजस्थान उत्तरप्रदेश बंगाल नेपाल, उड़ीसा के हजारों हजारों की संख्या में सुबह से ही उत्तरवाहिनी गंगा घाट पर गंगा में डुबकी लगाने की भीड़ उमड़ गई थी/कांवड़ियों ने उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाकर गंगा जल लेकर हर हर महादेव,बोल बम के जयाकारे लगाकर पूजा करते हुए पैदल व वाहन से बैधनाथ धाम के लिए रवाना हो रहे हैं/जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश पर अजगैविनाथ गंगा घाट, नमामि गंगा घाट, कांवड़िया पथ पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किये गये थे/ नगर परिषद सुल्तानगंज के द्वारा गंगा घाट में बेरिकेडिंग,नाविक, लाइटिंग,साफ सफाई व्यवस्था करने पर कांवड़ियों ने बताया कि अजगैविनाथ गंगा घाट पर लाइटिंग की व्यवस्था नहीं होने पर अंधकार में कांवड़िया गंगा में डुबकी लगा रहे हैं/और कहा कि खान पान की व्यवस्था गंगा घाट पर सही नहीं मिल रही है,और कहा कि जिला प्रशासन के द्वारा खान पान की जांच की विभाग के द्वारा अबतक नहीं करने पर कांवड़िया बिमार पड़ रहें हैं/ आपको बताते चलें कि गंगा घाट, कच्ची कांवड़िया पथ पर सादा खाना, मिठाई में मिलावट कर खाना परोसे जा रहे हैं/विभाग के द्वारा इस ओर कोई पहल नहीं की गई है,शहर व कांवड़िया पथ पर डुबली कैट सामान व खाना,पिना का माल खुले आम मिल रहे हैं।

उच्च मध्य विद्यालय बीटी विगहा श्रीरामपुर में इको क्लब के तत्वावधान में हुआ पौधारोपण

प्रखंड क्षेत्र के उच्च मध्य विद्यालय बीटी विगहा श्रीरामपुर में गुरुवार को इको क्लब के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के इको क्लब के नोडल शिक्षक बृजेश कुमार पांडेय ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा हरियाली को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायिका मंजू अग्रवाल थीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य विजय गुप्ता एवं कमलेश प्रसाद सिंह सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में विद्यालय परिसर में छायादार एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान शिक्षकों में स्वाती कुमारी, निलेश कुमार, शशि श्रीवास्तव, संजीत यादव, रंजीत, रामप्रवेश सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएँ मौजूद रहीं। सभी ने मिलकर विद्यालय परिसर को हराभरा बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए इको क्लब के नोडल शिक्षक बृजेश कुमार पांडेय ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं। ये न केवल शुद्ध वायु और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करते हैं, बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल का सामूहिक संकल्प लिया।

धरहरा में जनगणना 2027 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, पारदर्शिता और शुद्धता पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। जनगणना 2027 की तैयारियों ने अब रफ्तार पकड़ ली है। इसी कड़ी में गुरुवार को धरहरा प्रखंड कार्यालय सभागार में जिला जनगणना पुस्तिका (डीसीएचबी) के अंतर्गत फील्ड पदाधिकारियों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों को शत-प्रतिशत सटीक आंकड़ों के संकलन, अभिलेखों के सत्यापन तथा निर्धारित प्रारूप के अनुसार सूचनाएं संग्रहित करने की प्रक्रिया से दक्ष बनाना था। प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक राजीव कुमार झा ने जनगणना की कार्यप्रणाली, डेटा संकलन, रिकॉर्ड संधारण तथा विभिन्न प्रपत्रों को सही ढंग से भरने की विस्तृत जानकारी दी। वहीं टी.ए. (जनगणना) प्रिंस राज ने तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभी कार्यों को समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में फील्ड पदाधिकारी मनोज कुमार, कपिल देव दास, सतीश कुमार, एमडी वसीम, राज कुमार दास एवं सत्येन्द्र नारायण सिंह सहित अन्य कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने जनगणना कार्य में गोपनीयता, पारदर्शिता और शुद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया। प्रशिक्षकों ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि देश के भविष्य की विकास योजनाओं की आधारशिला है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ही सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आवास, रोजगार और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार करती है तथा संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करती है। उन्होंने सभी फील्ड पदाधिकारियों से पूरी ईमानदारी, सतर्कता और निर्धारित मानकों के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया, ताकि जनगणना 2027 का कार्य पूरी तरह विश्वसनीय, प्रभावी और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

संक्षिप्त समाचार

हादसे में घायल महिला को अस्पताल पहुंचाकर खुद लगाए टांके

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ से कांग्रेस के विधायक विक्रांत भूरिया ने बुधवार को जनप्रतिनिधि होने के साथ ही डॉक्टर होने का फर्ज भी निभाया है. कल्याणपुर क्षेत्र के बावड़िया गांव में दो मोटरसाइकिलों की आपस में भिड़ंत हो गई जिसमें एक महिला बुरी तरह से घायल हो गई. विधायक विक्रांत भूरिया ने घायल महिला को न सिर्फ अस्पताल पहुंचाया बल्कि अपने डॉक्टर होने का फर्ज भी निभाया और महिला को लगी चोट पर टांके भी लगाए हैं. हालांकि, इस दौरान कल्याणपुर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर विभाग की पोल भी खुल गई जब महिला का समय पर एक्स रे भी नहीं हो सका और अस्पताल में आवश्यक दवाई और संसाधन भी नहीं मिले.
विक्रांत भूरिया राजनीति में आने से पूर्व डॉक्टर थे गौरतलब है कि विक्रांत भूरिया राजनीति में आने से पूर्व डॉक्टर थे. उन्होंने मास्टर्स इन सर्जरी भी किया हुआ है. वह पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के पुत्र और वर्तमान में झाबुआ से विधायक हैं. एक जनप्रतिनिधि के तौर पर क्षेत्र के दौरे पर निकले विक्रांत भूरिया को रास्ते में दुर्घटना में घायल हुए कुछ लोग मिले जिन्हें अस्पताल पहुंचा कर विक्रांत भूरिया ने उनका प्राथमिक उपचार भी किया.
विक्रांत भूरिया ने फोन पर चर्चा में बताया कि 'रास्ते में उन्हें बाइक दुर्घटना में घायल हुए कुछ लोग मिले, जिसमें बहन शांति मेड़ा गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. उन्हें हम कल्याणपुर स्थित सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे थे. जहां ड्रेसर उपलब्ध नहीं होने पर डॉक्टर होने के नाते मैंने अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास किया है.'

आम ग्राहकों के लिए ई-मेल के जरिए फंड ट्रांसफर की सुविधा बंद, सिर्फ इन लोगों को ही मिल सकेगा लाभ

लखनऊ, एजेंसी। बैंकों ने ग्राहकों (एनआरई -विदेशी मुद्रा के भारतीय खातों को छोड़कर) के लिए ई-मेल के आधार पर फंड ट्रांसफर की सुविधा बंद करने का फैसला किया है। कॉर्पोरेट ग्राहकों पर इसका असर नहीं होगा, लेकिन इसके लिए कई अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अनिवार्य रहेंगे। बैंक अधिकारियों का कहना है कि साइबर धोखाधड़ी, फर्जी ई-मेल और दस्तावेजों के दुरुपयोग के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। नए निर्देशों के तहत, अब व्यक्तिगत ग्राहकों को धनराशि भेजने के लिए इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ, एनईएफटी, आरटीजीएस या शाखा में जाकर निर्धारित प्रक्रिया का ही पालन करना होगा। बैंक अधिकारियों का मानना है कि डिजिटल माध्यमों में बहुस्तरीय प्रमाणीकरण (ऑथेंटिकेशन) होने से लेनदेन अधिक सुरक्षित रहता है। अधिकारियों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ई-मेल को बैंक रिकॉर्ड में रखें, लेकिन किसी भी लेनदेन के लिए केवल अधिकृत डिजिटल माध्यमों का ही उपयोग करें।

एसआईआर पर सवाल उठाने वालों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कसा आगरा में तंज

आगरा, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्ढ्ढक्रपर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है. आगरा में आयोजित नेशनल चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि, कौन क्या कहता है कोई फर्क नहीं पड़ता, हर काम संविधान के मुताबिक हो रहा है.
ज्ञानेश कुमार ने कहा कि, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है. देश ही दुनिया की निर्वाचन आयोग सबसे बड़ी चुनाव प्रबंधन संस्था है. जनता से अपील है कि जागरुक मतदाता बनें. मतदान जरूर करें. मुख्य चुनाव आयुक्त ने एसआईआर को लेकर एक कहानी सुनाई. उन्होंने कहा कि सूरज कहां उगता है. सूरज यदि पूरब में उगता है तो ये कोई खबर नहीं है. सूरज यदि पश्चिम में उगे तो न्यूज बनेगी.
एक बार मैं टीवी देख रहा था तो टीवी पर कुछ लोग बोल रहे थे, एसआईआर में ये गलत है. एसआईआर में ये गड़बड़ है. मुझे नहीं लगा. जब कार्यालय आया तो मैंने कहा कि चलो इन लोगों को सच बताते हैं. उन्हें बुलाया उनसे कहा कि सूरज पूरब में उगता है. पश्चिम में क्यों उगा रहे हो. हमें तो ऐसा बतलाया गया था. उन्हें एसआईआर के बारे में समझाया.

100 से अधिक सड़कें बंद, सैकड़ों बिजली ट्रांसफॉर्मर ठप... हिमाचल में मॉनसून का कहर

शिमला, एजेंसी। प्रदेश में मानसून की सक्रियता से राज्य के विभिन्न हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। मौसम विभाग ने आगामी 11 अगस्त तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, भूस्खलन और लगातार बारिश के कारण 100 से अधिक सड़कें, सैकड़ों बिजली ट्रांसफार्मर और दर्जनों पेयजल योजनाएं ठप पड़ गई हैं। चंबा जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। मणिमहेश यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं की थार गाड़ी पर मेहला के समीप तड़के करीब तीन बजे पहाड़ी से एक विशालकाय चट्टान आ गिरी। पत्थर सीधे वाहन के सनरूफ पर गिरा, जिससे गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में पंजाब निवासी एक श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, आगामी दिनों में प्रदेशवासियों को बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। 6 अगस्त को बिलासपुर, कांगड़ा और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट। 7 और 8 अगस्त को सिरमौर और कांगड़ा जिलों में यलो अलर्ट की चेतावनी दी है। 9 से 11 अगस्त को ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा और सिरमौर सहित कई क्षेत्रों में यलो अलर्ट के साथ मूसलाधार बारिश का अनुमान व्यक्त किया गया है। प्रदेश में 110 से अधिक मुख्य व संपर्क मार्ग बंद हैं। इनमें मंडी (51), सिरमौर (39), कुल्लू (36) और शिमला (15) सबसे ज्यादा सड़कें प्रभावित हैं। सिरमौर के पांवटा साहिब उपमंडल में 143 सहित पूरे राज्य में लगभग 189-191 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हैं।

लोकसभा के बाद विधानसभा सीट पर अखिलेश की नजर

भाजपा को पटखनी देने का बनाया प्लान, खेला ब्राह्मण कार्ड

अयोध्या, एजेंसी। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले अयोध्या को अपनी सबसे अहम राजनीतिक रणभूमि बना लिया है। लखनऊ में आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंच से पूर्व विधायक पवन पांडेय को अयोध्या से पार्टी का उम्मीदवार घोषित करने जैसे संकेत दिए। उन्होंने कहा, 'पवन पांडेय जी, अयोध्या से जीतने जा रहे हैं।' उनके इस बयान पर सम्मेलन में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जोरदार तालियां बजाईं। इससे पहले भी लोकसभा चुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने अवधेश प्रसाद को लेकर कहा था कि वे सांसद बनने वाले हैं। बाद में अवधेश प्रसाद ने फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। अब तक राम मंदिर के मुद्दे पर अपेक्षाकृत सतर्क रहने वाली समाजवादी पार्टी इस बार कथित राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बना रही है। सपा का आरोप है कि इस मामले ने राम मंदिर प्रबंधन पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी संसद से लेकर उत्तर प्रदेश विधानसभा तक इस मुद्दे को

उठा रही है। संसद परिसर में सपा सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया, जबकि विधानसभा में भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा गया। सपा का मानना है कि राम मंदिर से जुड़े इस विवाद ने भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में ला दिया है और यही मुद्दा आगामी विधानसभा चुनाव में भी प्रमुख रहेगा।
सपा ने संकेत दिया है कि अयोध्या विधानसभा सीट से एक बार फिर पवन पांडेय को उम्मीदवार बनाया जाएगा। पवन पांडेय 2012 में इस सीट से विधायक रह चुके हैं और हाल के वर्षों में अयोध्या में भूमि अधिग्रहण, विस्थापन और स्थानीय लोगों के मुद्दे उठाते रहे हैं।
2024 के लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर भाजपा की हार को विपक्ष ने बड़ा राजनीतिक संदेश माना था। सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने भाजपा के लल्लू सिंह को हराया था। इसके बाद अब पार्टी की कोशिश विधानसभा चुनाव में भी इसी राजनीतिक बढ़त को दोहराने की है। हालांकि अयोध्या विधानसभा सीट पर भाजपा का मजबूत रिकॉर्ड रहा है। 1991 से 2007 तक भाजपा के लल्लू सिंह लगातार पांच बार विधायक बने। 2012 में सपा के पवन पांडेय ने जीत दर्ज की, जबकि 2017 और 2022 में भाजपा ने फिर सीट अपने नाम कर ली। सपा नेताओं का दावा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का अंतर लगभग 20 हजार वोट रह गया था। पार्टी का मानना है कि इस बार स्थानीय मुद्दों और कथित चढ़ावा विवाद के कारण भाजपा को नुकसान हो सकता है। सपा का तर्क है कि राम मंदिर निर्माण और विकास परियोजनाओं के दौरान कई स्थानीय लोगों को भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर असंतोष रहा है। पार्टी इसी नाराजगी को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है। अयोध्या विधानसभा सीट पर ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक मानी जाती है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यहां लगभगः सपा की रणनीति ब्राह्मण मतदाताओं में अपनी पैठ बढ़ाने की है। पार्टी का मानना है कि यदि ब्राह्मण वोटों का एक हिस्सा उसके पक्ष में आता है और यादव, मुस्लिम, दलित तथा अन्य सहयोगी सामाजिक वर्गों का समर्थन मिलता है। तो अयोध्या विधानसभा सीट पर मुकाबला उसके पक्ष में जा सकता है। हालांकि, चुनावी नतीजा अंत में मतदाताओं के फैसले पर निर्भर करेगा और सभी दल आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी-अपनी रणनीति तैयार करने में जुटे हैं।

प्रयागराज में राहुल गांधी के गूंज कार्यक्रम की जगह पर छिड़ा घमासान

ट्रस्ट ने रद्द की कार्यक्रम की अनुमति

प्रयागराज, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 8 अगस्त को प्रस्तावित प्रयागराज दौरे से पहले नया विवाद सामने आ गया है। कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट ने दावा किया है कि छात्रों के साथ प्रस्तावित संवाद कार्यक्रम के लिए पहले दी गई अनुमति रद्द कर दी गई है। हालांकि, कांग्रेस ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि कार्यक्रम तय स्थान पर ही आयोजित होगा।

केपी ट्रस्ट ने बताए अनुमति रद्द करने के कारण

केपी ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह के अनुसार, अनुमति रद्द करने का फैसला कई कारणों को ध्यान में रखकर लिया गया है। ट्रस्ट का कहना है कि 14 अगस्त 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार स्कूल और कॉलेज परिसरों के मैदानों का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों या ऐसी गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकता, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो। ट्रस्ट के मुताबिक, प्रस्तावित कार्यक्रम से परिसर से जुड़े दो विद्यालयों के छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

बारिश से मैदान को नुकसान की आशंका

ट्रस्ट ने यह भी कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण मैदान पहले से ही संवेदनशील स्थिति में है। यदि बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है तो मैदान को नुकसान पहुंच सकता है और उसे दोबारा उपयोग योग्य बनाने में समय और संसाधन

दोनों लगेंगे। इसी आधार पर ट्रस्ट ने सुझाव दिया है कि कार्यक्रम बारिश समाप्त होने के बाद और विद्यालयों की छुट्टियों के दौरान आयोजित किया जाए। साथ ही कांग्रेस से कहा गया है कि कार्यक्रम के लिए जमा कराई गई राशि कार्यालय से वापस ले सकती है।

दूसरी ओर कांग्रेस ने केपी ट्रस्ट के दावे को खारिज कर दिया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता मोहम्मद फरहान ने कहा कि राहुल गांधी का कार्यक्रम पहले से तय स्थान पर ही होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम को लेकर बैठक हो चुकी है और अनुमति रद्द किए जाने की बात सही नहीं है।
राहुल गांधी का प्रयागराज दौरा 8 अगस्त को प्रस्तावित है। इस दौरान वे 'गूंज' कार्यक्रम के तहत छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम में पेपर लीक, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी का प्रयागराज से विशेष जुड़ाव है और छात्रों से संवाद का कार्यक्रम तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किया जाएगा।
फिलहाल केपी ट्रस्ट और कांग्रेस के दावों में स्पष्ट विरोधाभास दिखाई दे रहा है। एक ओर ट्रस्ट अनुमति रद्द करने की बात कह रहा है, जबकि कांग्रेस का दावा है कि कार्यक्रम निर्धारित स्थल पर ही होगा। अब सभी की नजर प्रशासन और संबंधित पक्षों के अगले आधिकारिक कदम पर बनी हुई है।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह का निधन, दिल्ली के फोर्टिस हॉस्पिटल में ली अंतिम सांस

बलिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक उमाशंकर सिंह का निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से प्रदेश की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई है। उमाशंकर सिंह बलिया जिले की रसड़ा तहसील के खनवर गांव के निवासी थे। वह मौजूदा उत्तर प्रदेश विधानसभा में बसपा के एकमात्र विधायक थे। उन्होंने लगातार तीन बार विधानसभा चुनाव जीतकर अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ का परिचय दिया।
उमाशंकर सिंह ने पहली बार 2012 में बसपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतकर सदन में प्रवेश किया। इसके बाद 2017 में भाजपा की प्रचंड लहर के बावजूद उन्होंने रसड़ा सीट बरकरार रखी। वर्ष 2022 में भी बसपा के टिकट पर जीत दर्ज कर लगातार तीसरी बार विधायक बने।
उमाशंकर सिंह के निधन की खबर सामने आते ही उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा, 'बलिया की रसड़ा विधानसभा से बसपा के विधायक उमाशंकर सिंह का निधन अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि।' उमाशंकर

सिंह की शुरुआती शिक्षा बलिया में हुई। कॉलेज के दौरान उन्होंने छात्र राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई, हालांकि शुरुआती दौर में उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने ठेकेदारी के क्षेत्र में कदम रखा और निर्माण कार्यों के जरिए बड़ी पहचान बनाई। उन्होंने 'छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन्स' नाम से कंपनी स्थापित की, जो सड़क निर्माण के क्षेत्र में कार्य करती है। उनकी कारोबारी गतिविधियां माइनिंग सेक्टर तक भी फैली थीं। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा और होटल उद्योग में भी निवेश किया। उनकी पत्नी पुष्पा सिंह सीएस इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर हैं।

मेलोनी के साथ ट्रंप का विवाद फिर शुरू, नाटो समिट से पहले झगड़े वाला मीम किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को अपने ट्रुथ

सोशल प्लेटफॉर्म पर एक मीम शेयर करके इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ फिर से विवाद को जन्म दिया है। इस मीम में दिखाया गया था कि मेलोनी उन पर बहुत ज्यादा ध्यान देती हैं। यह घटनाक्रम तुर्किए में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं के शामिल होने से ठीक एक दिन पहले हुआ।
इस तस्वीर में मेलोनी मुस्कुराते हुए और ऊपर की ओर यानी ट्रंप की तरफ देखते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, रेस्ट्रेनिंग ऑर्डर की जरूरत है। यानी रोकथाम के आदेश की जरूरत। ये तस्वीर उसी दौरान की है जब जी7 समिट में ट्रंप और मेलोनी के बीच विवाद हो गया था। इस पोस्ट लोगों का ध्यान इस वजह से भी गया है क्योंकि उम्मीद है कि ट्रंप और मेलोनी तुर्किए में होने वाले नाटो समिट में दूसरे नेताओं के साथ मिलेंगे। ट्रंप का यह पोस्ट उनके हालिया दावों के बाद आया है, जिनमें उन्होंने कहा था कि जी7 समिट के दौरान मेलोनी ने बार-बार उनसे तस्वीर खिंचवाने के लिए कहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि ईरान से जुड़े ऑपरेशन के दौरान इटली ने अमेरिका को अपने रनवे इस्तेमाल करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

मेलोनी ने क्या दिया जवाब?

मेलोनी ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज किया है। उन्होंने ट्रंप के दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत बताया और कहा, न तो मैं और न ही इटली कभी किसी के सामने गिड़गिड़ाते हैं। कुछ हफ्ते पहले सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप की लगातार आलोचना का जवाब देते हुए मेलोनी ने कहा था, राष्ट्रपति ट्रंप बिना किसी वजह के लगातार किए जा रहे ये हमले बेमतलब हैं।
उन्होंने अपनी लोकप्रियता के बारे में ट्रंप की बातों को भी खारिज करते हुए कहा, मेरी लोकप्रियता इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मेरी क्षमता पर निर्भर करती है और मैंने हमेशा यही किया है।
मेलोनी ने अमेरिकी मिलिट्री बेस पर इटली के रुख का भी बचाव किया और कहा कि उनका इस्तेमाल मौजूदा समझौतों के तहत होता है, जिनका जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं उल्लंघन नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, इटली एक संप्रभु देश है। वैसे भी मेरी लोकप्रियता आपकी चिंता का विषय नहीं है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें।

● यह दोस्ती कभी नहीं भूलेंगे

खामेनेई की अंतिम विदाई समारोह में भारत की मौजूदगी पर ईरान ने जताया

तेहरान, एजेंसी। ईरान दूतावास ने रविवार को पूर्व ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लेने के लिए भारत सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। ईरान ने कहा कि यह भाव दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को दिखाता है।
ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा,'भारत गणराज्य में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास भारत की मित्रवत सरकार और जनता, विशेष रूप से भारत सरकार और जनता की ओर से उपस्थित आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के प्रति हार्दिक आभार और प्रशंसा व्यक्त करता है। जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के शहीद नेता, महामहिम अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।'
ईरान के लोग क्या नहीं भूलेंगे?: भारत की भागीदारी की सराहना करते हुए दूतावास ने कहा, ईरान के लोग मित्रता,

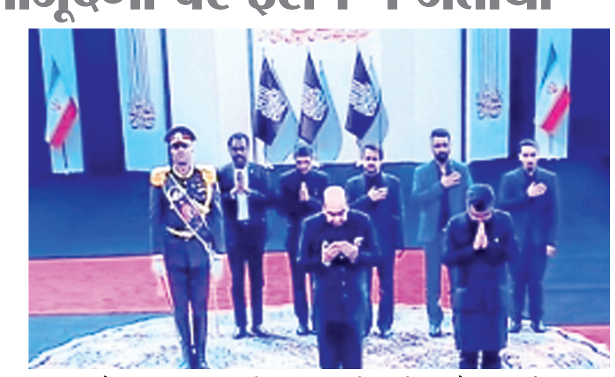

करुणा और हार्दिक सम्मान के इस भाव को कभी नहीं भूलेंगे। वे इसे इस्लामी गणराज्य ईरान और भारत गणराज्य के बीच अटूट संबंधों का एक अनमोल प्रमाण और हमारे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता को और मजबूत करने के लिए एक अहम आधार मानते हैं।' पोस्ट में आगे कहा गया कि भारत में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास एक बार फिर उन सभी भारतीय अधिकारियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों और भारत के नेक लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है, जो इस दुख की घड़ी में ईरान के लोगों के साथ खड़े रहे और उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की।' विदेश मामलों की राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने तेहरान में आयोजित अंतिम विदाई समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जो अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे, उन्होंने खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जो अंतिम संस्कार में शामिल हुईं, उन्होंने भी ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की।

नाटो की बैठक से पहले रूस का यूक्रेन पर बड़ा

मॉस्को, एजेंसी। नाटो शिखर बैठक से ठीक पहले रूस ने युक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है और मलबे में लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान जारी है।
यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने एक साथ कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर के कम से कम दो जिलों में मलबा गिरने से आग लग गई और नुकसान हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी। हालांकि शुरुआती जानकारी में किसी नए बड़े जनहानि के आंकड़े जारी नहीं किए गए। इससे पहले भी पिछले सप्ताह रूस ने कीव पर बड़ा हमला किया था, जिसमें कम से कम 30 लोगों की

मौत हुई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है। पिछले कुछ सप्ताह में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के रणनीतिक ठिकानों को लगातार निशाना बनाया है। चार जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब 90 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई थी। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने में मदद की पेशकश की थी। हालांकि बातचीत के कुछ ही दिनों बाद कीव पर हुए ताजा हमले ने संकेत दिया है कि फिलहाल युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। अब सभी की नजर नाटो शिखर सम्मेलन पर रहेगी, जहां यूक्रेन संकट को लेकर आगे की रणनीति और सहयोग पर अहम फैसले लिए जा सकते हैं।

अपने ही सगे बेटे के साथ आपत्तिजनक हालत में थी पत्नी, पिता समझता रहा मां की ममता, फिर एक दिन कमरे में पहुंचा तो...

वाशिंगटन, एजेंसी। रिश्तों की पवित्रता को शर्मसार करने वाला एक बेहद चौंकाने वाला मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है। यह घटना अमेरिका के अर्कांसस से सामने आई है जहां एक सगे मां और बेटे के बीच के अवैध संबंधों का भंडाफोड़ खुद उसके पिता ने किया था। जब यह मामला पहली बार सामने आया था तब इसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। अब इस घटना की यादें इंटरनेट पर दोबारा वायरल हो रही हैं। आमतौर पर मां और बेटे का रिश्ता दुनिया में सबसे पवित्र माना जाता है। एक मां अपने बच्चे को पाल-पोसकर बड़ा करती है और उसे सही रास्ता दिखाती है। इस मामले में भी पीड़ित पति को शुरुआत में अपनी पत्नी और 27 वर्षीय बेटे के बीच का गहरा लगाव बेहद सामान्य लगता था। पति को लगता था कि मां अपने इकलौते बेटे से बहुत प्यार करती है और यह सिर्फ एक मां की ममता है। इसी वजह से उसने कभी दोनों पर शक नहीं किया। पति ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया था कि एक दिन जब वह अचानक घर के कमरे में पहुंचा तो जो मंजर उसने देखा उसने उसके पैरों तले जमीन खिसका दी। उसकी पत्नी और उसका सगा बेटा बेहद आपत्तिजनक और घिनौनी स्थिति में थे। अपनी ही आंखों के सामने रिश्तों का यह कत्ल देखकर पिता गहरे सदमे में चला गया।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496